शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

# विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 149 | गुवाहाटी | शनिवार, 28 दिसंबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

वो सिर्फ अपना चेहरा चमकाने आते हैं... पेज 2
एसटीएफ ने धुबड़ी से पकड़ा आतंकवादी पेज 3
मनमोहन सिंह आर्थिक संकट के दौर में भारतीय अर्थव्यवस्था की प्राण ... पेज 5
यशस्वी की शानदार पारी के बाद लड़खड़ाई भारत की पारी, 164 रन पर खोए 5 विकेट पेज 7

# आज निगम बोध घाट पर होगा पूर्व पीएम का अंतिम संस्कार

**नई दिल्ली ( हि.स. )।** दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार शनिवार को 11.45 बजे निगम बोध घाट पर राजकीय सम्मान के साथ किया जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इसका हवाला देते हुए रक्षा मंत्रालय से पूर्ण सैन्य सम्मान के साथ उनका राजकीय अंतिम संस्कार किए जाने की व्यवस्था करने का अनुरोध किया है। इससे पहले आज कांग्रेसाध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री से डॉ. मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार और उनके स्मारक के लिए जगह दिए जाने की मांग की थी, इसलिए कांग्रेस नेताओं में सरकारी निर्णय को लेकर नाराजगी है। गृह मंत्रालय के संयुक्त सचिव (सार्वजनिक) जी पार्थसारथी ने रक्षा मंत्रालय के संयुक्त सचिव (समन्वय) मयंक तिवारी को लिखे पत्र में कहा है कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का 26 दिसंबर, 2024 को रात 9.51 बजे एम्स अस्पताल, नई दिल्ली में निधन हो गया। सरकार ने निर्णय लिया है कि डॉ. मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ किया जाएगा। अंतिम संस्कार 28 दिसंबर, 2024 को पूर्वाह्न 11:45 बजे निगमबोध घाट, नई दिल्ली में होगा। रक्षा मंत्रालय से अनुरोध है कि वह पूर्ण सैन्य सम्मान के साथ राजकीय अंतिम संस्कार की व्यवस्था करे। कांग्रेस के महासचिव केसी वेणुगोपाल के अनुसार बताया पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का पार्थिव शरीर आज जनता के अंतिम दर्शन के लिए उनके निवास स्थान 3, मोतीलाल नेहरू रोड, नई दिल्ली पर रखा गया है। कल 28 दिसंबर को सुबह 8 बजे उनका पार्थिव शरीर एआईसीसी मुख्यालय ले जाया जाएगा और जनता तथा कांग्रेस कार्यकर्ताओं को कल सुबह 8.30 से 9.30 बजे के बीच श्रद्धांजलि अर्पित करने का अवसर मिलेगा। डॉ. सिंह की अंतिम यात्रा कल सुबह 9.30 बजे एआईसीसी मुख्यालय से श्मशान घाट के लिए शुरू होगी। उधर, डॉ. मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार के लिए निगमबोध घाट पर व्यवस्था किए जाने की बाबत गृह मंत्रालय के इस पत्र के बाद कांग्रेस नेताओं ने नाराजगी जतानी शुरू कर दी है। आज कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में अलग जगह दिए जाने पर भी चर्चा हुई। उसके बाद राज्यसभा सदस्य रणदीप सुरजेवाला ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि सरदार मनमोहन सिंह ने 10 वर्षों तक बतौर प्रधानमंत्री राष्ट्र निर्माण की अनूठी गाथा लिखी, समावेशी विकास की नींव रखी और भारतीय अर्थव्यवस्था को नई बुलंदियों तक पहुंचाया। उनके सम्मान तथा याद में राजधानी दिल्ली में स्मारक स्थल का निर्माण मां भारती के महान सपूत को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। राजनीतिक विचारधारों से परे कांग्रेस अध्यक्ष के इस अनुरोध को स्वीकार कर स्मारक स्थल पर ही अंतिम संस्कार तथा स्मारक निर्माण का अविलंब निर्णय मोदी सरकार को लेना चाहिए। उम्मीद है कि करोड़ों देशवासियों की भावना, जो कांग्रेस अध्यक्ष ने व्यक्त की है, उसी के -शेष पृष्ठ दो पर

*अंतिम संस्कार को लेकर सियासी घमासान*

## सरकार के फैसले से कांग्रेस नाखुश

**नई दिल्ली।** पूर्व पीएम मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार निगमबोध घाट पर कराने के सरकार के फैसले पर कांग्रेस ने नाराजगी जताई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीएम मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को फोन कर डॉ मनमोहन सिंह के लिए स्मारक बनाने की मांग की थी। खड़गे के फोन के जवाब में सरकार की तरफ से स्थल देने पर विचार करने के लिए दो-चार दिन का समय मांगा गया। इसकी जानकारी कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक में रखी गयी तो प्रियंका गांधी ने कहा कि ऐसे में अंतिम संस्कार के लिए मनमोहन सिंह को वीर भूमि या शक्ति स्थल का ही कोई हिस्सा दे दिया जाए, वहीं उनका समाधि स्थल भी बन सकता है। कांग्रेस ने ये सरकार को बता भी दिया, इसके बाद भी सरकार की तरफ से निगमबोध घाट में अंतिम संस्कार किए जाने की जानकारी दी गई। वहीं, समाधि के लिए स्थल दिए जाने पर कोई आश्वासन तक नहीं दिया गया। प्रियंका गांधी को जब इसकी जानकारी दी गयी तो उन्होंने इसे सरकार द्वारा मनमोहन सिंह का -शेष पृष्ठ दो पर

## मनमोहन सिंह को एक सुधारवादी नेता के रूप में याद किया जाएगा : प्रधानमंत्री

**नई दिल्ली ( हि.स. )।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया और देश की प्रगति एवं विकास में उनके योगदान की प्रशंसा करते हुए कहा कि सिंह को हमेशा एक सुधारवादी नेता के रूप में याद किया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने एक विशेष वीडियो संदेश में मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्री के रूप में कार्यकाल और स्वयं के गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में कार्यकाल के दौरान हुई बातचीत को याद किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. सिंह के निधन ने हम सभी के हृदय को गहरी पीड़ा पहुंचाई है। उनका जाना, एक राष्ट्र के रूप में भी हमारे लिए बहुत बड़ी क्षति है। विभाजन के उस दौर में बहुत कुछ खोकर भारत आना और यहां जीवन के हर क्षेत्र में उपलब्धियां हासिल करना, ये सामान्य बात नहीं है। अभावों और संघर्षों से ऊपर उठकर कैसे ऊंचाइयों को हासिल किया जा सकता है, उनके जीवन से ये सीख -शेष पृष्ठ दो पर

## डॉ. मनमोहन सिंह का निधन मेरे लिए व्यक्तिगत क्षति : सोनिया गांधी

**नई दिल्ली ( हि.स. )।** कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। आज शाम जारी अपने शोक संदेश में सोनिया गांधी ने कहा कि डॉ. सिंह का निधन मेरे लिए व्यक्तिगत क्षति है। वे मेरे मित्र, दार्शनिक और मार्गदर्शक थे। सोनिया गांधी ने कहा कि डॉ. सिंह के निधन से हमने एक ऐसे नेता को खो दिया है जो ज्ञान, बड़प्पन और विनम्रता के प्रतीक थे, जिन्होंने पूरे दिल और दिमाग से हमारे देश की सेवा की। कांग्रेस के लिए एक उज्ज्वल और प्रिय मार्गदर्शक, उनकी करुणा और दूरदर्शिता -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

*कार्य करने वाले के लिए उपाय सहायक होता है।*

**- आचार्य चाणक्य**

## पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के सम्मान में सात दिनी राष्ट्रीय शोक : राज्य सरकार

**गुवाहाटी।** असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के सम्मान में सात दिवसीय राजकीय शोक की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि सभी राज्य सरकारी प्रतिष्ठानों पर राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा तथा सभी सरकारी मनोरंजन कार्यक्रम रद्द कर दिए गए हैं। 12 दिसंबर से शुरू होने वाला राजकीय शोक 1 जनवरी 2025 तक चलेगा। मुख्यमंत्री ने एक्स पर लिखा कि भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी के सम्मान में असम सरकार 26.12.2024 से 01.01.2025 तक 7 दिवसीय राजकीय शोक मनाएगी। इस दौरान -शेष पृष्ठ दो पर

## सीएम शर्मा ने 2024 के अंत में कई घोषणाएं कीं

**गुवाहाटी।** असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि असम सरकार और कुछ बैंक 1 जनवरी को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करेंगे, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि रोजगार के दौरान मरने वाले किसी भी सरकारी कर्मचारी के परिवारों को 5-10 लाख रुपए का बीमा दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कहा कि एक जनवरी को भारतीय स्टेट बैंक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और अन्य बैंक असम सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करेंगे और कैबिनेट का फैसला एक जनवरी से लागू होगा। यह बीमा सरकार द्वारा परिवार को दी जाने वाली सहायता के अतिरिक्त होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि दुर्घटना से संबंधित मामले में कर्मचारी की मृत्यु हो जाती है तो परिवार को एक करोड़ रुपए मिलेंगे तथा यदि दुर्घटना के कारण स्थायी विकलांगता हो जाती है तो परिवार को 70 लाख रुपए मिलेंगे। यह उन कुछ पहलों में से एक है जो 1 जनवरी से लागू की जाएंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पारस्परिक स्थानांतरण के लिए पोर्टल एक जनवरी को खोला जाएगा और 28 फरवरी तक आवेदन किए जा सकेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पोर्टल पर समान वेतनमान -शेष पृष्ठ दो पर

## राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति ने पूर्व पीएम को दी श्रद्धांजलि

**नई दिल्ली ( हि.स. )।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के तीन मोतीलाल नेहरू रोड स्थित आवास पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। राष्ट्रपति भवन ने एक्स पोस्ट में कहा कि राष्ट्रपति मुर्मु ने पूर्व -शेष पृष्ठ दो पर

## मुख्यमंत्री शर्मा और केंद्रीय मंत्री सोनोवाल ने जताया शोक

**गुवाहाटी ( हि.स. )।** पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा और केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने गहरा शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने सोशल मीडिया पर लिखा कि 1991 से -शेष पृष्ठ दो पर

## भागवत ने डॉ. मनमोहन सिंह को पुष्पांजलि अर्पित की

**नई दिल्ली ( हि.स. )।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की है। रा.स्व.संघ के प्रमुख डॉ. मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने पूर्व प्रधानमंत्री के निधन का समाचार पाकर एक संयुक्त शोक संदेश जारी किया। इसके बाद संघ -शेष पृष्ठ दो पर

## न्यूज गैलरी

### पंजाब में नाले में गिरी बस, चालक समेत आठ की मौत

**चंडीगढ़ ( हि.स. )।** पंजाब के बठिंडा में यात्रियों से भरी एक बस बेकाबू होकर नाले में गिर गई। इस हादसे में चालक समेत आठ यात्रियों की मौत हो गई, जबकि 15 लोग घायल हो गए। पुलिस, एनडीआरएफ की टीमों ने क्षेत्रीय लोगों की मदद से नाले में गिरे यात्रियों को रेस्क्यू कर बाहर -शेष पृष्ठ दो पर

## राजेन गोहाईं ने प्रदेश में भाजपा को आंतरिक संकट की चेतावनी दी

**डिब्रूगढ़।** वरिष्ठ भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री राजेन गोहाईं ने कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर राष्ट्रीय संगठनात्मक नेतृत्व वरिष्ठ भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं को मान्यता देने और उन्हें प्राथमिकता देने में विफल रहता है, तो पार्टी को गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। गोहाईं ने कहा कि असम में भाजपा आंतरिक अव्यवस्था और पतन के कगार पर है। डिब्रूगढ़ के मिलन नगर में बंद कमरे में हुई बैठक के दौरान गोहाईं ने वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और उनके बढ़ते असंतोष को दूर किया। उन्होंने मौजूदा राज्य नेतृत्व के दृष्टिकोण पर चिंता व्यक्त की और तत्काल संगठनात्मक सुधारों का आह्वान किया। गोहाईं ने वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ताओं को उचित मान्यता और सम्मान देने के महत्व को बताते हुए चेतावनी दी कि कार्रवाई की कमी से कई लोग प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक दलों, खासकर कांग्रेस में शामिल हो सकते हैं। भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ अपनी राज्यव्यापी चर्चा के बारे में बोलते हुए गोहाईं ने कहा कि कई वरिष्ठ कार्यकर्ता अलग-थलग महसूस करते हैं। उन्होंने मुझसे अपनी शिकायतें साझा की हैं और अन्य दलों, -शेष पृष्ठ दो पर

*मणिपुर में फिर भड़की हिंसा*

## इंफाल ईस्ट में उपद्रवियों ने अंधाधुंध फायरिंग और बम से फैलाई दहशत

**इंफाल।** मणिपुर में एक बार फिर उपद्रवियों ने हिंसा फैलाने का प्रयास किया है। पहाड़ी इलाकों से हथियारबंद लोगों ने शुक्रवार को मणिपुर के इंफाल ईस्ट जिले के दो गांवों में बंदूक और बम से हमला किया, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। सूत्रों ने एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के हवाले से बताया कि सनसाबी और थमनापोकपी गांवों में हमले हुए हैं। हालांकि, इन हमलों में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। अधिकारी ने एजेंसी को बताया कि सुरक्षाबलों ने जवाबी कार्रवाई की, जिसके -शेष पृष्ठ दो पर

## कई देशों के नेताओं ने जताया शोक

**नई दिल्ली ( हि.स. )।** पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर विश्व के कई देशों के नेताओं ने गहरा शोक जताया है। अमेरिका, कनाडा, श्रीलंका, नेपाल, मालदीव, अफगानिस्तान सहित पड़ोसी देशों के नेताओं ने सिंह को याद किया। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन -शेष पृष्ठ दो पर

चर्च में *जय श्री राम* का नारा लगाने वाले पर केस

## किसी को तनाव पैदा नहीं करने देंगे : सीएम

**शिलांग।** मेघालय पुलिस ने एक व्यक्ति के खिलाफ एक समुदाय के लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत करने के आरोप में मामला दर्ज किया है। उस पर पूर्वी खासी हिल्स जिले के चर्च में घुसकर *जय श्री राम* के नारे लगाने का आरोप है। एक अधिकारी ने बताया कि शख्स मावलीनॉन्ग गांव के चर्च में जबरदस्ती घुसा। उसके बाद उसने जय श्री राम के नारे लगाना शुरू कर दिया। इतना ही नहीं, इस -शेष पृष्ठ दो पर

*2025 में करदाताओं को मिल सकती है राहत*

## इनकम टैक्स में छूट देने पर सरकार कर रही विचार

**नई दिल्ली।** भारत का आगामी आम बजट 2025 टैक्सपेयर्स के लिए एक खास मौका लेकर आ सकता है, क्योंकि केंद्र सरकार आयकर में राहत देने पर गंभीरता से विचार कर रही है। खासतौर पर, उन लोगों के लिए जिनकी सालाना आय 15 लाख रुपये तक है, सरकार इनकम टैक्स में राहत दे सकती है। इस कदम का उद्देश्य एक तरफ टैक्सपेयर्स को राहत देना है, तो दूसरी तरफ यह कदम भारतीय अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने के लिए भी उठाया जा सकता है। रॉयटर्स ने अपनी रिपोर्ट में दो सरकारी सूत्रों के हवाले से बताया कि सरकार 15 लाख रुपये तक की आमदनी वालों के लिए आयकर में छूट देने पर विचार कर रही है। हालांकि, इस बारे में अभी तक पूरी जानकारी सामने नहीं आई है, और यह फैसला बजट से पहले लिया जा सकता है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पहले ही संकेत दिया था कि आगामी बजट 2025 में टैक्स संरचना पर खास ध्यान दिया जाएगा। अगर सरकार यह फैसला लागू करती है तो इससे लाखों आम नागरिकों को राहत मिल सकती है, जो सालाना 15 लाख रुपये तक कमाते हैं। यह फैसला

खासतौर पर उन वर्गों के लिए फायदेमंद हो सकता है जिनकी सालाना आय 10 लाख रुपये से 15 लाख रुपये तक होती है। इस कदम से उनकी टैक्स की दरों में कमी आएगी और उनके पास ज्यादा पैसा रहेगा, जिसका इस्तेमाल वे अपने जीवन स्तर को सुधारने के लिए या फिर व्यक्तिगत खर्चों में कर सकते हैं। कुछ प्रमुख अर्थशास्त्रियों और उद्योग विशेषज्ञों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को यह सुझाव दिया था कि सरकार को आयकर दरों में कटौती करनी चाहिए, ताकि टैक्सपेयर्स को अधिक -शेष पृष्ठ दो पर

## जमीअत उलमा-ए-हिंद ने श्रद्धांजलि दी

**नई दिल्ली ( हि.स. )।** जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है और इसे देश के लिए बड़ी क्षति बताया है। मौलाना मदनी ने अपने शोक संदेश में कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह ने एक -शेष पृष्ठ दो पर

**CLASSIFIED**

For all kinds of classified advertisements please contact

**97070-14771**
**86382-00107**

**MURTI AVAILABLE**

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

# धिंग में नाबालिक लड़की से दुष्कर्म, आरोपी फरार

**नगांव ( हिंस )।** जिले के धिंग के एक गांव में एक नाबालिग लड़की को बहलाकर उसके साथ गांव के एकयुवक ने दुष्कर्म किया। परिजनों ने मौके पर ही युवक को पकड़ लिया लेकिन वह फरार हो गया। परिजनों ने धिंग थाना में एफआईआर दर्ज कराई है। बताया गया कि बीती रात नाबालिग अपने परिजनों के साथ सो रही थी। रात में परिजन ने नाबालिग लड़की को उसके बिस्तर पर न देखकर उसकी खोजबीन शुरू की। तब घर के पिछले हिस्से में बांस के झुरमुट में लड़की मूर्छित अवस्था में मिली। परिजनों का आरोप है कि मुकसुदुल इस्लाम नामक युवक नाबालिग लड़की से दुष्कर्म कर रहा था। परिजनों ने आरोपी मुकसुदुल इस्लाम को पकड़ लिया। ग्रामीणों के अनुसार नाबालिग के पिता ने स्थानीय गांवबूढ़ा (गांव के मुखिया) को घटना की जानकारी दी। गांवबूढ़ा ने आरोपी को पुलिस के हवाले करने की बात कही, लेकिन उसने आरोपी को मौके से भागने का मौका दे दिया। गांवबूढ़ा के इस व्यवहार से नाराज पीड़ित के परिजन धिंग पुलिस स्टेशन में प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया और फरार मुकसुदुल को तलाश कर रही है। इस घटना को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश है।

# पुआल से लादे वाहन में लगी आग

**होजाई ( हिंस )।** होजाई जिले के डबका इलाके में चलते वाहन में आग लगने की वजह से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने शुक्रवार को बताया की पुआल से लदा टाटा मोबाइल वाहन (एएस-02बीसी-9462) बिजली के तार की चपेट में आ गया। जिसकी वजह से वाहन में लदे पुआल में आग लग गई। चालक ने बड़े सूझबूझ के साथ आग लगे वाहन को नदी में उतार दिया। जिसके बाद आग को बुझा लिया गया। चालक और खलासी इस घटना में बाल-बाल बच गए। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने घटना के संबंध में पूछताछ कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू की।

*बीपीएससी अभ्यर्थियों ने किया खान सर का विरोध, कहा-*

# वो सिर्फ अपना चेहरा चमकाने आते हैं...

**पटना।** बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर छात्रों का प्रदर्शन जारी है। इस प्रदर्शन के 11वें दिन शुक्रवार को मशहूर शिक्षक खान सर एक बार फिर पटना के गर्दनीबाग में छात्रों के बीच पहुंचे। उन्होंने मंच से छात्रों के समर्थन में अपनी बात रखी और सरकार से समाधान की मांग की। हालांकि, इस बार उन्हें छात्रों के एक वर्ग के कड़े विरोध का भी सामना करना पड़ा। प्रदर्शन के दौरान कुछ छात्रों ने खान सर पर आरोप लगाया कि वह सिर्फ अपनी छवि चमकाने के लिए आंदोलन में आते हैं। छात्र ने कहा कि खान सर इस आंदोलन को हाईजैक करना चाहते हैं और इसे अपनी पब्लिसिटी के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं। जब छात्रों ने मंच पर उनके खिलाफ नारे लगाए तो स्थिति तनावपूर्ण हो गई और खान सर को मंच छोड़कर जाना पड़ा। विरोध के बावजूद खान सर ने मंच से बोलते हुए कहा कि वह छात्रों के साथ खड़े हैं और उनकी मांगों का समर्थन करते हैं। उन्होंने प्रशासन पर छात्रों को भड़काने की कोशिश करने का आरोप लगाया। खान सर ने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इस मामले को गंभीरता से ले रहे हैं और जल्द ही इसका समाधान निकाला जाएगा। उन्होंने प्रदर्शनकारियों के समर्थन में नारा लगाया कि एक ही नारा, एक ही नाम, रीएग्जाम-रीएग्जाम। खान सर ने मंच से साफ कर दिया कि आंदोलन की फंडिंग की जांच के लिए सरकार से कहा जा सकता है। इससे पहले भी खान सर छात्रों के विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए थे। उस वक्त भी प्रदर्शन के दौरान विवाद बढ़ गया था, जिसके चलते उन्हें थाने जाना पड़ा था। तनावपूर्ण माहौल के कारण उनकी तबीयत बिगड़ गई और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। खान सर ने कहा कि परीक्षा से जुड़े विवाद के लिए आयोग जिम्मेदार है और उन्हें छात्रों के भविष्य की चिंता है। छात्रों का कहना है कि जब तक उनकी मांगें नहीं मानी जाएंगी उनका आंदोलन जारी रहेगा। इस घटना ने आंदोलन को और जटिल बना दिया है। जहां एक तरफ खान सर छात्रों के समर्थन में खड़े नजर आ रहे हैं तो वहीं दूसरी तरफ छात्रों का एक वर्ग उनके खिलाफ प्रदर्शन कर नई चुनौती पेश कर रहा है।

# चोरी की स्कूटी बरामद

**गुवाहाटी ( हिंस )।** गुवाहाटी के दिसपुर थाना क्षेत्र के भगदत्तपुर पुलिस चौकी की टीम ने चोरी की एक स्कूटी को बरामद किया है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि काहिलीपाड़ा इलाके के उज्जवल नगर से चोरी की गई स्कूटी (एएस-01ईई-0184) को चोरी के महज कुछ घंटे बाद ही बरामद कर लिया गया है। बरामद स्कूटी को पुलिस द्वारा औपचारिकता पूरी करने के बाद स्कूटी के मालिक को सौंप दिया गया। पुलिस पहले से दर्ज मामले के आधार पर चोरी मामले में शामिल वाहन चोर की तलाश कर रही है।

# गोलाघाट में अगप ने किया शक्ति प्रदर्शन, 140 महिलाएं हुई शामिल

**गोलाघाट ( हिंस )।** राज्य में पंचायत चुनाव से पहले असम गण परिषद (अगप) ने अपने गोलाघाट में शुक्रवार को अपना शक्ति प्रदर्शन किया। इस मौके पर एक सौ चालीस महिलाओं ने महिलाओं ने अगप की सदस्यता ग्रहण की है। स्थानीय अगप के जिला कार्यालय पर आयोजित एक कार्यक्रम में अगप अध्यक्ष और असम सरकार के मंत्री अतुल बोरा ने गोलाघाट जिले में पार्टी के आधार को मजबूत करने का दावा किया। बोरा ने आगामी पंचायत चुनाव को लेकर कहा कि कुछ दिनों के बाद अपनी पार्टी की तैयारियों के बारे में खुलासा करेंगे। मंत्री ने राइजर दल के अध्यक्ष और विधायक अखिल गोगोई के संबंध में कुछ भी बोलने से इंकार कर दिया। मंत्री बोरा ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की निधन पर शोक भी व्यक्त किया।

# देसी पिस्टल के साथ दो गिरफ्तार

**मोरीगांव ( हिंस )।** गुप्त सूचना के आधार पर जिले की भूरागांव थाने की पुलिस ने फलीहामारी पाम इलाके में छापेमारी कर एक देसी पिस्टल बरामद की। इस दौरान अबुल कलाम हक और मारफजुल इस्लाम नामक दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। मोरीगांव पुलिस ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म *एक्स* पर इस कार्रवाई की जानकारी साझा की। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। उधर नगांव जिले की रूपहीहाट पुलिस का ड्रग्स के खिलाफ अभियान लगातार जारी है।

*No.JDB/15th-FC/T/VI/6/2024-25/516* *Date- 26/12/2024*

**NOTICE INVITING TENDER**

Sealed Tenders affixing a non-refundable Court fee stamp amounting Rs. 8.25 (Rupees eight & twenty five paisa) only with a validity period of 180 Days which will subsequence to be converted and drawn up in the printed of F-2 form are invited form the registered Contractor of Class-I (A,B,C), Class-II, Class-III category of Assam PWD (Roads & Building) and BTC for the following works under 15th-FC (tied Grant)fund for the year 2023-24 during 2024-25 under Jalah Dev. Block of BTC area. The Tenders will be received by the undersigned up to **2.30PM on 18-01-2025** and will be opened on the same date & place at 3.30PM.

| Sl. No. | Name of Scheme | Tender Value (In Rs.) | Bid Security | Cost of BID documents (D/D) @ 0.03% (Approx.) | Time of Completion |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | Const. of Community Toilet at Anukul Mondir Simla Bazar | Rs. 10,47,960/- | Rs. 10,480/- @ 1% for ST/SC/OBC & Rs. 20,960/- @ 2% for General | Rs. 330/- | 3 (Three) months from the date of issue of work order |
| 2 | Const. of Community Toilet at Lwkhi Bazar | Rs. 10,47,960/- | Rs. 10,480/- @ 1% for ST/SC/OBC & Rs. 20,960/- @ 2% for General | Rs. 330/- | 3 (Three) months from the date of issue of work order |
| 3 | Const. of Community Toilet at Gorumara Bathou Mandir | Rs. 10,47,960/- | Rs. 10,480/- @ 1% for ST/SC/OBC & Rs. 20,960/- @ 2% for General | Rs. 330/- | 3 (Three) months from the date of issue of work order |

Details NIT may be seen at the office of the undersigned from 26-12-2024 to 17-01-2025.1 up to 1.00PM.

Sd/-
Block Development Officer,
Jalah Dev. Block, Jalahghat

*IPR(BTC)-2023-24/1203*

# पृष्ठ एक का शेष

## आज निगम बोध ...

अनुरूप निर्णय लिया जाएगा। कांग्रेस नेता अलका लांबा ने कहा कि सरदार मनमोहन सिंह जी का अंतिम संस्कार निगम बोध घाट पर होना कैसे उचित हो सकता है? उनके कद के मुताबिक यह कतई भी उचित स्थान नहीं है। ऐसा करना उनके सम्मान के खिलाफ जाना होगा। ऐसा पहले कभी किसी पूर्व प्रधानमंत्री के साथ नहीं हुआ। पूर्व प्रधानमंत्री अटल जी इसका ताजा उदाहरण हैं, जिनका अंतिम संस्कार और स्मारक उचित स्थान पर बनाया गया। केंद्र सरकार का यह फैसला दुर्भाग्यपूर्ण और आहत पहुंचाने वाला है। कांग्रेस के कुछ अन्य नेताओं ने भी इसी तरह की प्रतिक्रिया जताई है।

## सरकार के फैसले ...

अनादर किया जाना बताया। प्रियंका गांधी ने कहा कि निगम बोध घाट पर क्या पूर्व पीएम का अंतिम संस्कार हुआ है क्या? राजघाट के आसपास अंतिम संस्कार हो। इससे पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे नेप्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार ऐसे स्थान पर करने का आग्रह किया, जहां उनका स्मारक बनाया जा सके। उन्होंने यह पत्र प्रधानमंत्री मोदी से सिंह के लिए स्मारक बनाने के बारे में बात करने के बाद लिखा कि जो दो कार्यकाल के प्रधानमंत्री थे और देश के लोगों द्वारा उनका सम्मान किया जाता था। उन्होंने लिखा कि आज सुबह हमारी टेलीफोन पर हुई बातचीत के संदर्भ में, जिसमें मैंने डॉ. मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार, जो कल यानी 28 दिसंबर 2024 को होगा, उनके अंतिम विश्राम स्थल पर करने का अनुरोध किया, जो भारत के महान सपूत की स्मृति के लिए एक पवित्र स्थल होगा। खड़गे ने अपने दो पन्नों के पत्र में कहा कि यह राजनेताओं और पूर्व प्रधानमंत्रियों के स्मारकों को उनके अंतिम संस्कार के स्थान पर रखने की परंपरा के अनुरूप है। कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह देश और इस राष्ट्र के लोगों की मानसिकता में अत्यधिक सम्मानित स्थान रखते हैं, और उनका योगदान और उपलब्धियां अभूतपूर्व हैं।

## मनमोहन सिंह को एक ...

भावी पीढ़ी को मिलती रहेगी। उन्होंने कहा कि एक नेक इंसान के रूप में, एक विद्वान अर्थशास्त्री के रूप में और रिफॉर्म्स के प्रति समर्पित लीडर के रूप में उन्हें हमेशा याद किया जाएगा। एक अर्थशास्त्री के रूप में उन्होंने अलग-अलग स्तर पर भारत सरकार में अनेक सेवाएं दीं। एक चुनौतीपूर्ण समय में उन्होंने रिजर्व बैंक के गवर्नर की भूमिका निभाई। पीवी नरसिम्हा राव की सरकार के वित्त मंत्री रहते हुए उन्होंने वित्तीय संकट से घिरे देश को एक नई अर्थव्यवस्था के मार्ग पर प्रशस्त किया। प्रधानमंत्री के रूप में देश के विकास में और प्रगति में उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि जनता के प्रति, देश के विकास के प्रति उनका जो कमिटमेंट था, उसे हमेशा बहुत सम्मान से देखा जाएगा। डॉ. सिंह का जीवन, उनकी ईमानदारी और सादगी का प्रतिबिंब था, वो विलक्षण सांसद थे। उनकी विनम्रता, सौम्यता और उनकी बौद्धिकता उनके संसदीय जीवन की पहचान बनी। मुझे याद है कि इस साल की शुरुआत में जब राज्यसभा में उनका कार्यकाल समाप्त हुआ, तब मैंने कहा था कि सांसद के रूप में डॉ. साहब की निष्ठा सभी के लिए एक प्रेरणा है। सत्र के समय अहम मौकों पर वो व्हील चेयर पर बैठकर आते थे, अपना संसदीय दायित्व निभाते थे। उन्होंने कहा कि दुनिया के प्रतिष्ठित संस्थाओं की शिक्षा लेने और सरकार के अनेक शीर्ष पदों पर रहने के बाद भी वो अपनी सामान्य पृष्ठभूमि के मूल्यों को कभी भी नहीं भूले। दलगद राजनीति से ऊपर उठकर उन्होंने हमेशा हर दल के व्यक्ति से संपर्क रखा, सबके लिए सहज उपलब्ध रहे। जब मैं मुख्यमंत्री था तब डॉ. सिंह के साथ राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अनेक विषयों पर खुले मन से चर्चाएं होती थीं। यहां दिल्ली आने के बाद भी मेरी उनसे समय-समय पर बात होती थी, मुलाकात होती थी। मुझे उनसे हुई मुलाकातें, देश को लेकर हुई चर्चाएं हमेशा याद रहेंगी। अभी जब उनका जन्मदिन था तब भी मैंने उनसे बात की थी। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज इस कठिन घड़ी में मैं उनके परिवार के प्रति अपने संवेदना व्यक्त करता हूं। मैं डॉ. सिंह को सभी देशवासियों की तरफ से श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। उल्लेखनीय है कि पूर्व प्रधानमंत्री सिंह का कल शाम नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में निधन हो गया। वह 92 वर्ष के थे।

## डॉ. मनमोहन सिंह का ...

ने लाखों भारतीयों के जीवन को बदल दिया और उन्हें सशक्त बनाया। उन्हें भारत के लोगों द्वारा उनके शुद्ध हृदय और उत्तम बुद्धि के लिए प्यार किया जाता था। उनकी सलाह, बुद्धिमत्तापूर्ण सलाह और विचारों को हमारे देश के राजनीतिक स्पेक्ट्रम में उत्सुकता से मांगा जाता था और उनका बहुत सम्मान किया जाता था। दुनियाभर के नेताओं और विद्वानों द्वारा सम्मानित और प्रशंसित, उन्हें अत्यधिक ज्ञान और कद के राजनेता के रूप में सम्मानित किया गया। डॉ. सिंह ने अपने द्वारा संभाले गए प्रत्येक उच्च पद पर प्रतिभा और विशिष्टता लाई। उन्होंने भारत को गौरव और सम्मान दिलाया। सोनिया ने कहा कि डॉ. सिंह अपने व्यवहार में बहुत ही सौम्य थे लेकिन अपनी गहरी मान्यताओं के प्रति बहुत दृढ़ थे। सामाजिक न्याय, धर्मनिरपेक्षता और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता गहरी और अटूट थी। उनके साथ कुछ भी समय बिताना, उनके ज्ञान और बुद्धिमत्ता से प्रबुद्ध होना, उनकी ईमानदारी और निष्ठा से प्रभावित होना और उनकी वास्तविक विनम्रता से अभिभूत होना था। वे हमारे राष्ट्रीय जीवन में एक ऐसा शून्य छोड़ गए हैं जिसे कभी नहीं भरा जा सकता। हम कांग्रेस में और भारत के लोग हमेशा गर्व और आभारी रहेंगे कि हमारे पास डॉ. मनमोहन सिंह जैसे नेता थे जिनका भारत की प्रगति और विकास में योगदान अतुलनीय है।

## पूर्व पीएम मनमोहन ...

राज्य सरकार के सभी प्रतिष्ठानों पर राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा और सभी आधिकारिक मनोरंजन कार्यक्रम रद्द रहेंगे। भारत के आर्थिक सुधारों के शिल्पकार मनमोहन सिंह का गुरुवार रात दिल्ली में 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वे 2004-14 के दौरान प्रधानमंत्री थे। पूर्व प्रधानमंत्री 1991 से 2019 तक लगातार पांच बार असम से राज्यसभा सदस्य रहे। गुवाहाटी में उनका आवासीय पता सरूमोटोरिया क्षेत्र में असम के पूर्व मुख्यमंत्री हितेश्वर सैकिया के घर में एक किराए का भूतल अपार्टमेंट था। सैकिया के पुत्र और असम विधानसभा में विपक्ष के नेता देवब्रत सैकिया ने कहा कि वह पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि देने के लिए बेलगाम से दिल्ली आ रहे हैं। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और असम के अन्य राजनीतिक नेताओं ने सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया है।

## सीएम शर्मा ने ...

और समान विभाग के कर्मचारियों के लिए आवेदन दाखिल होने के बाद, हम यह सुनिश्चित करने का प्रयास करेंगे कि पारस्परिक स्थानांतरण किया जाए। पारस्परिक स्थानांतरण कम्प्यूटरीकृत और पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा। शर्मा ने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री आत्मनिर्भर अभियान के लिए भी 1 जनवरी से आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में 1,54,000 छात्रों ने आत्मनिर्भर अभियान के लिए अपने आवेदन दाखिल किए हैं। इस वर्ष, हमारी योजना 75,000 युवाओं को पहली किस्त में 1 लाख रुपए और दूसरी किस्त में 1 लाख रुपए देने की है। 1,54,000 आवेदकों ने अपना पंजीकरण जमा कर दिया है और वे 1 जनवरी से पोर्टल पर अपने आवेदन दाखिल कर सकेंगे। मुख्यमंत्री ने लेखकों से ऐसे विषयों पर लिखने का भी आग्रह किया है जो युवा पीढ़ी को पुस्तकें पढ़ने के लिए प्रेरित करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाला साल असम सरकार द्वारा पुस्तकों के वर्ष के रूप में मनाया जाएगा। 27 दिसंबर से असम प्रकाशन बोर्ड और ऑल असम पब्लिशर्स एंड बुकसेलर्स एसोसिएशन द्वारा संयुक्त रूप से खानापारा वेटरनरी कॉलेज मैदान में असम पुस्तक मेला आयोजित किया जाएगा। मैं लेखकों से भी आग्रह करता हूं कि वे ऐसी चीजों के बारे में लिखें जो आशा लाती हैं। निराशा और क्रांति के बारे में लिखना किसी तरह से पाठकों को किताबें पढ़ने से दूर करता है। इसके बजाय, मैं लेखकों से हमारे गौरवशाली अतीत, हमारे समाज में विभिन्न घटनाओं और एक आशावादी भारत के लिए एक आशावादी कल के भविष्य पर लिखने का आग्रह करता हूं। मैं उनसे अच्छे विषय चुनने का आग्रह करता हूं जो युवा पीढ़ी को किताबें पढ़ने के लिए प्रेरित करेंगे।

## राजेन गोहाईं ने ...

खासकर कांग्रेस में शामिल होने पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। मैं उन्हें जल्दबाजी में निर्णय लेने के खिलाफ सलाह देने की कोशिश कर रहा हूं, लेकिन अन्याय की उनकी भावना गहराई से जड़ें जमा चुकी है और इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। गोहाईं ने आगे कहा कि अगर कांग्रेस असम में सत्ता में वापस आती है, तो यह राज्य और उसके लोगों के लिए एक बड़ा नुकसान होगा। मुझे उम्मीद है कि केंद्रीय संगठनात्मक नेतृत्व इन मुद्दों को तुरंत हल करने के लिए आवश्यक सुधारात्मक उपाय करेगा। डिब्रूगढ़ में यह बैठक पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच असंतोष को समझने और उसे दूर करने के लिए गोहाईं के व्यापक प्रयास का हिस्सा बताई गई। इसने असम के राजनीतिक परिदृश्य में अपनी निरंतर ताकत और प्रासंगिकता सुनिश्चित करने के लिए पार्टी के भीतर एकता की तत्काल आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला।

## इंफाल ईस्ट में ...

परिणामस्वरूप दोनों गांवों में भीषण गोलीबारी हुई। अधिकारी ने बताया कि पहाड़ी इलाकों से हथियारबंद लोगों ने सुबह करीब 10.45 बजे सनसाबी गांव और आस-पास के इलाकों में अंधाधुंध गोलीबारी और बम फेंकना शुरू कर दिया, जिससे सुरक्षाकर्मियों को जवाबी कार्रवाई करनी पड़ी। हथियारबंद लोगों और सुरक्षाकर्मियों के बीच गोलीबारी शुरू होने पर स्थानीय लोग इधर-उधर भागते नजर आए। अधिकारी ने बताया कि हथियारबंद लोगों ने जिले के थमनापोकपी गांव में भी सुबह करीब 11.30 बजे हमला किया, जिससे वहां के निवासियों में दहशत फैल गई। सीआरपीएफ कर्मियों सहित सुरक्षा बलों ने गोलीबारी में फंसे कई महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को बचाया। बता दें कि पिछले साल मई से मणिपुर में मीतेई और कुकी-जो समूहों के बीच जातीय हिंसा में 250 से अधिक लोग मारे गए हैं और हजारों लोग बेघर हो गए हैं।

## किसी को तनाव...

पूरी घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। इससे धार्मिक भावनाओं को आहत पहुंची। मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के. सांग्मा ने इस घटना की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि यह कदम शांति और सामाजिक सौहार्द को भंग करने के मकसद से उठाया गया प्रतीत होता है। हम किसी को भी धार्मिक और सांप्रदायिक तनाव पैदा करने की अनुमति नहीं देंगे। कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पूर्वी खासी हिल्स के एसपी सिल्वेस्टर नॉन्गटिंगर ने बताया कि पिनुरसला पुलिस स्टेशन में इंस्टाग्राम पर शिकायत दर्ज होने के बाद आरोपी आकाश सागर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। जांच जारी है और आरोपी को पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। सामाजिक कार्यकर्ता एंजेला रंगद ने इस मामले में पुलिस शिकायत दर्ज कराई, जिसमें उन्होंने कहा कि सागर ने जानबूझकर और योजनाबद्ध तरीके से चर्च के अल्टर में घुसकर गैर-ईसाई गाने गाए। यह कदम सांप्रदायिक तनाव पैदा करने के लिए किया गया था और धार्मिक स्वतंत्रता के संविधानिक अधिकारों का उल्लंघन था। राज्य में प्रभावशाली हिंदू संगठन केंद्रीय पूजा समिति (सीपीसी) ने भी इस घटना की निंदा की। सीपीसी के अध्यक्ष नबा भट्टाचार्य ने कहा कि हमने सोशल मीडिया पर वीडियो को देखा और यह हमारे शांतिप्रिय राज्य की धार्मिक भावनाओं का उल्लंघन करने वाला था। हम इस व्यक्ति की गतिविधि की कड़ी निंदा करते हैं और पुलिस से आग्रह करते हैं कि इस व्यक्ति के खिलाफ कानून के अनुसार कड़ी कार्रवाई की जाए। मेघालय भाजपा के प्रवक्ता एम खारक्रांग ने भी इस घटना पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि ऐसे बेवकूफाना कृत्यों के खिलाफ उचित कदम उठाए जाने चाहिए और सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि इस तरह के शरारतपूर्ण कृत्य करने वालों को सजा मिले। मेघालय पुलिस ने होटल, होमस्टे और टूर ऑपरेटर्स से भी अपील की है कि अगर उन्हें आकाश सागर के बारे में कोई जानकारी मिले तो वे पुलिस को सूचित करें।

## इनकम टैक्स में छूट...

राहत मिल सके। उनका मानना है कि इस कदम से न सिर्फ आम आदमी को राहत मिलेगी, बल्कि इससे देश की आर्थिक वृद्धि को भी बढ़ावा मिलेगा। हाल के वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था में उम्मीद के मुताबिक विकास नहीं हो पाया है, और इस कदम को उसी संदर्भ में देखा जा रहा है। इससे टैक्सपेयर्स का खर्च बढ़ेगा और उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा, जो अंततः पूरे देश की अर्थव्यवस्था को लाभ पहुंचाएगा। इसके अलावा, अर्थशास्त्रियों ने कस्टम ड्यूटी की दरों में संतुलन बनाने और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए भी उपाय सुझाए हैं, ताकि भारत को वैश्विक व्यापार में एक मजबूत स्थान मिल सके। इन सुझावों का उद्देश्य देश के व्यापारिक और आर्थिक दृष्टिकोण को मजबूती देना है। इस छूट के साथ-साथ, सरकार आयकर व्यवस्था में और भी बड़े बदलाव की योजना बना रही है। वित्त मंत्री ने पहले ही घोषणा की थी कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट में आयकर अधिनियम पर समग्र पुनर्विचार किया जाएगा। इसके बाद, सरकार ने इस पर एक समीक्षा समिति का गठन किया, जिसकी अध्यक्षता मुख्य आयकर आयुक्त वीके गुप्ता कर रहे हैं। यह समिति इस पर विचार करेगी कि आयकर कानून में क्या बदलाव किए जा सकते हैं और यह बदलाव किस प्रकार से टैक्सपेयर्स के लिए फायदेमंद होंगे। रिव्यू कमिटी की रिपोर्ट आने के बाद उम्मीद जताई जा रही है कि सरकार नया आयकर एक्ट पेश कर सकती है। हालांकि, यह बदलाव एक साल से अधिक समय तक लग सकता है क्योंकि नया कानून तैयार करने और उसे लागू करने में समय लगेगा। नए नियमों को बनाने, नए फॉर्म तैयार करने और फिर उन्हें सिस्टम में इंटीग्रेट करने की प्रक्रिया में समय लगेगा। सरकार के सामने एक बड़ी चुनौती यह है कि हाल के महीनों में भारतीय अर्थव्यवस्था में अपेक्षित तेजी नहीं आई है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और एशियाई विकास बैंक (एडीबी) दोनों ने अपने विकास अनुमान को घटा दिया है। एडीबी ने पहले भारत के लिए 7 प्रतिशत विकास का अनुमान जताया था, लेकिन अब इसे घटाकर 6.5 प्रतिशत कर दिया गया है। वहीं, आरबीआई ने अपने विकास अनुमान को 7.2 प्रतिशत से घटाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया है। भारत की जुलाई-सितंबर तिमाही में जीडीपी वृद्धि 5.4 प्रतिशत रही, जो जून तिमाही के 6.7 प्रतिशत के मुकाबले कम थी। इस संदर्भ में सरकार के लिए यह जरूरी हो गया है कि वह अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए नए उपायों को लागू करे। आयकर में छूट देने और नए टैक्स एक्ट के जरिए सरकार अपने दोहरे उद्देश्य को पूरा करना चाहती है: एक तरफ आम नागरिकों को राहत देना, और दूसरी तरफ देश की अर्थव्यवस्था को तेजी से बढ़ाना।

## पंजाब में नाले में ...

निकाला। हादसे के वक्त बस में 45 यात्री सवार थे। ज्यादातर यात्रियों की मौत नाले में जहरीली गैस के कारण दम घुटने से हुई है। जानकारी के अनुसार शुक्रवार को एक निजी कंपनी की यात्रियों से भरी बस सरदूलगढ़ से बठिंडा की तरफ जा रही थी। गांव जीवन सिंह वाला के पास एक नाले पर बने पुल से निकलते समय बस अनियंत्रित होकर गंदे पानी में जा गिरी। बस के नाले में गिरते ही लोगों की चीख पुकार मच गई। आसपास के ग्रामीण व राहगीर दौड़कर मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों के साथ सीढ़ियां लगाकर नाले के पानी में फंसी बस से यात्रियों को बाहर निकाला। इस बीच नाले में जहरीली गैस के कारण यात्रियों का दम घुटने लगा। ग्रामीणों के अनुसार इस बरसाती नाले में आसपास के इलाके से सीवरेज का पानी गिरने और कई सालों से सफाई नहीं हुई है। हदासे की सूचना पर एसएसपी अमनीत कौंडल ने बताया कि गुरु काशी ट्रांसपोर्ट की बस लोगों को लेकर बठिंडा की तरफ जा रही थी। जीवन सिंह वाला गांव के पास बस अचानक अनियंत्रित होकर नाले में पलट गई। मृतक चालक की पहचान मानसा के रहने वाले बलकार सिंह के रूप में हुई है। घायलों को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बठिंडा के उपायुक्त शौकत अहमद परे के अनुसार ग्रामीणों ने राहत कार्यों में काफी सहयोग किया है। बस को क्रेन की मदद से नाले से बाहर निकाल लिया गया है। एंबुलेंस से हादसे में घायल लोगों को तलवंडी साबो अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने इलाज के बाद कुछ लोगों को सिविल अस्पताल में रेफर कर दिया। शवों को मॉर्च्युरी रखवाए गए हैं। हादसे को लेकर विधायक जगरूप सिंह गिल ने दावा किया है कि पांच लोगों की मौके पर मौत हो गई, जबकि तीन लोगों की अस्पताल में मौत हुई हैं। जितने लोग घायल हुए हैं, उनके बेहतर इलाज के लिए आदेश दे दिए हैं।

## राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति ने ...

प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के आवास पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने डॉ. सिंह के परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी संवेदना भी व्यक्त की। उपराष्ट्रपति सचिवालय ने एक्स पोस्ट में कहा कि उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और डॉ. सुदेश धनखड़ ने आज नई दिल्ली में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. सिंह के आवास पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने डॉ. सिंह के परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की और देश के लिए उनके अमूल्य योगदान और उनकी चिरस्थायी विरासत को याद किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पोस्ट में कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह को उनके आवास पर जाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। भारत उनके योगदान को सदैव याद रखेगा। उल्लेखनीय है कि पूर्व प्रधानमंत्री सिंह का कल रात को नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में निधन हो गया। वह 92 वर्ष के थे।

## मुख्यमंत्री शर्मा और ...

मुझे डॉ. मनमोहन सिंह का सान्निध्य प्राप्त करने का सौभाग्य मिला। उसी वर्ष वे पहली बार असम से राज्यसभा के लिए चुने गए और 28 वर्षों तक राज्य का प्रतिनिधित्व किया। उनकी विनम्रता और बौद्धिकता प्रेरणादायक थी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान असम से जुड़े मुद्दों पर उनसे कई बार चर्चा करने का अवसर मिला। भारत में मुक्त बाजार अर्थव्यवस्था की शुरुआत और प्रतिक्रियावादी नीतियों के अंत में उनकी भूमिका ऐतिहासिक रही है। केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने भी डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने अपनी विनम्रता और विद्वता से सभी को प्रेरित किया। भारत के आर्थिक पुनरुत्थान में उनकी अहम भूमिका थी। उनकी नीतियों का दूरगामी प्रभाव जनकल्याण पर स्पष्ट रूप से दिखा। डॉ. मनमोहन सिंह के निधन से देश और असम ने एक अपूरणीय क्षति महसूस की है।

## भागवत ने डॉ. मनमोहन...

की अखिल भारतीय कार्यकारिणी के प्रतिनिधि के तौर पर सह सरकार्यवाह (ज्वाइंट जनरल सेक्रेट्री) आलोक कुमार ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. सिंह के आवास पर जाकर उनकी पार्थिव देह पर पुष्पांजलि अर्पित की और अंतिम प्रणाम निवेदित किया। इससे पूर्व, रा.स्व. संघ की ओर से जारी शोक संदेश में संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि भारत के पूर्व प्रधानमंत्री और देश के वरिष्ठ नेता डॉ. मनमोहन सिंह के निधन से पूरा देश बेहद दु:खी है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ उनके परिवार, अनगिनत प्रियजनों और प्रशंसकों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता है। संघ ने शोक संदेश में कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह ने साधारण पृष्ठभूमि से आने के बावजूद देश के सर्वोच्च पद को सुशोभित किया। प्रसिद्ध अर्थशास्त्री डॉ. सिंह का भारत के लिए योगदान हमेशा याद किया जाएगा और संजोया जाएगा। हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि दिवंगत आत्मा को सद्गति प्रदान करें।

## कई देशों के ...

ने सिंह के निधन पर भारत के लोगों के प्रति गहरी संवेदना जताते हुए कहा कि अमेरिका-भारत असैन्य परमाणु सहयोग समझौते को आगे बढ़ाने में पूर्व प्रधानमंत्री का नेतृत्व अमेरिका-भारत संबंधों की क्षमता में एक बड़े निवेश का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भारत में डॉ. सिंह को उनके आर्थिक सुधारों के लिए याद किया जाएगा। कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री स्टीफन हार्पर ने शोक संदेश में कहा कि वह असाधारण बुद्धिमत्ता, ईमानदारी और ज्ञान के धनी थे। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड ने सिंह के निधन पर दुख व्यक्त करते हुए उनके परिवार और भारत के लोगों के प्रति गहरी संवेदना जताई है। मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नशीद ने कहा कि सिंह के निधन की खबर से दुख हुआ। वह मालदीव के अच्छे मित्र और उनके लिए पिता तुल्य थे। श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे ने डॉ. सिंह को एक दूरदर्शी अर्थशास्त्री और भारत के आर्थिक उदारीकरण का निर्माता बताया। अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति हामिद करजई ने कहा कि भारत ने अपने सबसे शानदार बेटों में से एक को खो दिया। डॉ. सिंह अफगानिस्तान के अटूट सहयोगी और मित्र रहे हैं।

## जमीअत उलमा-ए-हिंद...

विख्यात अर्थशास्त्री, सक्षम राजनीतिज्ञ और प्रतिष्ठित नेता के रूप में देश के विकास और स्थिरता में बहुमूल्य सेवाएं प्रदान की हैं। उनके नेतृत्व में देश में न केवल आर्थिक सुधारों की नींव रखी गई, बल्कि शांति, विकास और सभी के लिए न्याय की मजबूत परंपरा को बढ़ावा मिला। मौलाना मदनी ने कहा कि उन्होंने अपने निर्विवाद व्यक्तित्व, सहिष्णुता और जनसेवा की भावना से एक मिसाल कायम की। वह राजनीति में शिष्टता और सिद्धांतों पर अडिग रहने वाले एक आदर्श व्यक्ति थे, जिनकी कमी हमेशा महसूस की जाएगी। उनके जमीअत उलमा-ए-हिंद के नेतृत्व विशेषकर फिदा-ए-मिल्लत मौलाना सैयद असद मदनी से विशेष संबंध थे। संसद सदस्य के रूप में हजरत फिदा-ए-मिल्लत के साथी भी रहे। इस नाचीज के साथ भी आत्मीयता रखते थे। जमीअत उलमा-ए-हिंद की मांग पर उन्होंने सच्चर कमेटी का गठन किया और सच्चर समिति के कुछ महत्वपूर्ण सुझावों को लागू करने का भी प्रयास किया। उनके निधन पर जमीअत उलमा-ए-हिंद उनके परिवार और उनके सभी चाहने वालों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करती है।

# एसटीएफ ने धुबड़ी से पकड़ा आतंकवादी

**गुवाहाटी ( हिंस )।** असम की विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने राज्यभर में चलाए जा रहे *प्रघात* नामक ऑपरेशन के तहत शुक्रवार सुबह धुबड़ी जिले के बिलासीपाड़ा स्थित बांधपारा में सफल छापामारी की। इस ऑपरेशन के दौरान एक वांछित आतंकवादी, शाहीनुर इस्लाम (36) को गिरफ्तार किया गया और कई आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद की गई। जिनमें उर्दू में लिखी एक किताब, *नुरीलिजा* (पृष्ठ संख्या 1 से 829 तक), शेख निजबुल्लाह हक्कानी द्वारा लिखी एक किताब, *जाना वाजिब* (पृष्ठ संख्या 1 से 47 तक), एक पैन कार्ड, एक आधार कार्ड, एक पासपोर्ट, एक मोबाइल फोन शामिल हैं। आवश्यक कानूनी और प्रक्रिया संबंधी औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं। एसटीएफ राज्य की सुरक्षा और शांति सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा विरोधी गतिविधियों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करती रहेगी।

## राज्यपाल ने डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर जताया शोक

**गुवाहाटी ( हिंस )।** असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। अपने शोक संदेश में राज्यपाल ने डॉ. मनमोहन सिंह के निधन को राष्ट्र के लिए एक बड़ी क्षति बताते हुए कहा कि उन्होंने भारत के आर्थिक सुधारों का नेतृत्व करते हुए आर्थिक प्रबंधन में नई ऊंचाइयों को छुआ। एक जनप्रतिनिधि के रूप में उन्होंने आम जनता के कल्याण के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने देश की सेवा गहरे समर्पण, प्रेम और करुणा के साथ की। असम उनके दिल के करीब था, क्योंकि उन्होंने 28 वर्षों तक असम का प्रतिनिधित्व किया। राज्यपाल ने कहा कि वे शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं और ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि इस कठिन समय में परिवार को संबल प्रदान करें। उनकी आत्मा को शांति मिले।

## बरपेटा में आगजनी : लाखों रुपए का सामान जलकर राख

**बरपेटा ( हिंस )।** बरपेटा जिले के कायाकुची के बनबहार में लगी भीषण आग ने पूरे क्षेत्र में हाहाकार मचा दिया है। अचानक लगी इस आग ने लाखों रुपए के सामान को राख कर दिया। यह हादसा बरपेटा जिले के पाकाबेतबारी क्षेत्र के अंतर्गत अफसर अली के घर में हुआ। शुरुआती जानकारी के अनुसार, आग का कारण बिजली की गड़बड़ी हो सकता है, लेकिन अभी तक इसकी पुष्टि नहीं हुई है। आग में घर के अंदर मौजूद सामान और संपत्ति का काफी नुकसान हुआ, जिसकी अनुमानित कीमत लाखों में बताई जा रही है। घर के साथ ही एक गौशाला भी थी, जिसमें कई मवेशी थे। स्थानीय निवासियों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मवेशियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। घटना की सूचना मिलते ही कायाकुची पुलिस और बरपेटा अग्निशमन दल मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाने का प्रयास किया। काफी मशक्कत के बाद हालांकि आग पर काबू पा लिया गया। लेकिन, तब तक एक घर पूरी तरह जलकर राख हो चुका था।

## ब्रह्मपुत्र नद में मिले चार दिन से लापता किशोरी व स्कूल वैन चालक के शव

**गुवाहाटी ( हिंस )।** शहर के पश्चिमी हिस्से के गाड़ीगांव में चार दिन पूर्व घर में घुस कर एक स्कूल वैन चालक के किशोरी के अपहरण कर ले जाने के मामले में एक नया मोड़ आ गया। शुक्रवार को गाड़ीगांव के लुईतपार में ब्रह्मपुत्र नदमें स्कून वैन चालक और किशोरी के शव मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। मालीगांव और जालुकबारी थाना पुलिस व एनडीआरएफ के जवान ने दोनों शवों को बाहर निकाला और जांच पड़ताल के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। आज सुबह आज सुबह प्रातः भ्रमण पर निकले लोगों ने ब्रह्मपुत्र के किनारे पानी में एक किशोरी का शव देखा। नद के किनारे कुछ दूरी पर जाल में फंसा एक युवक का भी शव मिला। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। ब्रह्मपुत्र नद से युवक और एक किशोरी के शव मिलने की खबर मिलते ही लोगों की भारी भीड़ ब्रह्मपुत्र नद के किनारे जुट गई। बाद में मालीगांव और जालुकबारी थाना से पुलिस व एनडीआरएफ के जवान मौके पर पहुंचे और शवों को बाहर निकाला। मृत युवक की पहचानस्कूल वैन के चालक व गाड़ीगांव निवासी हीरकज्योति दास और किशोरी की पहचान लुईतपार इलाके की निवासी 13 वर्षीय कुही के रूप में हुई। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उल्लेखनीय है कि मंगलवार 23 दिसंबर की रात करीब ढाई बजे 13 वर्षीय कुही को स्कूल का ड्राइवर हीरकज्योति उसके घर से उठा ले गया था। बाद में पास के सीसीटीवी कैमरों में युवक उस किशोरी के साथ घूमते देखा गया था। किशोरी के अपहरणकी घटना से गाड़ीगांव लुईतपार इलाके में हंगामा मच गया। परिजनों और स्थानीय लोगों ने पुलिस प्रशासन से किशोरी को बरामद करने की मांग की जा रही थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

## हेरोइन समेत एक तस्कर गिरफ्तार

**गुवाहाटी ( हिंस )।** गुवाहाटी के प्रागज्योतिषपुर पुलिस थाना क्षेत्र के पानीखेती पुलिस चौकी की टीम ने हेरोइन समेत एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान के दौरान पुलिस चौकी इलाके से 8 प्लास्टिक की छोटी-छोटी सीसी में भरकर रख गए 10.75 ग्राम हेरोइन समेत एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान राजीव तेरन के रूप में की गई है। गिरफ्तार आरोपी के पास से हेरोइन के अलावा चार खाली प्लास्टिक की सीसी, नगद 1, 530 रुपए जब्त किए गए हैं। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

## गाड़ी के गुप्त कक्ष से 3 करोड़ रुपए की नशीली पदार्थ जब्त

**नगांव ( हिंस )।** नगांव सदर थाने के क्षेत्र में एक गाड़ी के गुप्त कक्ष से 3 करोड़ रुपए का हेरोइन जब्त किया गया है। 20 दिन पहले, नगांव शहर के आनंद नगर से एक गाड़ी (एएस-01 एक्स-2621) को पुलिस ने बरामद किया था। इस गाड़ी के गुप्त कक्ष में 44 पैकेट नशीले पदार्थ के मिले, जिनकी बाजार कीमत लगभग तीन करोड़ रुपए से अधिक बताई जा रही है। उल्लेखनीय है कि 6 दिसंबर को नगांव पुलिस ने आनंद नगर में नशीले पदार्थों के खिलाफ एक अभियान चलाया था। इस अभियान में पुलिस ने एक मादक पदार्थ तस्कर अनजार हुसैन को गिरफ्तार किया था। हालांकि, उस समय मादक पदार्थ बरामद नहीं हो पाए थे, लेकिन बाद में अनजार के घर से गाड़ी बरामद की गई। गाड़ी की जांच के दौरान, पुलिस ने गाड़ी की पिछली सीट के नीचे छिपे गुप्त कक्ष से हेरोइन बरामद की। नगांव अपराध शाखा के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जयंत बरुवा ने बताया कि गाड़ी से जब्त की गई हेरोइन की बाजार कीमत लगभग 3 करोड़ रुपए से अधिक है।

## जुरिया के महेरीपार में आग से छह घर जले

**नगांव ( हिंस )।** जिले के जुरिया के महेरीपार में शुक्रवार को आग लगने से तीन पक्के मकान समेत छह परिवारों के घर जलकर राख हो गए। फायर ब्रिगेड के कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर आसपास के अन्य घरों को बचाया। मेहरीपार के गुलजार हुसैन के आवास से अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने आसपास ओ गुलजार हुसैन, मंजनू अहमद, इकरामुल हुसैन, नजमुल हुसैन, रकीबुल हुसैन और इस्माइल अली के घरों को अपनी चपेट में ले लिया। सिलेंडर से गैस निकलने के कारण आग लगने की आशंका जताई गई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और आसपास के अन्य घरों को बचाया। मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दिया है।

## अभाविप का 30वां राज्य सम्मेलन मणिकांचन क्षेत्र में शुरू

**गुवाहाटी ( हिंस )।** अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) असम प्रदेश का 30वां राज्य सम्मेलन लखिमपुर जिले के मणिकांचन समन्वय क्षेत्र में तीन दिवसीय कार्यक्रम के रूप में आज से शुरू हुआ। इस सम्मेलन में 150 से अधिक प्रतिनिधि उपस्थित हैं। 27, 28 और 29 दिसंबर को आयोजित होने वाले इस सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. वीरेंद्र सिंह सोलंकी विशेष रूप से उपस्थित रहे। सम्मेलन के पहले दिन डॉ. रीतामणि वैश्य को फिर से राज्य अध्यक्ष के रूप में और हेरल्ड मोहन को 2024-25 के लिए राज्य सचिव के रूप में पुनः निर्वाचित किया गया। इस अवसर पर डॉ. वीरेंद्र सिंह सोलंकी ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की राष्ट्रीय निर्माण में भूमिका और असम में इसके योगदान पर विशेष चर्चा की।

## रंगिया : मूकबधिर किशोरी से दुष्कर्म करने वाला आरोपी को कोर्ट ने सुनाई 10 साल की सजा

**रंगिया ( विभास )।** रंगिया महकमा न्यायिक दंडाधिश की अदालत ने विशेष फैसला सुनाया। मूक बधिर किशोरी से दुष्कर्म के आरोपी को 10 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। सन 2014 में दर्ज हुए इस केस के बाद आखिरकार पीड़िता को न्याय मिला। मिली जानकारी के अनुसार सन 2014 में राजू मोदक नामक एक युवक पर एक मूक-बधिर लड़की से दुष्कर्म का आरोप लगा था। अपराधी राजू मोदक ने घर पर कोई नहीं होने का अवसर देखकर की किशोरी के साथ दुष्कर्म किया। उक्त घटना के बाद पीड़िता के परिवार के सदस्यों ने रंगिया महकमे के कमलपुर पुलिस स्टेशन में एफआईआर संख्या 66/17 के तहत मामला दर्ज कराया। यह मामला रंगिया महकमा न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में आठ साल से लंबित था। इसके बाद जस्टिस मुकुल चेतिया की अदालत ने आखिरकार मंगलवार को मामले पर अंतिम फैसला सुनाया। आरोपी राजू मोदक को भारतीय दंड संहिता की धारा 376 के तहत 10 साल के कठोर कारावास और 5, 000 रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई गई। सरकारी अधिवक्ता देवजीत सैकिया से मिली जानकारी के अनुसार पीड़िता को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से एक लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि अदालत में पेश होने के बाद जब किशोरी ने आरोपी को देखा तो वह चिल्ला पड़ी। कोर्ट के फैसले ने पीड़िता के परिवार के चेहरे पर मुस्कान ला दी है।

## रसोई घर में फंदे से लटकता युवक का शव मिला

**होजाई ( हिंस )।** जिला के लमडिंग में 12 वर्षीय लड़के द्वारा आत्महत्या किए जाने की घटना को लेकर इलाके में सनसनी व्याप्त है। पूब लमडिंग पंचायत अंतर्गत क्षेत्र में एक 12 वर्षीय लड़के का शव उसके घर के रसोई घर से आज बरामद किया गया। फंदे से लटकते हुए शव को परिजनों ने देखा। मृत युवक की पहचान राज दास के रूप में हुई है। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बरामद किया और प्रारंभिक जांच शुरू कर दी। पुलिस सूत्रों ने बताया है कि आज सुबह घर में किसी के न होने का फायदा उठाते हुए युवक ने आत्महत्या जैसे कृत्य को अंजाम दिया। पुलिस के साथ-साथ परिवार के सदस्यों को अभी तक पता नहीं चल पाया है कि ऐसा निर्णय युवक को क्यों लेना पड़ा। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए नगांव भेज दिया है। साथ ही इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दिया है।

## रंगिया में पिकनिक की लड़ाई के बाद लापता युवक की तलाश की मांग पर थाना घेराव

**रंगिया ( निसं )।** रंगिया थाने में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। रंगिया पुलिस हाय हाय, असम पुलिस गो बैक, हमारा लड़का हमें लौटा दो, के नारे लगाते हुए आज शुक्रवार की संध्या फिर से थाने के समक्ष सैकड़ों लोगों ने धरना-प्रदर्शन तथा पथावरोध किया गया। वहीं घटना की जानकारी पाकर पुलिस के आलाअधिकारियों ने लोगों को समझाने का प्रयास किया। लेकिन लोग और अधिक उत्तेजित होकर आगबबूला हो गए। मालुम हो कि रंगिया के दक्षिण बरलैद के लोग न्याय मांगने के लिए गुरुवार को रंगिया थाने में पहुंचे। मिली जानकारी के अनुसार 21 वर्षीय धर्मेंद्र नाथ का पिछले बुधवार को पिकनिकस्थल पर हुई मारपीट के बाद वह लापता हो गया। पिछले बुधवार से धर्मेंद्र नाथ का कोई अता-पता नहीं है। मारपीट में एक अन्य युवक भी घायल हो गया था। परिवार ने इसी बीच रंगिया पुलिस थाना में प्राथमिकी दर्ज करा दी है, लेकिन धर्मेंद्र के परिवार ने आरोप लगाया कि पुलिस द्वारा इस घटना पर ध्यान नहीं दिया गया। मालुम हो कि यह घटना खैराबाड़ी के मालधापाड़ा आश्रम में पिकनिक मनाने के दौरान हुई। जहां धर्मेंद्र ने चार पहिया वाहन को टक्कर मार दी थी जिसके बाद झगड़े के साथ-साथ मीरपीट हुई थी। दूसरी ओर युवक धर्मेन्द्र की मां ने धरना-प्रदर्शन के दौरान गंभीर रूप से बेहोश हो गई। जिसके बाद उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। बहरहाल समाचार लिखे जाने तक स्थिति गंभीर व तनावपूर्ण बनी हुई है।

## बालीचांग में बड़ी मात्रा में गांजा के साथ एक गिरफ्तार

**बिश्वनाथ ( हिंस )।** जिले के बालीचांग में शुक्रवार को पुलिस ने एक घर में छापा मारकर बड़ी मात्रा में गांजा बरामद किया है। पुलिस ने यहां से गांजा बेचने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। बालीचांग पुलिस चौकी प्रभारी जोनमणि दास के नेतृत्व में पुलिस ने 2 नंबर दिलिचांग इलाके में सहाबुद्दीन अली के घर पर छापा मारा। पुलिस ने उसके घर से लगभग 10 किलो गांजा जब्त किया है। इसकी जानकारी मिलने पर जिले के पुलिस उपाधीक्षक नवजीत दास बागरे और चौकी प्रभारी पवन गायन ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर जांच पड़ताल की। गांजा बेचने वाले आरोपी अली को गिरफ्तार कर बिश्वनाथ चरियाली पुलिस थाने लाया गया है, जहां उससे पूछताछ की जा रही है।

## फकीराग्राम महाविद्यालय के नए नियुक्त प्रचार्य के सवागत में अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित

**कोकराझाड़ ( विभास )।** कोकराझाड़ जिले के फकीराग्राम महाविद्यालय के ऑडिटोरियम हल में आज फकीराग्राम महाविद्यालय के नए नियुक्ति नियमित प्रिंसिपल डॉ. मनोज कुमार ब्रह्म के लिए एक अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोड़ोलैंड विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बाबूलाल अहुजा, बीटीआर के कार्यकारी सदस्य अरुप कुमार दे, पूर्व विधायक परमेश्वर ब्रह्म, फकीराग्राम मुंसिपल बोर्ड के चैयरमेन सुरेन्द्र शर्मा के साथ-साथ शक्तिआश्रम हायर सेकेंडरी के प्रचार्य डॉ. एलसी दास, फकीराग्राम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्रचार्य सुभाष देबनाथ, सहित अन्य कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों को आरनोई, जापी शराई और फुलाम गमछा से सवागत किया गया। इस सभा का उद्घाटन भाषण बीटीआर के कार्यकारी सदस्य अरुप कुमार दे ने किया। इसके अलावा मुख्य अतिथि सहित सभी अतिथियों ने अपने-अपने वक्तव्य रखें।

## रोटरी क्लब का अंगदान पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

**गुवाहाटी।** आम लोगों को अंगदान के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से गुवाहाटी स्थित छह रोटरी क्लबों ने सामूहिक रूप से प्रयास करते समाज को एक सकारात्मक संदेश दिया। रोटरी गुवाहाटी, रोटरी गुवाहाटी साउथ, रोटरी गुवाहाटी मेट्रो, रोटरी गुवाहाटी वेस्ट, रोटरी गुवाहाटी लुईट और रोटरी गुवाहाटी आइकन के संयुक्त तत्वावधान में आज शाम *म्यूजिकोलॉजीज-संगीत से संजीवनी* नामक कार्यक्रम का शानदार आयोजन किया गया। आम लोगों को एक साथ लाने और उत्साह बढ़ाने तथा स्थानीय प्रतिभाओं को अवसर देने के उद्देश्य से *म्यूजिकोलॉजीज-संगीत से संजीवनी* का जबर्दस्त आयोजन किया गया, जिसकी सभी ने मुक्त कंठ से सराहना की। इस कार्यक्रम का आयोजन जुबली फाउंडेशन और आईएफआरएम 3240 गुवाहाटी सिम्फनी के सहयोग से आयोजित किया गया है, जिसमें प्रिंट मीडिया पार्टनर के रूप में असम ट्रिब्यून है। इसके अलावा सुभम, एसबीआई, गुप-शप, डीवाई 365 आदि जैसे प्रतिष्ठित समूह ने भी जुड़कर अपना सहयोग दिया। यह विशेष कार्यक्रम अंगदान के बारे में जागरूकता बढ़ाने पर केंद्रित रहा, जिसने संपूर्ण समाज को एक सकारात्मक संदेश दिया। माछखोवा स्थित प्रागज्योति आईटीए सेंटर में *म्यूजिकोलॉजीज-संगीत से संजीवनी* कार्यक्रम की शुरुआत रोटरी क्लब के गणमान्य व्यक्तियों और प्रायोजकों का सम्मान कर किया गया। कार्यक्रम में रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3240 के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर सुखमिंदर सिंह ने दीप प्रज्ज्वलन किया। इस कार्यक्रम के लिए मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की ओर से एक विशेष संदेश भेजा गया, जिसे कार्यक्रम में पढ़ा गया, जिसमें अंगदान की जीवन रक्षक प्रथा के बारे में जागरूकता बढ़ाने में उल्लेखनीय पहल के लिए छह रोटरी क्लबों की सराहना की गई। तत्पश्चात सभी छह रोटरी क्लबों के अध्यक्ष और सचिव को महानिदेशक द्वारा सम्मानित किया गया। जुबली फाउंडेशन की सुश्री प्रियंका बोरा और आईएफआरएम 3240 गुवाहाटी सिम्फनी के तरुण बरदलै के प्रति आभार व्यक्त किया। इस मौके पर म्यूजियोलॉजी कार्यक्रम के चेयरमैन राजीव जैन ने भी दर्शकों को संबोधित करते हुए सहयोग के लिए सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन ऐनी मौसमी द्वारा किया गया। संचालक विशाल शर्मा ने दर्शकों को बताया कि यह कार्यक्रम अंगदान के महान उद्देश्य के अलावा महान गायक मोहम्मद रफी की जन्म शताब्दी मनाने के लिए भी आयोजित किया गया है। उन्होंने सम्मान के लिए दृष्टिबाधित कलाकार शाहिद अफरीदी और अकादाशी मंडल को मंच पर बुलाया। संगीत संध्या की शुरुआत करते हुए अफरीदी ने अपने एकल गीत से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके अलावा सहयोगी अकादाशी के साथ युगल गीत प्रस्तुत किया। दोनों कलाकारों ने *झिल मिल सितारों का आलम होगा..., जो वादा किया वो निभाना पड़ेगा...* प्रस्तुत किया। दोनों नेत्रहीन गायकों को आरपी सुरेका द्वारा एआई स्मार्ट ग्लास प्रदान किए गए। फिर बांसुरी वादक प्रियंकू बोरा ने कृष्ण थीम पर एक एकल गीत प्रस्तुत किया। प्रसिद्ध बॉलीवुड ट्रम्पेटर किशोर सोधा ने मंच पर प्रसिद्ध शोले थीम बजाकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके बाद उन्होंने नजर न लग जाए और क्या यही प्यार है भी बढ़ाया। बॉलीवुड गायक अभय जोधपुरकर, गायक व संगीतकार अजय सिन्हा (मीकू) ने भी अपनी जबर्दस्त प्रस्तुति से खूब तालियां बटोरी। कार्यक्रम के दौरान अंग दान के महत्व और छह रोटरी क्लबों की महत्वपूर्ण कल्याणकारी परियोजनाओं पर वीडियो प्रदर्शित किया गया। इससे पूर्व अंगदान के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए लताशिल खेल के मैदान से *ऑर्गन-ओ-वॉक* का आयोजन किया गया। छह क्लबों के सदस्यों और अन्य नागरिकों ने रैली में भाग लिया, जिसे असम सरकार में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण सचिव बर्णाली शर्मा द्वारा हरी झंडी दिखाई गई। अंगदान के महत्व को दर्शाने वाले बैनर और तख्तियां लेकर रैली का आयोजन किया। रैली के अंत में फिटनेस पार्टनर गोल्ड जिम, गणेशगुड़ी की जुम्बा ट्रेनर सुश्री हसीना द्वारा समाज में फिटनेस के महत्व को दर्शाने के लिए जुम्बा नृत्य प्रस्तुत किया गया। इसमें 300 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए। कार्यक्रम को सफल बनाने में रोटरी क्लब की सभी छह शाखाओं के सदस्यों ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

संपादकीय

# सरकार के खिलाफ ही सरकार

**दिल्ली** में विधानसभा चुनाव से पहले बड़ी अजब-गजब की राजनीति खेली जा रही है। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने 'महिला सम्मान राशि' और 'संजीवनी' नामक दो प्रमुख योजनाएं घोषित की हैं। उन्होंने पात्र महिलाओं को 1000 रुपए माहवार देने का आश्वासन दिया है और सत्ता में आने के बाद यह राशि 2100 रुपए तक बढ़ाने का वायदा भी किया है। 'संजीवनी' के तहत 60 साल से ज्यादा उम्र वाले बुजुर्ग सरकारी और निजी अस्पतालों में मुफ्त इलाज करा सकेंगे। पूरा खर्च सरकार वहन करेगी। ऐसी चुनावी घोषणाएं पश्चिम बंगाल, मप्र, हरियाणा, महाराष्ट्र, झारखंड सरीखे 10 राज्यों में की जा चुकी हैं, लेकिन नौकरशाही ने न तो कोई सवाल उठाया और न ही सरकारी विभागों ने इन घोषणाओं के खिलाफ विज्ञापन देकर उन्हें खारिज किया। दिल्ली में 'आप' की ही सरकार है। बेशक मुख्यमंत्री केजरीवाल के बजाय आतिशी हैं। जाहिर है कि केजरीवाल ने जिन योजनाओं की घोषणाएं कीं, उन्हें मुख्यमंत्री आतिशी का भी समर्थन है, लेकिन दिल्ली सरकार के संबंधित विभागों ने एक विज्ञापन जारी कर कहा है- सरकार ऐसी कोई स्कीम नहीं चला रही। इतना ही नहीं, महिला और स्वास्थ्य विभागों ने दिल्ली के लोगों को आगाह किया है कि 'अस्तित्वहीन' योजनाओं में पंजीकरण के नाम पर व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें। कोई व्यक्ति या राजनीतिक दल ऐसे फॉर्म भरवाता है अथवा निजी जानकारी मांगता है, तो यह 'धोखाधड़ी' है। इन योजनाओं की कोई सरकारी अधिसूचना भी जारी नहीं की गई है।'' जाहिर है कि विज्ञापन का स्पष्ट संकेत केजरीवाल और 'आप' की तरफ है। यह कैसा मजाक है? दिल्ली सरकार अपने ही खिलाफ काम कर रही है अथवा लोकतांत्रिक व्यवस्था को खारिज किया जा रहा है? किसी भी चुनाव से पहले राजनीतिक दल 'रेवडियों' के आश्वासन देते हैं अथवा योजनाओं की घोषणा करते हैं। ऐसे ही चुनावी वायदों पर जनता वोट देती है। यह लोकतांत्रिक अधिकार कैसे छीना जा सकता है? कुछ हालिया सालों के उदाहरण गौरतलब हैं। हिमाचल में 2022 के चुनाव से पहले और कर्नाटक में 2023 के चुनाव से पहले महिलाओं में नकदी राशि बांटने की घोषणाएं कांग्रेस ने की थीं। दोनों ही राज्यों में भाजपा सत्तारूढ़ थी। भाजपा ने छत्तीसगढ़ और ओडिशा में महिला वोट बटोरने की खातिर ऐसी ही घोषणाएं की थीं। दोनों राज्यों में क्रमशः कांग्रेस और बीजू जनता दल की सरकारें थीं, लेकिन चुनावों के बाद भाजपा दोनों ही राज्यों में सत्तारूढ़ हुई। इन तमाम संदर्भों में किसी भी सरकारी विभाग और मंत्रालय ने ऐसी घोषणाओं को न तो खारिज किया और न ही विज्ञापन जारी करने का दुस्साहस किया। आखिर दिल्ली में ऐसा क्यों हुआ? क्या जनादेशी सत्ता नौकरशाही के सामने बौनी है? क्या केंद्र सरकार के इशारे पर दिल्ली के उपराज्यपाल ने विभागों को ऐसी हरकत के लिए बाध्य किया? उपराज्यपाल भी केंद्र सरकार के एजेंट हैं। उन्हें कोई जनादेश हासिल नहीं है, लेकिन अभी तक दिल्ली में यह सवाल गुत्थी बना हुआ है कि अद्र्धराज्य का प्रमुख, कार्यकारी चेहरा कौन है? यदि मुख्यमंत्री आतिशी ने सरकारी अधिकारियों के खिलाफ 'प्रशासनिक कार्रवाई' करने का बयान दिया है, तो क्या वह ऐसा करने में सक्षम होंगी? दरअसल दिल्ली सरकार की नौकरशाही उपराज्यपाल के संरक्षण में है। अफसर मुख्यमंत्री तक की बात नहीं सुनते, लिहाजा ऐसी हरकत करना बड़ा सामान्य है। मुख्यमंत्री आतिशी ने यह आरोप लगाया है कि भाजपा के पूर्व सांसद प्रवेश वर्मा सरकारी आवास से महिलाओं को 1100 रुपए प्रति बांट रहे हैं। इस तरह नकदी बांटना क्या चुनाव की मर्यादा के तहत आता है या रिश्वत बांटना है, यह देखना होगा।

आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने 'महिला सम्मान राशि' और 'संजीवनी' नामक दो प्रमुख योजनाएं घोषित की हैं। उन्होंने पात्र महिलाओं को 1000 रुपए माहवार देने का आश्वासन दिया है और सत्ता में आने के बाद यह राशि 2100 रुपए तक बढ़ाने का वायदा भी किया है। 'संजीवनी' के तहत 60 साल से ज्यादा उम्र वाले बुजुर्ग सरकारी और निजी अस्पतालों में मुफ्त इलाज करा सकेंगे। पूरा खर्च सरकार वहन करेगी। ऐसी चुनावी घोषणाएं पश्चिम बंगाल, मप्र, हरियाणा, महाराष्ट्र, झारखंड सरीखे 10 राज्यों में की जा चुकी हैं, लेकिन नौकरशाही ने न तो कोई सवाल उठाया और न ही सरकारी विभागों ने इन घोषणाओं के खिलाफ विज्ञापन देकर उन्हें खारिज किया। दिल्ली में 'आप' की ही सरकार है। बेशक मुख्यमंत्री केजरीवाल के बजाय आतिशी हैं। जाहिर है कि केजरीवाल ने जिन योजनाओं की घोषणाएं कीं, उन्हें मुख्यमंत्री आतिशी का भी समर्थन है, लेकिन दिल्ली सरकार के संबंधित विभागों ने एक विज्ञापन जारी कर कहा है- सरकार ऐसी कोई स्कीम नहीं चला रही।

भारत में नये अर्थ के निर्माता, कुशल प्रशासक, दार्शनिक के साथ-साथ भारत को आर्थिक महाशक्ति का एक खास रंग देने की महक उठती है

# उदारीकरण एवं आर्थिक सुधार के महासूर्य का अस्त होना!

ललित गर्ग

डॉ. मनमोहन सिंह का 92 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन से आर्थिक सुधार का महासूर्य अस्त हो गया, भारतीय राजनीति में एक संभावनाओं भरा राजनीति सफर ठहर गया, जो राष्ट्र के लिये एक गहरा आघात है, अपूरणीय क्षति है। वे निश्चित ही आर्थिक सुधारों एवं उदारीकरण के नींव के पत्थर थे, मील के पत्थर थे। वे आर्थिक सुधार की बुलंद आवाज थे। उन्हें आर्थिक सुधार, भारत में वैश्विक बाजार व्यवस्था एवं उदारीकरण का जनक कहा जा सकता है।

**भारत** के धुरंधर अर्थशास्त्री, प्रशासक, कद्दावर नेता, दो बार प्रधानमंत्री रह चुके डॉ. मनमोहन सिंह का 92 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन से आर्थिक सुधार का महासूर्य अस्त हो गया, भारतीय राजनीति में एक संभावनाओं भरा राजनीति सफर ठहर गया, जो राष्ट्र के लिये एक गहरा आघात है, अपूरणीय क्षति है। वे निश्चित ही आर्थिक सुधारों एवं उदारीकरण के नींव के पत्थर थे, मील के पत्थर थे। वे आर्थिक सुधार की बुलंद आवाज थे। उन्हें आर्थिक सुधार, भारत में वैश्विक बाजार व्यवस्था एवं उदारीकरण का जनक कहा जा सकता है। जिन्होंने न केवल देश-विदेश के लोगों का दिल जीता है, बल्कि विरोधियों के दिल में भी जगह बनाकर, अमिट यादों को जन-जन के हृदय में स्थापित कर हमसे जुदा हो गये हैं। डॉ. सिंह यह नाम भारतीय इतिहास का एक ऐसा स्वर्णिम पृष्ठ है, जिससे एक सशक्त राष्ट्रनायक, स्वप्नदर्शी राजनायक, आदर्श चिन्तक, भारत में नये अर्थ के निर्माता, कुशल प्रशासक, दार्शनिक के साथ-साथ भारत को आर्थिक महाशक्ति का एक खास रंग देने की महक उठती है। उनके व्यक्तित्व के इतने रूप हैं, इतने आयाम हैं, इतने रंग है, इतने दृष्टिकोण हैं, जिनमें वे व्यक्ति और नायक हैं, दार्शनिक और चिंतक हैं, प्रबुद्ध और प्रधान है, शासक एवं लोकतंत्र उन्नायक हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने डॉ. सिंह के निधन पर कहा है कि जीवन के हर क्षेत्र में उपलब्धियां हासिल करना आसान बात नहीं है। एक नेक इंसान के रूप में, एक विद्वान अर्थशास्त्री के रूप में उन्हें हमेशा याद किया जाएगा।' दो बार देश के प्रधानमंत्री रहे डॉ. मनमोहन सिंह ने पांच दशक तक सक्रिय राजनीति की, अनेक पदों पर रहे, केंद्रीय वित्त मंत्री व प्रधानमंत्री-पर वे सदा दूसरों से भिन्न रहे, अनूठे रहे। घाल-मेल से दूर। भ्रष्ट राजनीति में बेदाग। विचारों में निडर। टूटते मूल्यों में अडिग। घेरे तोड़कर निकलती भीड़ में मर्यादित। वे भारत के इतिहास में उन चुनिंदा नेताओं में शामिल हैं जिन्होंने सिर्फ अपने नाम, व्यक्तित्व और करिश्मे के बूते पर न केवल सरकार चलाई बल्कि एक नयी सोच की राजनीति को पनपाया, पारदर्शी एवं सुशासन को सुदृढ़

किया। विलक्षण प्रतिभा, राजनीतिक कौशल, कुशल नेतृत्व क्षमता, बेवाक सोच, निर्णय क्षमता, दूरदर्शिता और बुद्धिमत्ता के कारण कांग्रेस के सभी नेता उनका लोहा मानते रहे, उनके लिये वे मार्गदर्शक ही नहीं, प्रेरणास्रोत भी है। वे बेहद नम्र इंसान थे और वह अहंकार से कोसों दूर थे। उनके प्रभावी एवं बेवाक व्यक्तित्व से भारतीय राजनीति एवं लोकतांत्रिक संस्थान चमकते रहे हैं। डॉ. सिंह ने भारत की अर्थव्यवस्था को वैश्विक बाजारों के लिए खोलने के लिए उदारीकरण सुधार लागू किए। साथ ही, उन्होंने लाइसेंस राज समाप्त कर, निजीकरण और राज्य नियंत्रण में कमी की। डॉ. सिंह द्वारा विदेशी निवेश को आकर्षित करने के साथ निर्यात को प्रोत्साहित किया गया। डॉ. सिंह का जन्म ब्रिटिश भारत के पंजाब में 26 सितम्बर 1932 को हुआ था। उनकी जन्मतिथि भी 26 एवं निधन तिथि भी 26 एक संयोग ही कहा जायेगा। उनकी माता का नाम अमृत कौर और पिता का नाम गुरुमुख सिंह था। देश के विभाजन के बाद सिंह का परिवार भारत चला आया। डॉ. सिंह की पत्नी का नाम गुरशरण कौर है, जो कि एक गृहिणी और गायिका भी हैं। उनके तीन बेटियां हैं। पंजाब विश्वविद्यालय से उन्होंने स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर की पढ़ाई पूरी की। बाद में वे कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय गये। जहाँ से उन्होंने पीएच. डी. की। तत्पश्चात् उन्होंने आक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से डी. फिल. भी किया। डॉ॰ सिंह ने अर्थशास्त्र के अध्यापक के तौर पर काफी ख्याति अर्जित की। वे पंजाब विश्वविद्यालय और बाद में प्रतिष्ठित दिल्ली स्कूल ऑफ इकनामिक्स में प्राध्यापक रहे। इसी बीच वे संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन सचिवालय में सलाहकार भी रहे और 1987 तथा 1990 में जेनेवा में साउथ कमीशन में सचिव भी रहे। 1971 में डॉ॰ सिंह भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मन्त्रालय में आर्थिक सलाहकार के तौर पर नियुक्त किये गये। इसके तुरन्त बाद 1972 में उन्हें वित्त मंत्रालय में मुख्य आर्थिक सलाहकार बनाया गया। इसके बाद के वर्षों में वे योजना आयोग के उपाध्यक्ष, रिजर्व बैंक के गवर्नर, प्रधानमन्त्री के आर्थिक सलाहकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष भी रहे हैं। भारत के आर्थिक इतिहास में हाल के वर्षों में सबसे महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब डॉ॰ सिंह 1991 से 1996 तक भारत के वित्त मन्त्री रहे। डॉ. सिंह ने भारत के 13वें प्रधानमंत्री के रूप में लगातार दो कार्यकाल पूरे किए हैं। पहले कार्यकाल के दौरान उन्होंने राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम लागू किया। वहीं सूचना का अधिकार अधिनियम भी उनके कार्यकाल में आया। इसके अतिरिक्त उन्हें ऐतिहासिक भारत-अमेरिका असैन्य परमाणु समझौता पर हस्ताक्षर के लिए भी जाना जाता है। दूसरे कार्यकाल में उन्होंने बुनियादी ढांचे के विकास और सामाजिक कल्याण योजनाओं पर ध्यान केंद्रित किया। हालांकि, इस दौरान उन्हें 2जी स्पेक्ट्रम घोटाला और राष्ट्रमंडल खेल घोटाले जैसे विवादों का भी सामना करना पड़ा। यह बात हम सभी जानते हैं कि उन्हें मौन पीएम भी कहा जाता था, हालांकि उन्होंने इस पर चुप्पी तोड़ते हुए सार्वजनिक रूप से इसका सटीक जवाब भी दिया था। विकास के प्रति डॉ. सिंह की प्रतिबद्धता और उनकी अनेक उपलब्धियों को उन अनेक सम्मानों के माध्यम से मान्यता मिली है जो उन्हें प्रदान किए गए हैं। इनमें 1987 में पद्म विभूषण, 1993 में वित्त मंत्री के लिए यूरो मनी पुरस्कार, 1993 और 1994 में वित्त मंत्री के लिए एशिया मनी पुरस्कार और 1995 में भारतीय विज्ञान कांग्रेस का जवाहरलाल नेहरू जन्म शताब्दी पुरस्कार शामिल हैं।

दृष्टि कोण

# मुफ्त की चुनावी घोषणाएं बिगाड़ रहीं हैं आर्थिक सेहत

**दिल्ली** चुनाव को अभी एक महीने से ज्यादा का समय बाकी है। उससे पहले दिल्ली की आम आदमी पार्टी ने महिला सम्मान योजना को मंजूरी दे दी। इस योजना के तहत महिलाओं के खाते में हर महीने 1000 रुपये आएंगे। आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि चुनाव के बाद इसको बदलकर 2100 रुपए करेंगे। चुनाव जीतने के लिए मुफ्त की रेवड़ी बांटने वाली आप अकेली पार्टी नहीं हैं। जब भी चुनाव नजदीक आते हैं, राजनीतिक दलों में खैरात बांटने की होड़ लग जाती है। इसका एकमात्र मकसद चुनाव जीतना है। इसके नुकसान-फायदों की राजनीतिक दलों का परवाह नहीं हैं। यह अलग बात है कि चाकू खरबूजे पर गिरे या खरबूजा चाकू पर, कटना तो खरबूजे को ही है। मसलन फ्री का माल लेने वाले को भी आखिरकार इसकी कीमत चुकानी पड़ती है। किसी न किसी रूप में टैक्स का बोझ उन पर भी पड़ता है। फ्री की योजनाओं का फायदा उठाने वाले भी इससे बढने वाली महंगाई की मार से बच नहीं सकते। इससे पहले राजस्थान में विधानसभा चुनाव के दौरान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने वोटरों को फ्री में स्मार्टफोन और तीन साल के लिए फ्री इंटरनेट का वायदा किया था। गहलोत ने राज्य के हर परिवार को हर महीने 100 यूनिट तक फ्री बिजली फ्री देने का ऐलान किया था। मध्य प्रदेश में पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कांग्रेस की सरकार बनने पर हर परिवार को 100 यूनिट तक फ्री बिजली देने का वादा किया। तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लाडली बहना योजना के तहत सवा करोड़ गरीब महिलाओं के खाते में एक हजार रुपये जमा कराए। कांग्रेस ने वादा किया था कि उसकी सरकार आई तो हजार नहीं बल्कि 1,500 रुपये दिए जाएंगे। शिवराज ने युवाओं को लुभाने के लिए 12वीं कक्षा के कुल 9000 टॉपर्स को एक-एक स्कूटी देने का भी ऐलान किया था। चुनावी रेवड़ी बांटना का कल्चर शुरु से ही विवादों से घिरा रहा है। सुप्रीम कोर्ट, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया, आर्थिक विशेषज्ञ, चुनाव आयोग और मौजूदा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तक इस पर चिंता जता चुके हैं। कोई भी राजनीतिक दल व्यापक देशहित से जुड़े ऐसे मुद्दों का समाधान तलाशना तो दूर बल्कि चर्चा तक करना नहीं चाहता। सुप्रीम कोर्ट ने मुफ्त राशन और अन्य मुफ्त योजनाओं पर गंभीर सवाल उठाए हैं। कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा कि आखिर लोगों को ₹फ्री की रेवड़ी₹ कब तक बांटी जाएगी। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस मनमोहन की बेंच ने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान मुफ्त राशन देना समय की जरूरत थी, लेकिन अब रोजगार और आत्मनिर्भरता पर ध्यान केंद्रित करने का समय आ गया है। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने कोर्ट को बताया कि देश के 81 करोड़ लोगों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत मुफ्त या सब्सिडी वाला राशन दिया जा रहा है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने हैरानी जताई और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता व अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी से कहा, ₹तो मतलब सिर्फ टैक्सपेयर्स ही ऐसे लोग हैं जिन्हें मुफ्त राशन नहीं मिल रहा है। यह स्थिति गंभीर विचार का विषय है।₹ वर्ष २०२२ में श्रीलंका का आर्थिक संकट सामने आया तो इसने दुनियाभर की सरकारों को चेता दिया। सर्वदलीय बैठक में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा था कि श्रीलंका से सबक लेते हुए हमें मुफ्त के कल्चर से बचना चाहिए। जयशंकर ने कहा कि श्रीलंका जैसी स्थिति भारत में नहीं हो सकती, लेकिन वहां से आने वाला सबक बहुत मजबूत है। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी एक रैली में रेवड़ी कल्चर पर सवाल उठाए थे। पीएम मोदी ने कहा था कि आजकल हमारे देश में मुफ्त की रेवड़ी बांटकर वोट बटोरने का कल्चर लाने की भरसक कोशिश हो रही है। ये रेवड़ी कल्चर देश के विकास के लिए बहुत घातक है। रेवड़ी कल्चर वालों को लगता है कि जनता जनार्दन को मुफ्त की रेवड़ी बांटकर उन्हें खरीद लेंगे। मोदी ने कहा था कि हमें मिलकर रेवड़ी कल्चर को देश की राजनीति से हटाना है। भारत में ऐसी लुभावनी पर आर्थिक तौर पर घातक चुनावी वायदों की शुरुआत तमिलनाडु से मानी जाती है। वर्ष 2006 में तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव में डीएमके ने सरकार बनने पर सभी परिवारों को फ्री कलर टीवी देने का वादा किया। डीएमके के इस चुनावी वादे को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई। हालांकि, डीएमके जीत गई। वादा पूरा करने के लिए 750 करोड़ रुपये का बजट लगाया गया। मामला सुप्रीम कोर्ट में चल ही रहा था कि 2011 के विधानसभा चुनाव में विपक्षी अन्नाद्रमुक ने टीवी के जवाब में मिक्सर ग्राइंडर, इलेक्ट्रिक फैन, लैपटॉप, कम्प्यूटर, सोने की थाली आदि बांटने का वादा कर दिया। शादी होने पर महिलाओं को 50 हजार रुपये और राशन कार्ड धारकों को 20 किलो चावल देने का वादा भी किया। नतीजे आए तो अन्नाद्रमुक की सरकार बन गई। 2006 के चुनावी वादे पर जुलाई 2013 में सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि फ्रीबीज सभी लोगों को प्रभावित करती है, जो स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव की जड़ को काफी हद तक हिला देती हैं।

कुछ अलग

# दूसरे टाइप के लेखक

**वे** मेरे जैसे लेखक नहीं थे, वे दूसरे टाइप के लेखक थे। मेरा काम लिखना और छपवाना था, उनका इससे दूर-दूर तक का नाता न था। दरअसल वे लेखक टाइप बुद्धिजीवी थे, जो गोष्ठियों में गहन विमर्श, उनकी अध्यक्षता और कहीं व्याख्यान देते पाए जाते थे। मुझसे यह सब नहीं हो पाता था। कहीं कोई विचार मंत्रणा होनी होती तो उन्हें बुलाया जाता। कला केन्द्रों में भी उन्हीं की दरकार थी। लिखना और फिर उसे छपवाना, वे इसे हल्की बात मानते थे। उनके कहे आप्त वचन छपते थे समाचार-पत्रों में। उनका कोई सम्मेलन होता और उनकी सूची छपती तो मैं उन नामों को पहचान नहीं पाता। यह दिवालियापन मेरा था, इसमें उनकी तनिक भी गलती नहीं थी। सुना था उन्होंने कभी लिखा था, और इतना प्रभावी लिखा था कि उनका नाम हो गया और वे देश के बौद्धिक वर्ग की शिरकत करने में आगे आ गए थे। मैंने लाख कोशिश की कि मैं उन जैसा दूसरे टाइप का लेखक बन जाऊं, लेकिन एक तो लिखने की आदत नहीं छूट रही थी, दूसरा लोग उन जैसी पहचान मुझे दे भी नहीं पा रहे थे। सत्य तो यही है कि मैं दूसरे टाइप का लेखक बनना चाहता था, परंतु शायद यह मेरे भाग्य में नहीं है। बात-बात में हंसना, सहज रहना, मजाक बाजी करना, ये मेरे कुटेव थे-जो मुझे दूसरे टाइप का लेखक नहीं बनने दे रहे थे। उनकी तरह रहना मेरे बस की बात नहीं थी। वे जो बोलते थे, मेरी समझ से परे था। सदैव गंभीर मुद्रा में आसमान को ताकना, चेहरे पर तनिक हास्य क्या आ जाए और नया तुला बोलकर सबको हतप्रभ कर देना, उनकी अपनी फितरत और अंदाज था। खूब लिखने-छपने के बाद भी वे मुझे नहीं जानते थे। पहली बात तो उन तक पहुंचना आसान नहीं था, फिर भी कभी कोई उनसे मिलवाता तो वे चालाकी से मुझे नजरअंदाज कर जाते और मैं मन मसोसकर रह जाता। मेरी अपनी उत्कंठा थी कि वे मुझे जानें और मैं उन्हें जानूं। लेकिन ऐसा कभी संभव ही नहीं हो पाया, क्योंकि वे दूसरे टाइप के लेखक थे, मुझे इतना तो पता चल गया था-उनमें से कुछ अंग्रेजी की दुनिया के थे, कुछ विश्वविद्यालयों के प्रोफेसर थे, कुछ फिल्मी दुनिया के थे और कुछ अन्य भारतीय भाषाओं के पहुंचे हुए और घुटे हुए थे। कुछेक बड़े पदों पर आसीन थे तो कुछेक बड़े पदों से सेवानिवृत्त होकर इस दूसरे टाइप के लेखक बन गए थे। वे संगठनों से जुड़े हुए थे, उनमें पदाधिकारी थे और उनका अपना पंथ था। दूसरे टाइप के लेखकों का रहन-सहन और पहन-पहनावा यानी उनकी जीवन शैली भी मुझसे काफी भिन्न थी। वे खाते भी थे, पीते थे और आचरण से भी शुद्ध नहीं होने के बावजूद अपना कदम और कद अहम बनाए हुए थे। कपड़े भी एकदम पाश्चात्य सभ्यता के, मुड़े-तुड़े और महंगे। इनके साथ इन्हीं की तरह की कुछ महिला लेखिकाएं भी थीं। ये सब महानगरों से ताल्लुक रखते थे। मेरे गांव के घासियारे नहीं थे। चेहरे पर शालीनता और कुलीनता दोनों एक साथ देखी जा सकती थी। बस मैं इसी टाइप का बनना चाहता था, लेकिन अफसोस असीम प्रयासों के बावजूद मैं अपना मूल 'टाइप' नहीं बदल सका। दूसरे टाइप के लेखक मुझे लुभाते थे, खींचते थे और आकर्षक लगते थे। दूसरे टाइप के लेखक कितने अलग होते हैं, अक्सर मैं सोचा करता हूं।

देश दुनीया से

# प्रदेश में हो अपना क्रीड़ा संस्थान

**हिमाचल** प्रदेश में यूरोप व अमेरिका की तरह जलवायु होने के कारण यहां पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए एक उच्च स्तरीय खेल संस्थान की जरूरत है क्योंकि बेहतर आबोहवा में प्रशिक्षण के लिए करोड़ों खर्च करके हमारे खिलाड़ी विदेश जाते हैं। देश में राष्ट्रीय क्रीड़ा संस्थान पटियाला बहुत बढिया प्रशिक्षण स्थल है मगर वहां गर्मियों में ट्रेनिंग करना बहुत मुश्किल है। जब हम राष्ट्रीय क्रीड़ा संस्थान पटियाला में प्रवेश करते हैं तो गेट से सौ मीटर आगे चल कर बायीं ओर एक शिला पर लिखा है विश्वविद्यालयों के ग्रंथकीट नहीं, वरिष्ठ लिपिक नहीं, अपितु हमें ऐसे महापुरुष निकालने चाहिए जो विश्व पटल पर भारत को गौरव प्रदान कर सकें। खेल संस्थान का मतलब विश्व स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कराने वाला संस्थान है। हिमाचल प्रदेश सरकार की खेल नीति को नया स्वरूप मिल चुका है। इस नीति में स्तरीय ढांचे की बात तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम को खिलाड़ी के अनुरूप करने की कोशिश की है जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कड़ी प्रतिस्पर्धा देकर खिलाड़ी प्रदेश व देश को पदक जीतकर तिरंगे को सबसे ऊपर उठा कर जन-गण-मन की धुन पूरे विश्व को सुना सके। हिमाचल प्रदेश के तत्कालीन हुक्मरानों ने खेल विभाग को कभी खेल प्राधिकरण तो कभी खेल संस्थान बनाने की वकालत की है, मगर हिमाचल प्रदेश में खेलों की हकीकत सबके सामने है। नई खेल नीति में राज्य खेल संस्थान का भी जिक्र है। हिमाचल प्रदेश में कई खेलों के लिए विश्व स्तरीय खेल ढांचा तो बनकर तैयार हो चुका है, मगर प्रशिक्षकों व अन्य सुविधाओं के अभाव में यहां पर उस तरह का प्रशिक्षण

कार्यक्रम आरंभ नहीं हो पाया है। हिमाचल प्रदेश में अभी तक भी खेल संस्कृति का अभाव साफ देखा जा सकता है। धूमल सरकार में बनी खेल नीति में हिमाचल के खिलाडियों को सरकारी नौकरी में तीन प्रतिशत आरक्षण बहुत बड़ी सौगात है। अब दो दशक बाद विभिन्न पहलुओं के ऊपर नयी खेल नीति में सुधार किया गया है, मगर देखते हैं इसका जब जमीनी हकीकत से सामना होगा तो वास्तव में सरकारी तंत्र व खेल संस्थान इसे कितना सही कार्यनिष्पादित करवा पाते हैं। खेलों में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित हो, इससे जब हजारों विद्यार्थी फिटनेस कार्यक्रम से गुजरेंगे तो उनमें कुछ अच्छे खिलाड़ी भी मिलेंगे। खेल नीति में हिमाचली खिलाडियों से राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता प्रदर्शन के लिए राज्य में अधिक से अधिक खेल अकादमियां व शिक्षा संस्थानों में खेल विंग, स्थान की सुविधा व प्रतिभा को देखते हुए सरकारी व खेल संघों के माध्यम से खोलने को कहा गया है तथा भविष्य में विभिन्न बड़ी कंपनियों से सीआरएस के माध्यम से राज्य में खेल ढांचे को सुदृढ़ करने की मंशा भी है। मनरेगा से भी ग्रामीण क्षेत्रों में प्ले फील्ड की सुविधा जुटाने की बात कही गई है। हिमाचल प्रदेश में विभिन्न खेलों का स्तर राज्य में खेल छात्रावासों के खुलने के बाद भी अभी तक सुधरा नहीं है। यह अलग बात है कि कुछ जुनूनी प्रशिक्षकों के बल पर कभी-कभी अच्छे परिणाम जरूर आए हैं। इसके बावजूद हिमाचल प्रदेश राष्ट्रीय स्तर पर कुछ एक खेलों को छोड़ कर अधिकांश बार पिछड़ा ही रहा है। हिमाचल हो या देश का कोई अन्य राज्य, उत्कृष्ट प्रदर्शन करवाने के लिए केवल प्रशिक्षक ही मुख्य किरदार दिखाई देता है। यही कारण है कि भारत के खेल मंत्रालय व कई राज्यों ने भी अपने यहां हाई परफॉर्मेंस प्रशिक्षण केन्द्र खोलने पर जोर दिया है तथा वहां पर वे उत्कृष्ट प्रदर्शन करवाने वाले प्रशिक्षकों को अनुबंधित कर रहे हैं। खेलो इंडिया, गुजरात व पंजाब के उच्च खेल परिणाम दिलाने वाले प्रशिक्षण केन्द्रों की तरह ही हिमाचल प्रदेश में भी अधिक से अधिक इस तरह के हाई परफॉर्मेंस केंद्र व अकादमियां खोलनी होंगी। इन प्रशिक्षण केन्द्रों पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता प्रदर्शन करवाने वाले अनुभवी प्रशिक्षकों को उत्कृष्ट प्रदर्शन करवाने की शर्तों पर पांच वर्षों के लिए अनुबंधित करना चाहिए, ताकि हिमाचल प्रदेश की संतानों को भी हिमाचल प्रदेश में रह कर ही बेहतर प्रशिक्षण सुविधा मिल सके। केन्द्र व केरल सरकार की तर्ज पर प्रशिक्षकों को भी खिलाड़ी की तरह नकद ईनामी राशि व अवार्ड का प्रावधान किया गया है। आप अगर हर विद्यार्थी को फिटनेस के लिए खेल मैदान में ले जाएंगे, तो उनमें से जरूर कुछ अच्छे खिलाड़ी भी मिलेंगे। प्रतिभा खोज के बाद पढ़ाई के साथ-साथ प्रशिक्षण के लिए अच्छी खेल सुविधाएं मुहैया कराई जानी चाहिएं। इसके लिए राष्ट्रीय क्रीड़ा संस्थान की तर्ज पर अपना राज्य क्रीड़ा संस्थान हो। इसके लिए खेल मंत्री कृतसंकल्प नजर आते हैं। जल्द ही इसे अमलीजामा पहनाया जा सकता है। खेल संस्थान में हिमाचल प्रदेश के खिलाडियों को वैज्ञानिक आधार पर लंबी अवधि के प्रशिक्षण शिविर लगें तथा प्रदेश के शारीरिक शिक्षकों व पूर्व राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय खिलाडियों के लिए सेमिनार व कम अवधि के प्रशिक्षक बनने के कोर्सेज हों। साथ ही साथ यहां पर राष्ट्रीय प्रतियोगिता के पूर्व लगने वाले कोचिंग कैम्प भी अनिवार्य रूप से लगाए जाएं ताकि पहाड़ के लोगों को भी वही सुविधा उपलब्ध है जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर के उत्कृष्ट प्रदर्शन किए जा सकें। खेल नीति में उन राष्ट्रीय पदक विजेताओं के लिए वजीफे की बात की गई है जो खेल छात्रावास के बाहर हों। उन्हें भी खेल छात्रावास के अंतर्गत दैनिक खुराक भत्ता व अन्य सुविधाओं के ऊपर खर्च होने वाली राशि के बराबर वजीफा देने की वकालत हो। खेल प्राधिकरण बनने से पहले राष्ट्रीय स्तर पर यह कार्य राष्ट्रीय क्रीड़ा संस्थान पटियाला करता था। खेल नीति में प्रदेश का अपना खेल संस्थान हो, ऐसी बात कही गई है। हिमाचल प्रदेश में खेल संस्थान बनता है तो यह यहां के खिलाडियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पदक विजेता बनाने में जहां सहायक सिद्ध होगा, वहीं साथ ही गर्मियों के लिए देश के पास एक अच्छा प्रशिक्षण केन्द्र हो जाएगा।

आप का नजरीया

# भाजपा के अपने कांग्रेसी

**अकेले** मिले भी तो कैसे मिले, दुनिया की निगाहों में खटक गए। चर्चाओं से सियासी समुद्र के ज्वारभाटे सामने आते हैं, इसलिए बेताज भी उनकी खबर से बादशाह नजर आते हैं। खबर उस दरबार की है, जो भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के सान्निध्य में, पार्टी की नब्ज पर हाथ रखे हुए हिमाचल के कुछ नेताओं से मिल रहा था। अचानक पार्टी में आ कर गौण हुए इन नेताओं का भाजपाईकरण, पार्टी अध्यक्ष से औपचारिक भेंट नहीं निजी अस्तित्व के सवाल पूछ रहा था तो यह खबर नहीं, घटनाक्रम है प्रदेश की सियासत का नया क्रम है। मिलने वाले छह नेता अपने वर्ण से कांग्रेसी रहे हैं, लेकिन भाजपा में शरीक होकर उच्च श्रेणी के होकर भी अछूत हो गए। छह नेताओं का अचानक मिलन, अपने आप में गठन और अपने लिए संगठन में बहुत कुछ खोज रहा है। यह इसलिए भी कि भाजपा की छांव में जब कांग्रेस से कुछ दरख्त चाहिए थे, इन तत्कालीन विधायकों ने उम्र के रिश्तों और भविष्य के खतरों से बेखबर होकर अपना सर्वस्व पार्टी को दे दिया। आज भी राज्यसभा में भाजपा सदस्यों की गिनती में बढ़ोतरी होती है, तो कहीं हर्ष महाजन की जीत में अंगुली इन्हीं नेताओं की ओर उठती है। उसके बाद हुए उपचुनाव में तीन नेताओं को अपनी जमीं खोनी पड़ी। बेशक सुधीर शर्मा, इंद्रदत लखनपाल और आशीष शर्मा के पास विधायक होने का रुतबा लौट आया, लेकिन जहां लुढका वहां भाजपा रिक्त नहीं हो सकती, विरक्त नहीं हो सकती। यह कल की भाजपा नहीं, आज की भाजपा है, जो पार्टी कॉडर को जमीन से लेकर आसमान तक ढूंढती है। ये छह नेता कांग्रेस के आकाश से खोजे गए, तो क्या वक्त गुजर जाने के बाद जमीन पर पटक दिए गए। क्या संगठनात्मक चुनावों में भाजपा की किश्तियों ने इनसे किनारा किया। क्या बढ़े हुए मंडलों की तादाद में इन नेताओं के आगाज को ग्रहण लग रहा है। यह स्पष्ट है कि मंडलों की फिरौतियों में भाजपा के बीच, कई धड़े और मंसूबे निकल आए हैं और अगर कांग्रेस निशानों में इस खटपट का उल्लेख करती है, तो भाजपा की किश्ती पर कई 'मांझीराम' सफर कर रहे हैं। कितने हिमाचल के घर में हैं, कितने दिल्ली की मुंडेर पर हैं पंछी, यह गिनती होने लगी है। आखिर एक साथ छह नेताओं का कदमताल यह भी तो ज्ञापित कर रहा है कि भाजपा के रक्त में कांग्रेस का बीज कहां तक छुपा है। भाजपा के लिए कांग्रेस की परवरिश से आ मिले नेताओं के उच्चारण और सियासी मजहब तो स्वीकार करने ही पड़ेंगे। ऐसे में भाजपा की संगठनात्मक शक्ति के नए मंजर पर स्वीकारोक्तियां तो बढेंगी ही और इसी में से एक का गुलदस्ता थामे सुधीर शर्मा, आशीष शर्मा, राजिंद्र राणा, इंद्रदत्त लखनपाल, चैतन्य शर्मा व देवेंद्र भुट्टो अगर जगत प्रकाश नड्डा के उजाले से मिल रहे हैं, तो यह नजारा केवल एक तस्वीर नहीं, बल्कि 'श्वेत एवं श्याम' पत्र भी हो सकता है। नेताओं की इस टोली में केवल भाजपा नहीं और न ही कांग्रेस, बल्कि हिमाचल के कई राजनीतिक संतुलन, संभावना व क्षमता है। माना कि इस बार राजिंद्र राणा पर भाजपा का भीतरघात असर कर गया, लेकिन अगली चौसर में एक अलग पारी बिछेगी। सुधीर शर्मा के मार्फत भाजपा ही नहीं जीती, वहां कांग्रेस सरकार का शिविर हारा है।

# मनमोहन सिंह आर्थिक संकट के दौर में भारतीय अर्थव्यवस्था की प्राण वायु थे : मुख्तार अब्बास

**प्रयागराज ( हिंस )।** भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त किया। प्रयागराज आए भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह आर्थिक संकट के दौर में भारत की अर्थव्यवस्था की प्राण वायु थे। उनके निधन से भारत ने एक दूरदर्शी राजनेता खो दिया, जिसकी भरपाई असंभव है। ईश्वर उन्हें अपने श्री चरणों में स्थान दें। महापौर गणेश केसरवानी ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह ने प्रधानमंत्री के रूप में लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए व्यापक प्रयास किए और राजनीति के अजातशत्रु के रूप में उन्होंने अपनी व्यावहारिक छाप छोड़ी। उनका निधन देश के लिए दुखदाई है। भाजपा महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्रा ने कहा पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने देश की शासन व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया और उनके द्वारा देश के प्रति किए गए कार्य को सदैव याद रखा जाएगा। उनके निधन से भारत ने आर्थिक जगत का सूर्य खो दिया। जिला प्रवक्ता राजेश केसरवानी ने बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन के कारण भारतीय जनता पार्टी ने अपने सभी कार्यक्रम निरस्त कर दिए और उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के होने वाले कार्यक्रम भी निरस्त कर दिए गए। शोक संवेदना व्यक्त करने वालों में भाजपा के वरिष्ठ नेता रामजी केसरवानी, विभूति नारायण सिंह, रमेश पासी, कुंज बिहारी मिश्रा, वरुण केसरवानी, पार्षद किरण जायसवाल, विवेक अग्रवाल, प्रमोद मोदी, राजेश सिंह पटेल, नटवरलाल भारती, राकेश भारती, प्रशांत शुक्ला, देवेंद्र मिश्रा, विवेक मिश्रा, आशुतोष पांडे, आदि सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

## आठ आईपीएस बदले केके राव बने सोनीपत के पुलिस आयुक्त

**चंडीगढ़ ( हिंस )।** हरियाणा सरकार ने प्रदेश में आठ आईपीएस अधिकारियों के तबादला आदेश जारी किए हैं। शुक्रवार को जारी आदेशानुसार आईपीएस अधिकारी सत्येंद्र कुमार गुप्ता को फरीदाबाद का पुलिस आयुक्त लगाया गया है। सत्येंद्र गुप्ता इससे पहले सोनीपत में पुलिस आयुक्त के पद पर तैनात थे। वर्ष 1993 बैच के आईपीएस अधिकारी आईपीएस चावला को पुलिस अकादमी मधुबन करनाल में निदेशक के पद पर तैनात किया गया है। अभी तक रोहतक रेंज में बतौर एडीजीपी कार्यरत आईपीएस केके राव को वर्तमान कार्यभार के साथ-साथ सोनीपत पुलिस आयुक्त की जिम्मेदारी भी दी गई है। आईपीएस अमिताभ ढिल्लों को एडीजीपी स्टेट इंफोर्समेंट ब्यूरो कम विजिलेंस निदेशक का पद दिया गया है।

# सफाई कर्मचारियों की मांगों पर होगा गंभीरता से विचार : कृष्ण कुमार

**फतेहाबाद ( हिंस )।** हरियाणा राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के अध्यक्ष इंजीनियर कृष्ण कुमार ने शुक्रवार को डीपीआरसी हॉल में जिले के सफाई कर्मचारियों के साथ बैठक कर उनकी समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना। सफाई कर्मचारियों को आश्वस्त करते हुए अध्यक्ष इंजी. कृष्ण कुमार ने कहा कि उनकी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किया जाएगा और उन्हें किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं आने दी जाएगी। बैठक के दौरान उन्होंने कहा कि सफाई कर्मियों के प्रति राज्य सरकार का सकारात्मक रूख है और इसी उद्देश्य से उनकी भलाई के लिए यह कमीशन बनाया गया है। इंजी. कृष्ण कुमार ने स्पष्ट किया कि राज्य सफाई कर्मचारी आयोग पंजीकृत संगठनों की ओर से दी गई मांगों पर ही गंभीरता से विचार करेगा। जिससे कि सही मायने में सफाई कर्मचारियों को सरकार से सीधा लाभ मिल सके। बैठक में उन्होंने कर्मचारियों से उनके सामाजिक आर्थिक व शैक्षणिक जीवन एवं ड्यूटी के दौरान आने वाली दिक्कतों की सुनवाई की। उन्होंने सफाई कर्मचारियों से उनसे समय पर वेतन ना मिलना, वर्दी भत्ता ना मिलना, ईपीएफ व ईएसआई आदि से संबंधित शिकायतों की सुनवाई की और अधिकारियों को उन समस्याओं को जल्द से जल्द निपटान करने के निर्देश दिए। लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता करते हुए अध्यक्ष इंजी. कृष्ण कुमार ने निर्देश दिए कि वे अपने-अपने विभाग से संबंधित सफाई कर्मचारियों को मिलने वाली सुविधाओं का लाभ तय समय में दिलवाए। इस दौरान उन्होंने जैविक कचरे का सही से निस्तारण करने के लिए सिविल सर्जन को निर्देश दिए। उन्होंने बैठक में सभी सफाई कर्मचारियों का हैल्थ चैकअप के निर्देश भी स्वास्थ्य विभाग को दिए। उन्होंने सभी सफाई कर्मचारियों को निजी सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराने के लिए निर्देश दिए। उन्होंने शिक्षा विभाग से सफाई कर्मचारियों की डिमांड भेजने के लिए कहा। इसके साथ अध्यक्ष इंजी. कृष्ण कुमार ने सफाई कर्मचारियों के बच्चों को शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने के लिए भी कहा। उन्होंने सफाई कर्मचारियों को स्किल्ड करने के निर्देश भी दिए। इस अवसर पर डीएमसी संजय बिश्नोई, डीडीपीओ अनूप सिंह, जीएम रोडवेज अजय दलाल, एक्सईएन अमित कौशिक, डिप्टी सीएमओ मेजर डॉ. शरद तुली आदि मौजूद रहे।

# राजस्थान के कोटपूतली में पांच दिन बाद भी बोरवेल में फंसी है चेतना, बारिश से बचाव कार्य बाधित

**कोटपूतली ( हिंस )।** राजस्थान के कोटपूतली के किरतपुरा गांव की बड़ियाली की ढाणी में 5 दिन से जारी रेस्क्यू ऑपरेशन में मासूम चेतना (3) को बचाने का प्रयास अभी भी अधूरा है। टीम ने पाइलिंग मशीन से बोरवेल के पैरलल करीब 170 फीट गहरा गड्ढा तो खोद लिया है लेकिन चेतना तक पहुंचने का काम अब भी लंबित है। रेस्क्यू ऑपरेशन में इस्तेमाल की जा रही आधुनिक तकनीकों के बावजूद अब तक कोई सफलता नहीं मिली है। बारिश के कारण भी बचाव कार्य बार-बार बाधित हो रहा है। चेतना 23 दिसंबर को 700 फीट गहरे बोरवेल में 150 फीट पर फंस गई थी। देसी जुगाड़ के जरिए उसे केवल 30 फीट ऊपर लाया जा सका था लेकिन पिछले तीन दिनों से वह 120 फीट की गहराई में फंसी हुई है। करीब 96 घंटे से भूखी-प्यासी चेतना की हालत को लेकर अधिकारी कुछ भी स्पष्ट नहीं बता रहे हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन का नेतृत्व कर रहे एनडीआरएफ इंचार्ज योगेश कुमार मीणा ने बताया कि बारिश की वजह से ऑपरेशन बार-बार बाधित हो रहा है। अब 170 फीट गहरे गड्ढे में पाइप वेल्डिंग का काम पूरा कर रैट माइनर्स को उतारने की तैयारी की जा रही है। उन्होंने बताया कि 100 टन क्षमता की हाइड्रा मशीन मंगवाई गई है। क्योंकि, पहले वाली मशीन वजन सहन नहीं कर पा रही थी। वेल्डिंग और फार्मा केसिंग के बाद मैन्युअल टनल बनाने का काम शुरू होगा लेकिन यह प्रक्रिया जोखिम भरा और समय लेने वाली है। कोटपूतली-बहरोड़ की जिलाधिकारी कल्पना अग्रवाल ने बताया कि रेस्क्यू ऑपरेशन में बारिश और गहराई में पत्थर की परत से लगातार मुश्किलें आ रही हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि बच्ची को जल्द से जल्द बचाने की पूरी कोशिश की जा रही है। उन्होंने बताया कि नई मशीनों के जरिए गड्ढे की खुदाई के बाद रैट माइनर्स को पाइप के जरिए नीचे उतारा जाएगा। वे 20 फीट की सुरंग खोदकर चेतना तक पहुंचने की कोशिश करेंगे। हालांकि, यह काम काफी जोखिम और सटीकता का है, जिसमें समय लग सकता है। उधर, रेस्क्यू में देरी को लेकर प्रशासन के खिलाफ ग्रामीणों और परिवार के सदस्यों में नाराजगी बढ़ रही है। चेतना की मां बेहोशी की हालत में है। परिवार के अन्य सदस्यों का भी रो-रोकर बुरा हाल है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस घटना पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए प्रदेशभर में खुले बोरवेल बंद करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बीते गुरुवार को सड़क सुरक्षा की समीक्षा बैठक में बोरवेल हादसों के लिए जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों पर कड़ी कार्रवाई करने को कहा। साथ ही यह भी स्वीकार किया कि 14 साल पहले जारी की गई गाइडलाइन को लागू करने में अधिकारियों ने लापरवाही बरती।

# केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने काजरी को बताया किसानों का महातीर्थ : काजरी देख हुए अभिभूत

**जोधपुर ( हिंस )।** केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान (काजरी) को महातीर्थ बताते हुए कहा कि यहां वर्षा कम होती है। यहां की मिट्टी का अपना प्रकार और समस्याएं है। कम पानी और ऐसी जलवायु में किसान कैसे फसल उगाएं, जो प्रयोग किए गए वे अद्भुत है। वे शुक्रवार को काजरी भ्रमण पर मीडिया से बातचीत कर रहे थे। शिवराजसिंह ने कहा कि बेर की जो क्वालिटी डवलप की है, बेर, खजूर, जीरा आदि हो एवरेज 200 मिलीमीटर बारिश में किसान कैसे फसल उत्पादन बढ़ा सकते है ऐसे अनेकों प्रयोग काजरी में हुए है। किसानों के इस तीर्थ में वे आए है। भारत में कई तरह भौगोलिक जोन है। कहीं काली, कहीं काली मिट्टी तो है तो हमें अनेकों प्रयत्न करने पड़ते है। अलग-अलग जलवायु क्षेत्रों के लिए ताकि किसान खेती कर सकें। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि मैं खुद कृषिमंत्री के साथ किसान भी हूं, हमारी कोशिश रहती है कि किसानों को फसल की लागत कैसे दाम दें कैसे लागत बढ़ाए। काजरी जैसे संस्थान इसमें बहुत महत्वपूर्ण योगदान देते है। इससे पहले केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह सुबह उम्मेद भवन से रवाना होकर काजरी परिसर पर पहुंचे। यहां पर काजरी परिसर का अवलोकन कर अभिभूत हुए। काजरी निदेशक ओपी यादव ने उन्हें अन्य अधिकारियों के साथ काजरी का भ्रमण करवाया। काजरी निदेशक यादव ने उनकी अगवानी की। राष्ट्रीय स्तर के कृषि अनुसंधान केंद्र काजरी के बारे में निदेशक ओपी यादव ने विस्तार से जानकारी दी। बेर से लेकर अनार में अन्य फसलों के बारे में जानकारी उन्हें दी गई। शहर विधायक अतुल भंसाली, भाजपा नेता छेलाराम सारण भी उनके साथ रहे।

# निकाय चुनाव से जुड़े कर्मचारियों के तबादलों पर रोक

**चंडीगढ़ ( हिंस )।** हरियाणा सरकार ने निकाय चुनाव के मद्देनजर अधिकारियों और कर्मचारियों के स्थानांतरण पर रोक लगा दी है। मतदाता सूचियों को अंतिम रूप देने में जुटे कर्मचारियों व अधिकारियों के तबादले आपात स्थिति में राज्य चुनाव आयोग से अनुमति के बाद ही हो सकेंगे। मुख्य सचिव कार्यालय की राजनीतिक शाखा ने शुक्रवार को इस संबंध में सभी प्रशासनिक सचिवों, विभागाध्यक्षों, बोर्ड-निगमों के प्रबंध निदेशक, मंडलायुक्त और उपायुक्तों को निर्देश जारी कर दिए हैं। प्रदेश में पंचकूला, रेवाड़ी, पानीपत और चरखी दादरी को छोड़कर शेष 18 जिलों में जल्द ही 34 निकायों के चुनाव होने हैं। पहले चरण में गुरुग्राम, फरीदाबाद, मानेसर नगर निगम में मेयर और पार्षद के आम चुनाव तथा अंबाला और सोनीपत में मेयर के उपचुनाव कराए जाएंगे। नगर परिषदों में अंबाला छावनी, पटौदी और सिरसा में अध्यक्ष और पार्षदों के चुनाव होंगे। इसी तरह बराड़ा, बवानीखेड़ा, लोहारू, सिवानी, फर्रुखनगर, जाखल मंडी, नारनौंद, बेरी, जुलाना, कलायत, पूंडरी, इंद्री, नीलोखेड़ी, अटेली मंडी, कनीना, तावडू, हथीन, कलानौर, खरखौदा और रादौर नगर पालिका के अध्यक्ष और पार्षद के चुनाव होने हैं। यहां चुनाव 14 फरवरी तक करा लिए जाएंगे। कालांवाली नगर पालिका का केस अदालत में चल रहा है, इसलिए वहां बाद में चुनाव कराए जाएंगे। इसी तरह थानेसर नगर परिषद का चुनाव भी बाद में होगा। पांच नगर निगमों करनाल, पानीपत, हिसार, रोहतक और यमुनानगर में चुनाव दूसरे चरण में कराए जाएंगे।

# चौमूं बस हादसे पर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर का सख्त रुख, एफआईआर और परमिट जांच के आदेश

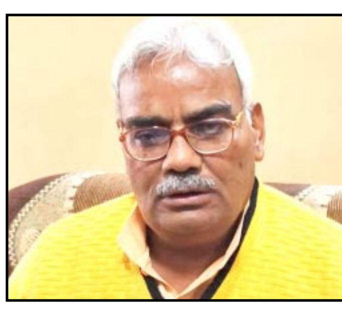

**जयपुर ( हिंस )।** चौमूं के एनएच 52 भोज लावा कट के पास हुए बस हादसे में आधा दर्जन से अधिक बच्चों के घायल होने की सूचना को गंभीरता से लेते हुए शिक्षा और पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। जानकारी के अनुसार, यह बस चौमूं के सारांश करियर इंस्टीट्यूट की थी, जो करीब 20 से 30 विद्यार्थियों को लेकर जा रही थी। हादसे में एक शिक्षक आनंदी लाल की मौत हो गई, जबकि एक बच्चे का हाथ फ्रैक्चर हो गया। शिक्षा मंत्री ने कहा कि शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों के प्रति इस तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी, और संस्थानों को विद्यार्थियों की सुरक्षा के प्रति गंभीर होना चाहिए। मदन दिलावर ने शासन सचिव शिक्षा कृष्ण कुणाल को संस्था के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए हैं। हादसे के बाद शिक्षा मंत्री ने प्रदेश के सभी निजी स्कूलों और कोचिंग संस्थानों में संचालित बाल वाहिनियों के परमिट की जांच करने के निर्देश भी दिए हैं। मंत्री दिलावर ने आयुक्त परिवहन विभाग को निर्देश दिए हैं कि राजस्थान में संचालित सभी निजी विद्यालयों और कोचिंग संस्थानों में विद्यार्थियों के आवागमन के लिए उपयोग में ली जा रही बसों, टेंपो, टैक्सी और बाल वाहिनियों के परमिट और फिटनेस की वैधता की जांच अभियान चलाकर जल्द सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही अनफिट वाहनों के खिलाफ विधि अनुसार कार्यवाही की जाए। शिक्षा मंत्री ने निदेशक माध्यमिक एवं प्रारंभिक शिक्षा बीकानेर को निर्देश दिए हैं कि राजस्थान में सभी निजी विद्यालयों और कोचिंग संस्थानों में विद्यार्थियों के आवागमन के लिए उपयोग की जा रही वाहनों के परमिट और फिटनेस की वैधता के कागजात संबंधित मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में एक जनवरी 2025 तक अनिवार्य रूप से जमा करने के आदेश जारी किए हैं।

# अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई रिपोर्ट करें पेश, वरना कलेक्टर हाजिर होकर दें जवाब

**जयपुर ( हिंस )।** राजस्थान हाईकोर्ट ने दौसा जिले की लोटवाड़ा ग्राम पंचायत में चारागाह जमीन पर अतिक्रमण के मामले में जिला कलेक्टर को शपथ पत्र पेश कर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई का ब्यौरा देने को कहा है। ऐसा नहीं करने पर अदालत ने 10 जनवरी को कलेक्टर को हाजिर होकर इस संबंध में अपना जवाब देने को कहा है। सीजे एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस उमाशंकर व्यास की खंडपीठ ने यह आदेश कैलाश चंद की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि साल 2021 में इस भूमि से अतिक्रमियों को बेदखल करने के आदेश दिए गए थे, लेकिन अधिकारियों ने उसे ठंडे बस्ते में डाल दिया। वहीं अदालत की ओर से रिपोर्ट मांगने पर 9 दुकानों को सील कर 2 दुकानों के अतिक्रमण को हटाया गया। अदालत ने इस बात पर भी आश्चर्य जताया कि ग्राम पंचायत की ओर से अतिक्रमियों का संरक्षण किया जा रहा है, जबकि यह पंचायत का काम नहीं है।

# जींद में बोले भाजपा अध्यक्ष, सदमे से बाहर नहीं निकली कांग्रेस

**जींद ( हिंस )।** भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बडोली ने कहा कि हरियाणा में 50 लाख सदस्य बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। अबतक 40 लाख से ज्यादा सदस्य बन चुके हैं। पचास हजार सक्रिय सदस्य बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। तीस हजार सक्रिय सदस्य बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा एक लोकतांत्रिक पार्टी है और लोकतंत्र में उसका पूरा विश्वास है। भाजपा में हर कार्यकर्ता के हित सुरक्षित है और वह निश्चित तौर पर सबसे ऊंचे पायदान पर जा सकता है जबकि दूसरी पार्टियों में इस प्रकार की व्यवस्था नहीं है। बडौली शुक्रवार को भाजपा युवा मोर्चा की बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इस मौके पर भाजपा के जिला अध्यक्ष तेजेंद्र ढुल भी मौजूद रहे। बड़ौली ने कहा कि नगर निगम और नगर निकाय संस्थाओं के चुनाव पार्टी सिंबल पर लड़ने का फैसला चुनाव की घोषणा के बाद कोर कमेटी की बैठक में किया जाएगा। पहले यह चुनाव पार्टी सिंबल पर लड़े जाते रहे हैं और इस बार भी ऐसा ही फैसला किया जा सकता है। मोहनलाल बडोली ने कहा कि पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा और पूरी कांग्रेस वर्तमान में बेहोशी की हालत में है। उन्हें किसी अच्छे डॉक्टर से सलाह करके अपना इलाज करवाना चाहिए। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने भर्ती रोको गैंग बनाया हुआ है।

# जयपुर में बारिश, दिन में ही छाया अंधेरा, हवा के साथ बारिश से बढ़ी सर्दी

**जयपुर ( हिंस )।** पश्चिम विक्षोभ के प्रभाव से शुक्रवार को जयपुर सहित करीब एक दर्जन से अधिक शहरों में हल्की से मध्यम बारिश हुई। मावठ से रबी की फसलों को नया जीवन मिला है। इससे किसानों के चेहरे खिल उठे। सीकर, हनुमानगढ़ और झुंझुनूं में ओलावृष्टि हुई। हनुमानगढ़ में माउंट आबू का नजारा नजर आया। बारिश के साथ यहां पर जोरदार ओलावृष्टि हुई। खेतों में ओलों की चादर बिछ गई। ओलावृष्टि से सीकर, हनुमानगढ़ और झुंझुनूं में रबी की फसलों को नुकसान पहुंचा है। पश्चिम राजस्थान के साथ शेखावाटी में सुबह घना कोहरा नजर आया। विजिबिलिटी कम रहने से वाहन चालकों को लाइट जलानी पड़ी। मौसम विभाग केंद्र के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि 28 दिसंबर को कोटा, भरतपुर संभाग में कहीं-कहीं हल्की बारिश होने व शेष अधिकांश भागों में मौसम मुख्यत: शुष्क रहने की संभावना है। 29 दिसंबर से मौसम शुष्क होगा तथा कहीं-कहीं घना कोहरा छाए रहने व तापमान में गिरावट होने की संभावना है। गुरुवार को राज्य में मेघगर्जन के साथ कहीं कहीं हल्की से मध्यम वर्षा दर्ज की गई। गुरुवार को राज्य में सर्वाधिक बारिश नीम का थाना सीकर में 25 मिलीमीटर दर्ज की गई। वहीं शुक्रवार को राज्य में कहीं कहीं पर घना कोहरा दर्ज किया गया तथा कहीं कहीं पर अति घना कोहरा दर्ज किया गया । 5.4 डिग्री के साथ चूरू की रात सबसे सर्द रही। वहीं 28.2 डिग्री के साथ बारां का दिन और 17.8 डिग्री के साथ डूंगरपुर की रात सबसे गर्म रही। शुक्रवार को प्रदेश के 14 शहरों में बारिश दर्ज की गई। जयपुर, अजमेर, भीलवाड़ा, टोंक, अलवर, पिलानी, सीकर, कोटा, चित्तौड़गढ़, उदयपुर, श्रीगंगानगर, संगरिया, फतेहपुर और माउंट आबू में बारिश हुई। सबसे ज्यादा बारिश अजमेर में 20 मिमी दर्ज की गई। इसके अलावा संगरिया में 18, भीलवाड़ा में 16, सीकर में 13, पिलानी में 5.2, जयपुर में 5.2, डबोक 2.4, चित्तौ ?गढ़ में 2 सहित अन्य स्थानों पर बारिश दर्ज की गई। राजस्थान में वेस्टर्न डिस्टेंस एक्टिव होने के साथ ही बारिश का सिलसिला शुरू हो गया है। बारिश-कोहरे के कारण के कारण जनजीवन प्रभावित हो रहा है। शुक्रवार को बीकानेर के श्रीडूंगरगढ़ में धुंध के कारण ट्रक-कंटेनर की भिड़ंत में दो की मौत हो गई। जबकि उदयपुर में कोहरे के कारण तीन फ्लाइट के डायवर्ट किया गया है। शुक्रवार को प्रदेश के उदयपुर में बारिश के बाद विजिबिलिटी काफी कम हो गई। इसकी वजह से जयपुर से उदयपुर गई फ्लाइट में मौजूद लगभग 70 पैसेंजर्स को लगभग डेढ़ घंटे तक लैंडिंग का इंतजार करना पड़ा। इसके बाद भी जब मौसम साफ नहीं हुआ। तो फ्लाइट को फिर से जयपुर डाइवर्ट करना पड़ा। जयपुर उदयपुर फ्लाइट के साथ ही दिल्ली और मुंबई से उदयपुर जाने वाली की दो अन्य फ्लाइट को भी खराब मौसम की वजह से जयपुर एयरपोर्ट पर डायवर्ट किया गया। इसकी वजह से बड़ी संख्या में पैसेंजर्स को जयपुर एयरपोर्ट पर परेशान होना पड़ा। जयपुर से इंडिगो की फ्लाइट 6ई -7465 सुबह 6:55 पर उदयपुर के लिए रवाना हुई थी। जिसे 7 बजकर 55 मिनट पर उदयपुर एयरपोर्ट पर लैंड करना था। लेकिन उदयपुर में खराब मौसम की वजह से फ्लाइट लगभग डेढ़ घंटे तक लैंड नहीं हो पाई। इस दौरान फ्लाइट में मौजूद लगभग 70 पैसेंजर्स परेशान होते रहे। इसके बाद पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल यूनिट से संपर्क कर फ्लाइट को एक बार फिर जयपुर डाइवर्ट करने की अनुमति मांगी और लगभग 9 बजकर 30 मिनट पर फ्लाइट को फिर से जयपुर लैंड किया गया। उदयपुर से मुंबई से उदयपुर फ्लाइट 6ई-5038, दिल्ली से उदयपुर फ्लाइट 6ई-2103 और जयपुर से उदयपुर फ्लाइट 6ई-7465 को जयपुर डायवर्ट किया गया। जयपुर में गुरुवार देर रात से शुरू हुआ बारिश का दौर शुक्रवार को दिनभर रुक-रुक चलता रहा। काले घने बादलों के चलते जयपुर में दिन में ही अंधेरा छा गया। जयपुर में शुक्रवार को सुबह रिमझिम तो दोपहर बाद करीब तीन घंटे तक मध्यम बारिश का दौर देखने को मिला। बारिश का सिलसिला देर शाम तक चलता रहा। बारिश से जयपुर का यातायात भी प्रभावित हुआ। सड़कों पर पानी भरने से कई स्थानों जाम के हालात नजर आए। जयपुर में करीब 5.2 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। बारिश और हवाओं के चलते जयपुर के पारे में गिरावट दर्ज की गई। सर्दी से बचने के लिए लोग गर्म कपड़ों में लिपटे नजर आए। जयपुर के दिन के पारे में तीन डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। जयपुर का अधिकतम तापमान 18.8 और न्यूनतम तापमान 16 डिग्री दर्ज किया गया। रात के पारे में 3 डिग्री का उछाल दर्ज किया गया। जयपुर में गुरुवार रात से शुरू हुए बारिश के दौर के चलते शुक्रवार को खाने-पीने की दुकानों पर लोग उमड़ पड़े। वहीं चाय और चाट-पकौडी की दुकानों पर ज्यादा भीड़ नजर आई। बारिश के चलते लोगों ने घरों में पकवान बनाकर खाने का आनंद लिया।

# सनातनी धारा के इस महाकुंभ में हम करेंगे गिलहरी जैसा प्रयास : स्वामी विद्या चेतन

**प्रयागराज ( हिंस )।** मुख्य सनातनी धारा के इस महाकुंभ के दौरान लोगों को अस्था एवं अध्यात्म से जोड़कर हम भी गिलहरी जैसा प्रयास करेंगे। यह बात शुक्रवार को मीडिया से वार्ता करते हुए अंतर्राष्ट्रीय सनातन धर्म सस्थान कैंप श्री श्याम परिवार महासंघ (भारत) के नंद किशोर शर्मा नंदी महाराज एवं महामंडलेश्वर स्वामी विद्या चेतन महाराज ने कहा। उन्होंने बताया कि महाकुंभ क्षेत्र के सेक्टर 19 नं.01 शंकराचार्य चौराहा मोरी मार्ग पर स्थित अंतर्राष्ट्रीय सनातन धर्म संस्थान कैंप श्री श्याम परिवार महासंघ (भारत) 11 जनवरी से 12 फरवरी माघ पूर्णिमा शाही स्नान पर्व तक खाटू-धाम नाम से पावन धाम सजाया एवं संवारा जाएगा। उन्होंने बताया कि धाम में संत सेवा, संत भोजन, अन्न क्षेत्र एवं रूद्री सेवाएं रहेंगी, जिसमें प्रेमी जन सुसंस्कारों की फसल उगा सकेंगे। खाटू-धाम शिविर में आवास व्यवस्था, भोजन व्यवस्था, चिकित्सा व्यवस्था लगभग हर सुविधा उपलब्ध रहेगी। शिविर में बाबा श्याम का दरबार नित नए-नए रूप से सजाया जाएगा एवं संकीर्तन होगा जहां राष्ट्र के अलग-अलग भजन प्रवाहकों द्वारा रिझाया जाएगा एवं समर्पित, अनुभवी कथा वाचकों द्वारा श्री श्याम कथा, शिव पुराण कथा, राम कथा, भागवत कथा, कथाओं का वाचन किया जाएगा। भक्ति एवं शक्ति के दाता बजरंग बली का सुंदरकांड पाठ का वाचन भी होगा। संस्था के मुख्य संयोजक नरेश बेरीवाला एवं अध्यक्ष राम कुमार अग्रवाल ने अपील किया है कि बाबा श्याम प्रेमी प्रयागराज के पावन रेती पर बस रहे पवित्र पावन खाटू-धाम शिविर में आकर कथा श्रवण करें, सुंदर कांड एवं भजनों से बहने वाली ज्ञान भक्ति की अविरल रसधारा के डुबकी लगाने से सुअवसर का लाभ लेवें। यह जानकारी शिविर संयोजक नरेश बेरीवाला, अंकित अग्रवाल, टिल्लूज मित्तल, मनीष अग्रवाल आदि कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे।

## संभल में जामा मस्जिद के सामने पुलिस चौकी निर्माण का कार्य शुरू, बढ़ाई गई सुरक्षा

**संभल ( हिंस )।** उत्तर प्रदेश के संभल जिले में विगत 24 नवंबर को शाही जामा मस्जिद और हरिहरनाथ मंदिर विवाद को लेकर हुए सर्वे के दौरान भड़की हिंसा को लेकर जिला प्रशासन ने बड़ा फैसला किया है। इस विवादित शाही जामा मस्जिद के सामने खाली पड़ी जमीन पर शुक्रवार से नई पुलिस चौकी का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया। निर्माण कार्य के मद्देनजर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीचंद्र ने पत्रकारों को बताया कि जुम्मे की नमाज के बाद पुलिस चौकी के लिए जमीन को चिह्नित कर नापी की गई। इसके बाद नींव की खुदाई के साथ ही पुलिस चौकी का निर्माण कार्य शुरू हो गया। उन्होंने बताया कि सुरक्षा की दृष्टि से इस जगह पर पुलिस चौकी बनाने का फैसला लिया गया है। जामा मस्जिद के सामने बनाई जाने वाली इस पुलिस चौकी का नाम भी तय कर लिया गया है।

# शोक सभा आयोजित कर डॉ. मनमोहन सिंह को दी श्रद्धांजलि

**भागलपुर ( हिंस )।** भारत में उदार आर्थिक नीति के जनक, प्रख्यात अर्थशास्त्री एवं भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के आकस्मिक निधन पर शुक्रवार को भागलपुर के विधायक अजीत शर्मा के निवास स्थित कांग्रेस के कैंप कार्यालय में एक शोक सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विधायक श्री शर्मा सहित उपस्थित कांग्रेसजनों ने उनके तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर एवं दो मिनट मौन रखकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित किया। इस अवसर पर विधायक श्री शर्मा ने उपस्थित कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि उनके निधन से भारत ने एक महान अर्थशास्त्री, भारतीय राजनीति में उदारीकरण के जनक को खो दिया है, जिसकी पूर्ति कतई संभव नही है। उन्होने विभिन्न मंत्रालयों के आर्थिक सलाहकार, प्रधानमंत्री के मुख्य आर्थिक सलाहकार, भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर, भारत के वित्त मंत्री, योजना आयोग के उपाध्यक्ष एवं प्रधानमंत्री के रूप में देश की अविस्मरणीय सेवा की है। उन्होंने अपने अद्धितीय ज्ञान और नेतृत्व क्षमता से भारत की अर्थव्यवस्था को नई उचाईयों पर पहुंचाया। उनके कुशल नेतृत्व के बदौलत ही आज भारत दुनियां की एक आर्थिक रूप से मजबूत राष्ट्र के रूप में स्थापित हुआ है। अपने प्रधानमंत्रीत्व काल में उन्होंने मनरेगा, सूचना का अधिकार, शिक्षा का अधिकार जैसी योजनाओं की शुरुआत कर राष्ट्र निर्माण में आम लोगों की भूमिका को सुनिश्चित किया। कांग्रेस पार्टी ने उनके निधन से एक अभिभावक और मार्गदर्शक को सदा के लिए खो दिया है। उन्हें देश में आर्थिक सुधारों के जनक के रूप में सदैव याद किया जाएगा। उदारीकरण की ऐतिहासिक पहल से लेकर देश के हर वर्ग के उत्थान के लिए उनके प्रयास सदैव याद किए जाएंगे। उनकी सदगी, विनम्रता, कर्मठता और देश के लिए उनके दिए गए योगदान से आने वाली पीढ़ी और कांग्रेस कार्यकर्ताओं का सदा पथ प्रदर्शित करता रहेगा। उनके निधन से भारतीय राजनीति में एक शून्यता उत्पन्न हो गई है, जिसकी भरपाई असंभव है।

# डॉ. मनमोहन सिंह ने 1991 के ऐतिहासिक बजट में किए थे कई बड़े ऐलान

नई दिल्ली

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का गुरुवार रात को 92 साल की आयु में निधन हो गया। डॉ. सिंह न केवल प्रधानमंत्री रहे, बल्कि वित्त मंत्री के रूप में भी काम किया। उनके नाम पर कई बड़ी उपलब्धियां हैं, जब देश 90 के दशक में आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहा था, तब बतौर वित्त मंत्री उन्होंने कई बड़े फैसले लिए, जिन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था की तस्वीर बदल दी। आर्थिक उदारीकरण में उनका विशेष योगदान रहा है।

आर्थिक सुधारों के जनक डॉ. सिंह को 1991 के अपने उस ऐतिहासिक केंद्रीय बजट की व्यापक स्वीकृति सुनिश्चित करने के लिए अग्नि परीक्षा का सामना करना पड़ा था, जिसने देश को अपने सबसे खराब वित्तीय संकट से उबारा था। भारत के आर्थिक सुधारों के शिल्पकार डॉ. सिंह ने 1991 के ऐतिहासिक केंद्रीय बजट को मंजूर करवाने के लिए काफी संघर्ष किया था। यह वही बजट था, जिसने भारत को सबसे गंभीर वित्तीय संकटों से उबारते हुए नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया।

पार्टी के दबाव में डॉ. सिंह ने उर्वरक की कीमतों में 40 फीसदी वृद्धि को घटाकर 30 फीसदी करने पर सहमति दी, लेकिन एलपीजी और पेट्रोल की कीमतों में वृद्धि को जस का तस रखा। वर्ष 1991 का यह बजट और इसके बाद का घटनाक्रम न केवल भारत की वित्तीय स्थिरता का आधार बना, बल्कि इसने यह साबित किया कैसे मुश्किल परिस्थितियों में दूरदर्शिता और दृढ़ता से एक नई दिशा तय की जा सकती है।

## न्यूज ब्रीफ

### ममता मशीनरी का शेयर अपने निर्गम मूल्य से 147 प्रतिशत उछाल के साथ सूचीबद्ध

MAMATA MACHINERY

**नई दिल्ली।** पैकेजिंग मशीन बनाने वाली कंपनी ममता मशीनरी का शेयर अपने निर्गम मूल्य 243 से करीब 147 प्रतिशत उछाल के साथ शुक्रवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर कंपनी का शेयर 146.91 प्रतिशत की बढ़त के साथ 600 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। इसके बाद यह 159.23 प्रतिशत चढ़कर 629.95 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर इसने 600 रुपये पर शुरुआत की। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 1,550.17 करोड़ रुपये रहा। ममता मशीनरी के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को पेशकश के पिछले सोमवार तक कुल 194.95 गुना अभिदान मिल था। कंपनी के 179 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए मूल्य दायरा 230-243 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था। आईपीओ पूरी तरह से बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित था। ममता मशीनरी पैकेजिंग उद्योग के लिए विनिर्माण समाधान प्रदान करती है। कंपनी अपनी मशीनें 'वेगा' और 'विन' ब्रांड नामों के तहत बेचती है ।

### कोयला सेक्टर में 2025 में अनेक गतिविधियां की संभावना, गैसीकरण क्षेत्र में भी सरकार अधिक काम करने की बना रही योजना

**नई दिल्ली।** कोयला सेक्टर में आगामी वर्ष 2025 में भारत में कई महत्वपूर्ण गतिविधियां होने की संभावना है। इसमें सरकार की कोल एक्सचेंज की शुरुआत सहित अनेक पहल सम्मिलित हैं। कोयले के व्यापार को सुगम बनाने के लिए एक कोल एक्सचेंज की शुरुआत की जा रही है, जिससे अर्थव्यवस्था की मांग पूरी की जा सके। कोयला गैसीकरण क्षेत्र में भी सरकार अधिक काम करने की योजना बना रही है, क्योंकि यह ऊर्जा बदलाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कोयले की मांग के बढ़ने के साथ, कोयले अतिरिक्त सचिव ने बताया कि सरकार कोयले के उत्पादन को बढ़ाने के लिए प्रयासरत है। सार्वजनिक क्षेत्र की खदानों में उत्पादन दर में उत्कृष्ट वृद्धि की गई है। उम्मीद है कि 2025 में इस वृद्धि जारी रहेगी। विभिन्न स्रोतों से बिजली की मांग में वृद्धि के कारण, थर्मल कोयले का उत्पादन संभावित है कि 8-10 प्रतिशत बढ़े। यह वृद्धि निजी खदानों द्वारा संचालित होने की उम्मीद है। कोयले के सेक्टर में इन गतिविधियों की संभावना से विभिन्न क्षेत्रों में विकास की सामर्थ्य बढ़ेगी और देश की अर्थव्यवस्था मिलकर मजबूत होगी।

### पेट्रोल 95 और डीजल 88 रुपए लीटर, ब्रेंट क्रूड का भाव फिसलकर 73.19 डॉलर प्रति बैरल

**नई दिल्ली।** वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार उतार चढ़ाव देखा जा रहा है। जिसका सीधा असर पेट्रोल-डीजल पर पड़ता है। वैश्विक बाजार में शुक्रवार को कच्चे तेल की कीमतों में मामूली गिरावट देखने को मिली है, जिसके बाद देश के कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कमी आई है। हालांकि, दिल्ली-मुंबई जैसे शहरों में तेल के दाम स्थिर बने हुए हैं। शुक्रवार को सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी किए गए नए भाव के अनुसार यूपी के गौतमबुद्ध नगर जिले में पेट्रोल 34 पैसे सस्ता होकर 94.71 रुपए लीटर बिक रहा है। जबकि डीजल भी 38 पैसे गिरा और 87.81 रुपए लीटर पहुंच गया है। वहीं बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 58 पैसे गिरावट के साथ 105.53 रुपए लीटर तो डीजल 55 पैसे टूटकर 92.37 रुपए लीटर बिक रहा है। इसके साथ ही जम्मू-कश्मीर की राजधानी श्रीनगर में भी पेट्रोल 7 पैसे गिरकर 99.64 रुपए लीटर हो गया, जबकि डीजल 6 पैसे टूटकर 84.82 रुपए लीटर हो गया है। कच्चे तेल की कीमतों में भी मामूली गिरावट दिख रही है। ब्रेंट क्रूड का भाव फिसलकर 73.19 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई भी बढ़त के साथ 69.57 डॉलर प्रति बैरल हो गया है।

# ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत एशियाई बाजारों में तेजी का रुख

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान सांकेतिक गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में छुट्टी होने की वजह से पिछले सत्र के दौरान कोई कारोबार नहीं हुआ। वहीं एशियाई बाजारों में आमतौर पर मजबूती नजर आ रही है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान सीमित दायरे में कारोबार होता रहा। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.04 प्रतिशत की मामूली कमजोरी के साथ 6,037.59 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 0.02 प्रतिशत टूट कर 20,027.75 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.16 प्रतिशत की गिरावट के साथ 43,257.35 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

एशियाई बाजारों में आमतौर पर खरीदारी का रुख बना हुआ है। एशिया के 9 बाजारों में से 7 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 2 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। कोस्पी इंडेक्स बड़ी गिरावट का शिकार हो गया है। फिलहाल ये सूचकांक 1.45 प्रतिशत टूट कर 2,394.56 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.13 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,056.45 अंक के स्तर तक गिर गया है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 158 अंक यानी 0.66 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,022 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.26 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,771.13 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। निक्केई इंडेक्स ने जोरदार छलांग लगाई है।

फिलहाल ये सूचकांक 1.69 प्रतिशत की तेजी के साथ 40,235.29 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा हैंग सेंग इंडेक्स 0.12 प्रतिशत की बढ़त के साथ 20,121.80 अंक के स्तर पर, ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.32 प्रतिशत की मजबूती के साथ 23,320.72 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.19 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,400.47 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.29 प्रतिशत उछल कर 3,407.89 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

# एनटीपीसी आरईएल की सादला सौर परियोजना से 37.50 मेगावाट वाणिज्यिक आपूर्ति शुरू

नई दिल्ली

एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड ने गुजरात के सादुला में स्थित सौर पीवी परियोजना की 200 मेगावाट क्षमता में से 37.50 मेगावाट की वाणिज्यिक आपूर्ति शुरू कर दी है।

यह एक महत्वपूर्ण कदम है जो एनटीपीसी की स्थापित और वाणिज्यिक क्षमता को 76,598.18 मेगावाट तक पहुँचा देता है। एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के माध्यम से गुजरात में स्थित सादुला परियोजना के 37.50 मेगावाट की नई क्षमता का वाणिज्यिक आपूर्ति शुरू होने के साथ ही एनटीपीसी का लक्ष्य है 2032 तक 50 प्रतिशत गैर-जीवाश्म ईंधन पर आधारित बिजली उत्पादन क्षमता हासिल करना।

**एनटीपीसी का लक्ष्य 2032 तक 50 प्रतिशत गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित बिजली उत्पादन क्षमता हासिल करना**

उनका और एक लक्ष्य है 2032 तक 60 गीगावाट अक्षय ऊर्जा क्षमता हासिल करना। एनटीपीसी के इस कदम से एनटीपीसी के एक अधिकारी ने कहा कि हमारा लक्ष्य है पर्यावरण को सुरक्षित बनाने और मानव समुदाय को उचित ऊर्जा उपलब्ध कराने के लिए अधिक सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता हासिल करना। इसके साथ ही उन्होंने इस समाधान को भी साझा किया कि उनका लक्ष्य है भारत को स्वच्छ और सस्ती ऊर्जा प्रणाली प्रदान करना।

एनटीपीसी अपने प्रयासों के माध्यम से भारत का ऊर्जा स्वावलंबन बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। इस कदम से एनटीपीसी ने अक्षय ऊर्जा और पर्यावरण संरक्षण के मामले में एक अच्छी दिशा में कदम रखा है।

# डॉ. अरुणीश चावला ने संभाला वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग में सचिव पद

नई दिल्ली

**वरिष्ठ आईएएस डॉ. अरुणीश चावला ने वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग के सचिव पद का कार्यभार संभाल लिया।**

कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने बुधवार को एक अधिसूचना में डॉ. अरुणीश चावला को राजस्व सचिव नियुक्त किया। अधिसूचना के अनुसार नियमित पदाधिकारी की नियुक्ति होने तक वह संस्कृति मंत्रालय के सचिव का अतिरिक्त प्रभार भी संभालेंगे। चावला 1 नवंबर, 2023 से रसायन और उर्वरक मंत्रालय में फार्मास्यूटिकल्स विभाग में सचिव के रूप में कार्यरत हैं। बिहार कैडर के 1992 बैच के आईएएस अधिकारी चावला ने लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से अर्थशास्त्र में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की है। उन्होंने पटना मेट्रो रेल परियोजना के प्रबंध निदेशक के रूप में कार्य किया है। वे आर्थिक मामलों के विभाग के माध्यम से विदेशी कार्यभार पर अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में वरिष्ठ अर्थशास्त्री, वाशिंगटन डीसी में भारतीय दूतावास में मंत्री (आर्थिक) और वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग में संयुक्त सचिव के रूप में भी कार्य किया है।

# एयर इंडिया में बदलाव के प्रयास: कैंपबेल विल्सन

**कंपनी में 2025 तक विभिन्न प्रमुख पहलों पर प्रगति देखने को मिलेगी**

नई दिल्ली

एयर इंडिया के प्रमुख कैंपबेल विल्सन ने शुक्रवार को एक बड़ा आलोचनात्मक बयान जारी किया, जिसमें उन्होंने दावा किया कि कंपनी में 2025 तक विभिन्न प्रमुख पहलों पर प्रगति देखने को मिलेगी। इसके अंतर्गत चौड़े तथा छोटे आकार के विमानों की मरम्मत भी शामिल है। ताजा सूचनाओं के अनुसार, टाटा समूह ने एयर इंडिया को हाल ही में खरीदा और अब कंपनी को पटरी पर लाने के लिए महत्वाकांक्षी परिवर्तन योजना पर काम कर रहा है।

जिसके तहत इसने हाल ही में 100 विमानों के लिए भी ऑर्डर दिया है। विल्सन ने कर्मचारियों को 2024 में होने वाली महत्वपूर्ण उपलब्धियों के बारे में संदेश दिया और कहा कि हमारा उद्देश्य है कि एयर इंडिया 2024 में प्रमुख परिवर्तनों में एक अग्रणी भूमिका निभाएगा। इस समय कंपनी का वित्त भी मजबूत है, वहीं एयर इंडिया के विमानों का कारोबार पिछले वर्ष से 23.69 फीसदी बढ़कर 38,812 करोड़ रुपये हो गया है। विल्सन ने अपने विचारों में यह भी कहा कि कंपनी के आने वाले वर्ष में अपनी कार्यप्रणाली को सुदृढ़ बनाकर मुनाफे में आने की कोशिश की जाएगी।

# सर्राफा बाजार में लगातार दूसरे दिन तेजी से महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी कीमत

नई दिल्ली

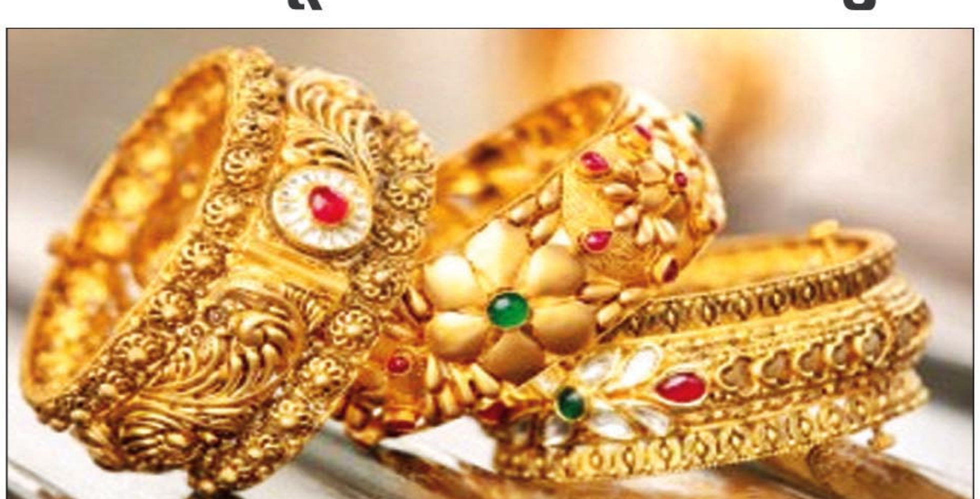

घरेलू सर्राफा बाजार में लगातार दूसरे दिन तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। सोना 250 से 280 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। सोने के भाव में तेजी आने की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 77,880 रुपये से लेकर 77,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 71,400 रुपये से लेकर 71,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी मामूली तेजी आई है। इस तेजी के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 91,600 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 77,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,400 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,730 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,800 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,300 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 77,730 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 71,250 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,730 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 77,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 71,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 77,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 71,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 77,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत में तेजी आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 77,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 71,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

# हरीश शर्मा मेमोरियल बास्केटबॉल चैंपियनशिप का आयोजन 28, 29 दिसंबर को

**नई दिल्ली**

भारतीय बास्केटबॉल महासंघ (बीएफआई) के दिवंगत महासचिव के योगदान को याद करते हुए हरीश शर्मा मेमोरियल बास्केटबॉल चैंपियनशिप का आयोजन 3×3 प्रारूप में किया जाएगा, जिसमें दर्जनों पुरुष और महिला टीमें भाग लेंगी। इसका आयोजन 28 और 29 दिसंबर को यहां इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम के केडी जाधव हॉल में किया जाएगा।

दो दिवसीय इस आयोजन में 3-पॉइंट शूटिंग, फ्री थ्रो और डंक प्रतियोगिताएं भी होंगी, जो इसे सभी के लिए रोमांचक बना देंगी।

हरीश शर्मा मेमोरियल बास्केटबॉल चैंपियनशिप का दूरदर्शन द्वारा 'लाइव' प्रसारण किया जाएगा और सोशल मीडिया पर भी इसका प्रसारण किया जाएगा। विश्व संस्था फीबा भी आयोजकों के सहयोग से इस कार्यक्रम का प्रसारण करेगी।

दिल्ली बास्केटबॉल एसोसिएशन की विज्ञप्ति के अनुसार, इस वर्ष का समापन बास्केटबॉल के दिग्गज हरीश शर्मा को श्रद्धांजलि देने के साथ करना वास्तव में एक शानदार अवसर है, जो एक दूरदर्शी व्यक्ति थे, जिन्होंने अपने अनुकरणीय नेतृत्व के माध्यम से भारत और विदेशों में बास्केटबॉल को बढ़ावा देने के लिए अपनी अभिनव और अनूठी रणनीतियों के साथ खेल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। दर्शकों को प्रेरित करने और उनका ध्यान आकर्षित करने के लिए, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण करेंगे। बास्केटबॉल 3म3 की विश्व संस्था फीबा ने इस चैंपियनशिप का समर्थन किया है और आयोजकों के साथ मिलकर इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी करेगी, जिससे इसे वैश्विक परिप्रेक्ष्य और व्यापक पहुंच मिलेगी। इस संबंध में, दूरदर्शन ने भी इस आयोजन के सीधे प्रसारण को मंजूरी दे दी है क्योंकि यह चैम्पियनशिप निश्चित रूप से सभी खिलाड़ियों, प्रशंसकों और आयोजकों को भारत में बास्केटबॉल केंद्रित संस्कृति को बढ़ावा देने में नए मानक स्थापित करने के लिए प्रेरित करेगी।

## न्यूज ब्रीफ

### एशियाई युवा भारोत्तोलन चैंपियनशिप 2024 : भारत ने जीते 33 पदक

**नई दिल्ली।** भारतीय टीम ने दोहा में 2024 एशियाई युवा (लड़के और लड़कियों) भारोत्तोलन चैंपियनशिप का समापन +87 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक जीतकर शानदार तरीके से किया। मैबाम मार्टिना देवी ने +87 किलोग्राम भार वर्ग में समापन दिवस पर एक कांस्य और दो रजत पदक जीते। 40 किलोग्राम भार वर्ग में 135 किलोग्राम भार उठाकर नया एशियाई युवा रिकॉर्ड बनाने वाली ज्योशना सबर को 1000 रॉबी अंकों के साथ युवा लड़कियों के वर्ग में सर्वश्रेष्ठ भारोत्तोलक चुना गया। इस आयोजन के दौरान जूनियर महिला और युवा लड़कियों की भारतीय टीम ने तीसरे स्थान की टीम ट्रॉफी जीती। इस आयोजन के दौरान कुल मिलाकर भारतीय युवा और जूनियर टीम ने सात स्वर्ण, 17 रजत और नौ कांस्य पदक के साथ 33 मूल्यवान पदक जीते।

### वार्षिकी 2024 : टी20 विश्व कप जीत से लेकर पेरिस में मनु भाकर के ऐतिहासिक डबल तक शानदार रहा भारत का सफर

**नई दिल्ली।** खेलों की दुनिया में वर्ष 2024 भारत के लिए एक शानदार सफर रहा। इस दौरान भारत ने जहां टी-20 विश्व कप का खिताब जीता, वहीं मनु भाकर ने ओलंपिक में दो ऐतिहासिक पदकों पर निशाना साधा। भारत ने 17 साल बाद जीता टी20 विश्व कप खिताब, कोहली, रोहित, जडेजा का संन्यास एक रोमांचक फाइनल में, जो आने वाले कई सालों तक यादों में रहेगा, भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने दक्षिण अफ्रीका को सात रनों से हराकर इतिहास रचते हुए 17 साल बाद आईसीसी टी-20 विश्व कप का खिताब जीत लिया। विराट कोहली, जिन्होंने बाद में टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों से संन्यास की घोषणा की, ने भारत की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, उन्होंने 76 रन बनाए और अपनी टीम को 176-7 का मजबूत स्कोर बनाने में मदद की। हालाँकि, दक्षिण अफ्रीका के लिए हेनरिक क्लासेन ने 27 गेंदों पर 52 रनों की तूफानी पारी खेलकर जरूर संघर्ष किया, लेकिन उनकी पारी बेकार गई और दक्षिण अफ्रीका की टीम 8 विकेट पर 169 रन ही बना सकी। इसी के साथ भारत ने 2007 के बाद अपना दूसरा टी20 विश्व कप खिताब जीता और 2013 चैंपियंस ट्रॉफी जीत के बाद से किसी बड़ी आईसीसी ट्रॉफी के लिए 11 साल के इंतज़ार को खत्म किया। टी-20 विश्व कप की खिताबी जीत के बाद भारत के तीन बड़े दिग्गज खिलाड़ी विराट कोहली, रोहित शर्मा और रवींद्र जडेजा ने टी-20 प्रारुप से संन्यास ले लिया। भारत ने ओलंपिक में छह पदक जीते भारतीय दल ने ओलंपिक में अपनी छाप छोड़ी, जिसमें एक रजत और पांच कांस्य पदक सहित छह पदक हासिल किए। स्टार परफॉर्मर नीरज चोपड़ा, मनु भाकर, सरबजोत सिंह, स्वप्निल कुसाले, अमन सेहरावत और भारतीय हॉकी टीम ने भारत के पदक जीतने में योगदान दिया, जिससे देश को जश्न मनाने का मौका मिला। मनु भाकर ने भारतीय निशानेबाजी में कई प्रथम स्थान हासिल करते हुए इतिहास रच दिया। वह खेलों के एक ही संस्करण में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय बनीं। भाकर का पहला कांस्य पदक महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में आया, जिससे वह ओलंपिक पोडियम पर पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला निशानेबाज बन गईं। वह 0.1 अंक से रजत पदक से चूक गईं। भाकर ने अपना दूसरा कांस्य पदक मिश्रित 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में जीता, जहां उन्होंने सरबजोत सिंह के साथ मिलकर दक्षिण कोरिया को 16-10 से हराया। मौजूदा ओलंपिक और जेवलिन थ्रो विश्व चैंपियन नीरज चोपड़ा ने रजत पदक जीता, लेकिन वह स्वर्ण पदक से चूक गए। चोपड़ा का प्रदर्शन प्रभावशाली रहा, उन्होंने 89.45 मीटर का सत्र का सर्वश्रेष्ठ थ्रो किया। वह स्वतंत्रता के बाद व्यक्तिगत स्पर्धा में दो ओलंपिक पदक जीतने वाले दूसरे पुरुष एथलीट बन गए। भारतीय हॉकी टीम, स्वप्निल और अमन ने भी भारत की पदक तालिका में योगदान दिया, जिन्होंने अपने-अपने स्पर्धाओं में कांस्य पदक जीते। पेरिस में पैरालिंपियनों का जलवा भारत ने पेरिस 2024 खेलों में अपना सर्वश्रेष्ठ पैरालंपिक प्रदर्शन किया, जहां भारतीय पैरा एथलीटों ने 29 पदक (सात स्वर्ण, नौ रजत और 13 कांस्य) जीते, जो टोक्यो 2020 के 19 पदकों से आगे निकल गया। इस ऐतिहासिक जीत ने भारत के कुल पैरालंपिक पदकों की संख्या को भी 50 के पार पहुंचा दिया। पैरा-साइक्लिंग, पैरा रोइंग और ब्लाइंड जूडो में नई प्रविष्टियों सहित 12 खेलों में रिकॉर्ड 84 पैरा-एथलीटों ने भारत का प्रतिनिधित्व किया।

## मेलबर्न टेस्ट दूसरा दिन

# यशस्वी की शानदार पारी के बाद लड़खड़ाई भारत की पारी, 164 रन पर खोए 5 विकेट

**मेलबर्न**

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यहां चल रहे बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच के दूसरे दिन भारत ने अपनी पहली पारी में 164 रन पर 5 विकेट खो दिये हैं। दिन का खेल समाप्त होने पर ऋषभ पंत 6 और रवींद्र जडेजा 4 रन बनाकर नाबाद हैं। भारत पहली पारी के आधार पर ऑस्ट्रेलिया से अभी भी 310 रन पीछे है। ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 474 रन बनाए थे।

भारत की पहली पारी की शुरुआत खराब रही और कप्तान रोहित शर्मा एक बार फिर असफल रहे और केवल 3 रन बनाकर पैट कमिंस का शिकार बने। रोहित इस मैच में यशस्वी जयसवाल के साथ पारी की शुरुआत करने उतरे थे।

रोहित के आउट होने के बाद केएल राहुल और जयसवाल ने भारत की पारी को 50 के पहुंचाया। हालांकि चायकाल से ठीक पहले 51 के कुल स्कोर पर राहुल पैट कमिंस का दूसरा शिकार बने। राहुल ने 24 रन बनाए।

### ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में बनाए 474 रन, स्मिथ का शतक

इसके पहले ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 474 रन बनाए। स्टीव स्मिथ ने 140 रनों की शानदार शतकीय पारी खेली। स्मिथ के अलावा उस्मान ख्वाजा ने 57, मार्नस लाबुशेन ने 72 और सैम कोंस्टास ने 60 रन बनाए। इन चारों के अलावा पैट कमिंस (49) और एलेक्स कैरी (31) ने भी महत्वपूर्ण पारियां खेलीं।

भारत की तरफ से जसप्रीत बुमराह ने 4, रवींद्र जडेजा ने 3, आकाशदीप ने 2 और वाशिंगटन सुंदर ने 1 विकेट लिया।

### कोहली-जयसवाल ने तीसरे विकेट के लिए की 102 रन की साझेदारी

राहुल के आउट होने के बाद बल्लेबाजी करने उतरे विराट कोहली ने संभलकर खेलना शुरू किया और यशस्वी जयसवाल के साथ मिलकर भारत का स्कोर 150 के पार पहुंचाया। हालांकि 153 के कुल स्कोर पर जयसवाल दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से रन आउट हो गए। जयसवाल ने 118 गेंदों पर 11 चौके और 1 छक्के की बदौलत 82 रनों की शानदार अर्धशतकीय पारी खेली। आउट होने से पहले उन्होंने विराट के साथ 102 रनों की साझेदारी की।

### लड़खड़ाई भारत की पारी

जयसवाल के आउट होने के बाद कोहली भी चलते बने। कोहली को बौलैंड ने अपना शिकार बनाया। कोहली ने 36 रन बनाए। नाइटवाच मैन केरूप में उतरे आकाशदीप भी कुछ खास नहीं कर सके और 159 के कुल स्कोर पर बिना खाता खोले बोलैंड का दूसरा शिकार बने। इसके बाद जडेजा और पंत ने दिन का खेल खत्म होने तक कोई और नुकसान नहीं होने दिया। जडेजा 4 और पंत 6 रन बनाकर नाबाद हैं। ऑस्ट्रेलिया की ओर से पैट कमिंस और स्कॉट बोलैंड ने 2-2 विकेट लिया।

# राष्ट्रीय मिनी गोल्फ प्रतियोगिताओं के लिए मप्र टीमें घोषित

**इन्दौर**

तमिलनाडु के सेलम में आयोजित 10 वीं राष्ट्रीय मिनीगोल्फ सबजूनियर और जूनियर प्रतियोगिता हेतु मध्यप्रदेश मिनीगोल्फ टीम की घोषणा कर दी है। प्रतियोगिता 28 दिसंबर से 2 जनवरी तक आयोजित होंगी। मध्यप्रदेश मिनीगोल्फ टीम की घोषणा अध्यक्ष रमेश मेंदोला सचिव व कौशल शिवरे ने की।

टीम इस प्रकार है: जूनियर बालक आदित्य पाटिल (कप्तान), अक्षत नामदेव, गजेंद्र सिंह राजपूत, शिवम यादव, प्रेम विश्वास, भविष्य नागर, देव चौधरी, निशांत आथिया, सृजन बिठारे, हर्ष सोनी, लेकांश बड़कूर, सुमित पाल, कोच-आयुष चौधरी, मैनेजर-अमित गिरी। जूनियर बालिका - दीपाली काले (कप्तान), सुरभि राजपूत, सिमरन चौहान, रंजीता पाटीदार, रजवी जैन, वंशिका पांचाल, खुशी पाटीदार, ऋषिका चौहान, गरिमा यादव, वंशिका यादव, कुमकुम भास्कर, दिया वाजे, कोच-विपिन गायकवाड़, मैनेजर-हर्षिता चोरे। सब जूनियर बालक में आदि मिश्रा (कप्तान), हदयांश शर्मा, अक्षत पटेल, दीपक चौधरी, राजू राजपूत, अंकित फलक, सिद्धार्थ मंडलोई, अथर्व शर्मा, शौर्यवर्धन जयशेखर, वंश राजौरे, अर्जित शिवरे, सत्यनारायण रैदास, कोच-अंश पाल, मैनेजर-जीशान कुरैशी। सब जूनियर बालिका में यशस्वी चौहान (कप्तान), अक्षिता शर्मा, मंजिल यादव, नीहारिका परमार, ईशा, ऐश्वर्या कुरील, सृष्टि जाट, कोच-कशिश शर्मा, मैनेजर-कनक यादव। राष्ट्रीय मिनीगोल्फ प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश के अनंत प्रजापत एवं आवेश खान ऑफिशियल की भूमिका में रहेंगे। घोषणा के बाद टीम के प्रतियोगिता में जाने से पूर्व मध्यप्रदेश टीम को प्रशिक्षण शिविर के दौरान विधायक गोलू शुक्ला ने ट्रैकसूट एवं किट वितरित किए। इस अवसर पर पार्षद सुरेश टाकलकर, गजानन गावड़े, महेश अग्रवाल, चंद्रभान सोलंकी, विक्रम अवॉर्डी सिकंदर कुरील, विक्रम व विश्वामित्र अवॉर्डी सचिन कस्तूरे, सुरेंद्र सिंह सिद्धू, मनोज यादव उपस्थित थे।

## प्रीमियर लीग

प्रीमियर लीग फुटबॉल में खेलते हुए लीवरपूल और लीशेस्टर क्लब के खिलाड़ी।

# पोटिंग सहित कई पूर्व दिग्गजों ने रोहित के शॉट चयन पर सवाल उठाये

**मेलबर्न**

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जारी सीरीज के चौथे क्रिकेट टेस्ट की पहली पारी में भी असफल रहे और केवल तीन रन ही बना पाये। इसी को लेकर कई दिग्गज क्रिकेटरों ने रोहित के शॉट चयन पर सवाल उठाये हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा कि जिस प्रकार पैट कमिंस की एक अच्छी गेंद को भारतीय कप्तान ने खेला वह निराशाजनक था। पोंटिंग के अनुसानर मजबूत गेंदबाजी लाइन-अप का सामना करते समय आपको हमेशा तैयार रहने के साथ ही सही फैसले लेने चाहिए। रोहित इस सीरीज में पहली बार पारी की शुरुआत करने उतरे थे पर वह उसमें विफल रहे। इससे पहले दूसरे और

तीसरे टेस्ट में वह मध्यक्रम पर उतरे थे लेकिन वहां भी वह रन नहीं बना पाये।

इस बार रोहित ने पारी की शुरुआत करते हुए कमिंस की गेंद पर एक पुल शॉट खेला पर गेंद ठीक से बल्ले पर नहीं आयी और वह कैच हो गये। इस शॉट की आलोचना करते हुए पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने कहा कि ये एक बेमन से लगाया शॉट था जिसके लिए रोहित ने ठीक से प्रयास नहीं किया। उन्होंने अपनी जगह पर खड़े-खड़े खेलने का प्रयास किया। इस प्रकार के शॉ को प्रतिबद्ध होकर लगाया नहीं कहा जा सकता है। वह आक्रामक भी नहीं लग रहे थे। वह बस गेंद को किसी प्रकार दिशा देने का प्रयास करते हुए दिखे। अगर आप इस तरस से ऑस्ट्रेलियाई आक्रमण का सामना करते हैं तो आपको सावधान रहना होगा और अच्छे निर्णय लेने होंगे।

वहीं अगर आप ऐसा नहीं करते हैं, तो वे हर बार अपना विकेट गंवा देंगे। इसी प्रकार के विचार ऑस्ट्रेलिया के ही पूर्व क्रिकेटर डेरेन लेहमैन ने व्यक्त किये हैं। उन्होंने कहा, अगर हिट करने जा रहे हैं तो उसे हिट करें रोहित। आप एक क्लास खिलाड़ी हैं, आपको वास्तव में इसे स्वीकार करना चाहिए। आउटफील्ड में बहुत जगह है, इसे स्वीकार करें और शॉट खेलें।

# आईडीसीए ने टी20 त्रिकोणीय और एकदिवसीय बधिर क्रिकेट श्रृंखला के लिए घोषित की भारतीय टीम

**नई दिल्ली**

भारतीय बधिर क्रिकेट संघ (आईडीसीए) ने आगामी अंतरराष्ट्रीय टी20 और वनडे बधिर क्रिकेट श्रृंखला के लिए 16 सदस्यीय टीम इंडिया की घोषणा की है। भारत, दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच टी20 अंतरराष्ट्रीय त्रिकोणीय श्रृंखला 2 मार्च से 8 मार्च, 2025 तक नई दिल्ली में आयोजित की जाएगी।

त्रिकोणीय श्रृंखला के बाद, भारतीय बधिर क्रिकेट टीम 10 मार्च से 12 मार्च तक ऑस्ट्रेलिया के साथ तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला खेलेगी।

भारतीय बधिर टीम का चयन अखिल भारतीय पुरुष चयन समिति ने किया। टीम का नेतृत्व वीरेंद्र सिंह करेंगे, जबकि साई आकाश उप-कप्तान होंगे। भारतीय बधिर क्रिकेट टीम मुख्य कोच देव दत्त और सहायक कोच सुशील गुप्ता के विशेषज्ञ मार्गदर्शन में व्यापक प्रशिक्षण और अभ्यास सत्रों से गुजरेगी। आईडीसीए के अध्यक्ष सुमित जैन ने कहा, भारतीय टीम बेहद आशाजनक लग रही है। मुझे उम्मीद है कि बधिर क्रिकेट टीम के हमारे खिलाड़ी दोनों टूर्नामेंट में शीर्ष पर रहने के लिए शानदार

प्रदर्शन करेंगे।

अंतरराष्ट्रीय त्रिकोणीय श्रृंखला और एकदिवसीय श्रृंखला भारतीय बधिर क्रिकेट टीम के लिए लगातार अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन को दिखाने का एक बड़ा मंच होगा। यह खिलाड़ियों के लिए टीम को दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक के रूप में स्थापित करने का एक अवसर भी होगा। भारतीय बधिर क्रिकेट संघ (आईडीसीए) बधिर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (डीआईसीसी) का सदस्य है। डीआईसीसी दुनिया भर में श्रवण बाधित एथलीटों के बीच क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के साथ मिलकर काम करता है। आईडीसीए की सीईओ रोमा बलवानी ने कहा, आईसीडीए हमेशा से हमारे श्रवण बाधित खिलाड़ियों की विशेष एथलेटिक प्रतिभा को बढ़ावा देने और उसकी सराहना करने के लिए इस तरह की श्रृंखलाओं के आयोजन और मेजबानी के लिए समर्पित रहा है।

मैं आगे प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंट देखने के लिए उत्सुक हूं, जहां सभी टीमों के खिलाड़ी अपनी असाधारण प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। भारतीय बधिर क्रिकेट टीमः वीरेंद्र सिंह - कप्तान (हिमाचल प्रदेश), साई आकाश - उप कप्तान (तमिलनाडु), उमर अशरफ-विकेट कीपर (जम्मू और कश्मीर), अभिषेक सिंह (पश्चिम बंगाल), आकाश सिंह (हरियाणा), यशवंत नायडू (आंध्र प्रदेश), संजू शर्मा (राजस्थान), संतोष कुमार महापात्र (ओडिशा), कुलदीप सिंह (हरियाणा), विवेक कुमार (हरियाणा), सुदर्शन ई (तमिलनाडु), कृष्णा गौड़ा विकेट कीपर (महाराष्ट्र), एम. श्रमित, (कर्नाटक), सिबुन नंदा (ओडिशा), अंकित जांगिड़ (राजस्थान), सारिक मजीद (जम्मू और कश्मीर)।

टिप्स

# घरेलू बजट यानी जीने की आसान राह

किसी भी बजट के दो हिस्से होते हैं- **आय और खर्च.** पारिवारिक हिसाब-किताब का बजट भी इससे बहुत अलग नहीं होता. हां, एक अंतर जरूर होता है- सरकारी बजट में भारी-भरकम घाटे का जिक्र होता है. इसके विपरीत पारिवारिक बजट में कर्ज का ज्यादा बोझ नहीं होता। दरअसल, बजट भविष्य की आय और खर्चों की एक योजना भर है, जिसका इस्तेमाल खर्च और बचत के दिशा-निर्देश के तौर पर किया जा सकता है. हालांकि हममें से कई अपने-अपने खर्चों को व्यवस्थित करने के लिए बजट बनाते हैं. हमारे आसपास ऐसे लोगों की भी कमी नहीं है, जो नियमित तौर पर क्षमता से अधिक खर्च करते हैं. आय के हिसाब से सीमित दायरे में खर्च करने का सबसे अच्छा तरीका अपने खर्चों को गहराई से समझना और यह पक्का करना है कि हर हाल में आमदनी से कम खर्च हो. अच्छे मासिक बजट से यह सुनिश्चित करने में मदद मिल सकती है कि बिलों का भुगतान समय पर किया जा रहा है, आकस्मिक जरूरतें पूरी करने के लिए पर्याप्त रकम सुरक्षित है और तमाम वित्तीय लक्ष्य हासिल कर लिए गए हैं।

## खर्चों का हिसाब लगाएं

खर्चों का हिसाब लगाने का सबसे अच्छा तरीका यह पता करना होता है कि आप आम तौर पर एक माह में कितनी रकम खर्च करते हैं. सरसरी खर्चों का ब्योरा तैयार करने के लिए आप इन्हें दो हिस्सों में बांट सकते हैं. मसलन, निश्चित और कभी-कभार होने वाले खर्च. निश्चित खर्च उन्हें कहते हैं, जिनमें हर माह बदलाव नहीं होता. मकान का किराया और इंश्योरेंस के प्रीमियम ऐसे ही खर्च हैं. इसके उलट कम-ज्यादा (फ्लेक्सिबल) होने वाले खर्च की रकम हर माह समान नहीं होती. खाने-पीने की चीजों और मनोरंजन पर होने वाले खर्च इस श्रेणी में आते हैं. यदि एक या एक से अधिक जरूरतों के लिए खर्च की रकम हर माह ज्यादा घटती-बढ़ती है, तो ऐसे में तीन महीनों के कुल खर्चों का औसत निकाल लें.

## आय व खर्च में अंतर का पता करें

हर माह होने वाली आय और खर्चों का हिसाब लगाने के बाद आमदनी की कुल रकम में से खर्च की राशि घटा लें. ऐसा करने पर यदि वाकई थोड़ी रकम बचती है, तो आप बधाई के पात्र हैं. इसका अर्थ यह हुआ कि आपकी कुल आय मुकम्मल खर्चों के मुकाबले ज्यादा है, लेकिन यदि खर्च की कुल रकम पूरी आमदनी से ज्यादा बैठती है, तो यह चिंता वाली बात होगी. ऐसे में आपको खर्चों में कटौती करनी पड़ेगी, ताकि यह पक्का किया जा सके कि आप आय की सीमा में ही जीवनयापन कर रहे हैं. याद रखें आय से अधिक खर्च कर्ज में डालता है.

## भारी पड़ेगी अनुशासनहीनता

कुल मिलाकर अब आपने अपना बजट बना लिया. अब अगला चरण बजट के साथ अनुशासन बरतना है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके खर्च, आमदनी और बचत का निश्चित अनुपात बना रहे. यदि कभी लगे कि आप बजट के मुताबिक खर्चों के मामले में अनुशासन नहीं बरत पा रहे हैं, तो इसका मतलब है कि उसके ताने-बाने में पर्याप्त लचीला रुख नहीं अपनाया गया है. ऐसे में आपको बजट की समीक्षा करनी पड़ेगी. इसमें थोड़ा समय लग सकता है, लेकिन अंततः इससे संतुलन बनेगा और जीवन सरल हो जाएगा. यह पूरी प्रक्रिया उबाऊ और नीरस लग सकती है, लेकिन अनुभव दर्शाते हैं कि जिन लोगों ने बजट बनाया और पूरी ईमानदारी से उस पर अमल किया, उन्होंने बढ़ी आसानी से वित्तीय लक्ष्य हासिल कर लिए। वर्षों से केंद्र सरकार का बजट घाटे में रहा है. इसके विपरीत पारिवारिक बजट हमेशा सरप्लस यानी खर्च से ज्यादा आय वाला होना चाहिए और इसके साथ कभी समझौता नहीं किया जा सकता।

# ब्यूटी मिस्टेक्स के स्मार्ट सौल्यूशंस

सुंदर दिखना कौन नहीं चाहता, सुंदर दिखना हर किसी की ख्वाहिश होती है. आज हर किसी में सुंदर दिखने की होड़ लगी है. आप की खूबसूरती की सभी तारीफ करें, आप इस के प्रयास करती रहती हैं. आप की ब्यूटी को निखारने में मेकअप की अहम भूमिका होती है, लेकिन कई बार जानेअनजाने छोटीछोटी मिस्टेक्स हो जाती हैं. ये मेकअप मिस्टेक्स किसी से भी हो सकती हैं, फिर चाहे वह आप हों या आप की सहेली या फिर कोई पसंदीदा अभिनेत्री. यहां छोटीछोटी गलतियों के स्मार्ट सौल्यूशंस बता रहे हैं, मेकअप ऐक्सपर्ट्स कपिल पाठक और ऐना.

## बेमेल रंग

बेमेल रंग जैसी मिस्टेक होना आम बात है, अकसर युवतियां चेहरे पर ध्यान देने की वजह से यह भूल जाती हैं कि गरदन व बांहों का रंग अलग है. यह देखने में बड़ा बेमेल लगता है. यह ब्रौंजर के अधिक इस्तेमाल करने से होता है.

**ऐक्सपर्ट एडवाइसः** चेहरे के रंग से अगर आप अपनी गरदन व बांहों का मेल कराना चाहती हैं, तो ब्रौंजर को अपने फोरहैड, नोज, चीकबोंस व जौ लाइन से गरदन तक लगाएं. ध्यान रखें कि ब्रौंजर स्किन टोन से 2 शेड गहरा हो.

## मोटा व गाढ़ा आइलाइनर लगाना

गाढ़ा व मोटा आइलाइनर हर किसी पर केकी लुक देता है. यह सिर्फ कैमरा फेस करने के लिए उपयुक्त रहता है.

**ऐक्सपर्ट एडवाइसः** क्लासिक नैचुरल लुक पाने के लिए आप वाटर बेस्ड नैचुरल कलर वाला लाइनर चुनें. अगर आप की पलकें बड़ी हैं, तो आप थोड़ी मोटी लाइन बना सकती हैं. जिन की पलकें छोटी हों, उन्हें पतली और कोने के बाहर निकलती हुई लाइन बनानी चाहिए.

## आईब्रो सैटिंग्स

सही आकार होने के बावजूद भौं के बाल ठीक से कोंब न होने से खराब लगते हैं.

**ऐक्सपर्ट एडवाइसः** लैश ब्रश या क्लीन मसकारे से भौं को ऊपर व बाहर की ओर फैलाएं ताकि वे सही शेप में नजर आएं. जो बाल अनईवन दिखें, उन पर हलका सा पानी लगा कर शेप दें. आप चाहें तो ब्रो जैल भी लगा सकती हैं.

## चमकदार चेहरा

युवतियां दूसरों की देखादेखी अपने चेहरे पर भी ऐसा मेकअप कर लेती हैं, जो अत्यधिक चमकदार लगता है.

**ऐक्सपर्ट एडवाइसः** मेकअप से पहले फेस प्राइमर लगाएं. उस के बाद तेलरहित बेस चुनें. बेस लगाने के बाद ट्रांसलूसैंट पाउडर से मेकअप का टचअप करें व सैट करें. फिर बाद में पाउडर न लगाएं. इस के बाद चेहरे पर ब्लौटिंग पेपर रख कर दबाएं ताकि ऐक्स्ट्रा पाउडर व औयल निकल जाए.

## लिपस्टिक का दांतों पर लगना

लिपस्टिक लगाने के बाद हमेशा आप मिरर में देख कर स्माइल करें, ताकि आप को पता चल जाए.

**ऐक्सपर्ट एडवाइसः** लिपस्टिक लगाने का सब से अच्छा तरीका यह है कि आप उसे हमेशा ब्रश की सहायता से लगाएं. चैक करने के लिए अपनी उंगली होंठों के अंदर ले जा कर होंठ अच्छी तरह से दबाएं ताकि ऐक्स्ट्रा लिपस्टिक आप की उंगली पर आ जाए.

## फाउंडेशन का यूज

कभीकभार जल्दबाजी में ज्यादा फाउंडेशन लग जाता है. सूखने पर पता चलता है कि अधिक फाउंडेशन की वजह से चेहरा केकी लग रहा है.

**ऐक्सपर्ट एडवाइसः** फेस ड्राई है तो पाउडर फाउंडेशन का यूज न करें. इस की जगह लिक्विड या क्रीमी फार्मूला यूज करें. मिक्स स्किन के लिए क्रीम टू पाउडर फाउंडेशन का यूज करें. अगर फाउंडेशन ज्यादा लग गया हो, तो गीला स्पौंज ले कर ऊपर से नीचे की ओर चेहरा साफ करें. हाथ बराबर चलाएं. टिश्यू पेपर को चेहरे पर रख कर हलका सा दबाएं. ऐसा करने से ऐक्स्ट्रा फाउंडेशन क्लीन हो जाएगा.

## गाढ़ा आई मेकअप

क्या आप को पता है कि डार्क आई मेकअप आप की आंखों को और छोटा कर देता है. रात की पार्टी के लिए स्मोकी आई लुक सब से ज्यादा पसंद किया जाता है. यह आंखों के आसपास के भाग को काला कर देता है, जिस से आंखों का सफेद हिस्सा दिखाई नहीं देता और यह आंखों को भी छोटा दिखाता है.

**ऐक्सपर्ट एडवाइसः** आम धारणा है कि स्मोकी आई लुक ब्लैक शैडो से ही मिल पाता है, लेकिन ऐसा नहीं है. इस की जगह ग्रे व ब्लू शेड भी बेहतरीन लुक देते हैं. सब से पहले अपनी निचली और ऊपरी पलकों पर ब्लैक आइलाइनर लगाएं. अब पलकों पर ग्रे शैडो अप्लाई करें और एक पतले आइलाइनर ब्रश से उसे पलकों पर फैलाएं. अच्छी तरह से ब्लेंड करें ताकि लाइन नजर न आए. अब भीतरी कोनों पर व्हाइट सिमरी शैडो लगाएं.

## गलत है वैक्सिंग का तरीका

कभीकभी वैक्सिंग से त्वचा काली पड़ जाती है और शरीर पर दाने उभर आते हैं, वैक्सिंग करने का यह तरीका काफी नुकसानदायक है.

**ऐक्सपर्ट एडवाइसः** गरम वैक्स से बालों को निकालना दुखदायी तो होता है, पर तब जब वैक्स जरूरत से ज्यादा गरम हो जाए, यह स्किन को बर्न कर दागधब्बे छोड़ देता है इसलिए वैक्स को सही टैंपरेचर पर गरम करें.

## ब्यूटी मास्क

होममेड ब्यूटी मास्क से कभीकभी स्किन पर रैशेज भी आ जाते हैं.

**ऐक्सपर्ट एडवाइसः** होममेड ब्यूटी मास्क तो होम व नैचुरल चीजों को मिला कर ही तैयार किया जाता है. पर फिर भी स्किन में रैशेज की वजह बन जाता है. ऐसे में साफ कपड़े को दूध में भिगो कर उन जगहों पर लगाएं. इस से स्किन पर होने वाली इरिटेशन कम होगी.

## ग्लौसी लिप्स

इस से बचने के लिए मेगा शाइन लिपग्लौस चुनें.

**ऐक्सपर्ट एडवाइसः** ज्यादा लिपग्लौस न लगाएं. अगर यह आप के होंठों से बाहर आने लगे तो इसे दोबारा यूज न करें. टिश्यू पेपर को होंठों पर रख कर हलके से दबाने पर यह अपनेआप फैल जाएगा.

जानकारी

# नाखूनों से जानिए सेहत का राज

गलत खान-पान और गलत जीवनशैली का प्रभाव हमारे शरीर पर हमेशा पड़ता है, जिसे हम नहीं जान पाते और जब तक इस बारें में पता चलता है, तब तक बहुत देर हो जाती है. हमारे नाखून भी ऐसे ही है, जो हमारे शरीर की आधी बीमारी को बताने में सफल होते है. असल में नाखून हमारे शरीर में किस चीज की कमी है या कौन सी बिमारी दस्तक दे रही है, उसकी कंडीशन क्या है आदि सभी बातें आसानी से बता देती है. इसके अलावा सालों साल आप क्या खा रहे है या किसे अधिक खा रहे है, इन सबका असर नाखूनों पर पड़ता है. नाखून की सतह पर सफेद दाग या धब्बे या नाखूनों का 'ब्रिटल' होना या नीला पड़ जाना, उसके आकार में परिवर्तन होना आदि शामिल है.

## यहां कुछ बातें निम्न है, जिसे जानना जरुरी है

- अगर नाखून के आकार तोते की चोंच के तरह हो रहे है तो, व्यक्ति को कार्डिएक की बीमारी या लंग्स डिसआर्डर होने की संभावना होती है,
- नाखून की सतह पर सफेद स्पाट या लकीरे होने पर बायोटिन की कमी होती है, बायोटिन हमारे शरीर में उपस्थित बैड कोलेस्ट्रोल को घटाकर शरीर को उर्जा प्रदान करती है, इसके अलावा ऐसे नाखून लीवर सम्बन्धी बिमारी की ओर इशारा करते है, इसके लिए फ्रेश वेजिटेबल्स और सलाद का खाना लाभदायक होता है.
- कैल्शियम, प्रोटीन और विटामिन्स की कमी से नाखून 'ब्रिटल' हो जाते है, इसमें नाखून के ऊपर से पपड़ी निकलने लगते है, असल में ऐसे नाखूनों में ब्लड सर्कुलेशन कम होता है, ऐसे नाखून वाले व्यक्ति अधिकतर थाइरोइड या आयरन की कमी के भी शिकार होते है, जिसे समय रहते इलाज करना जरुरी है, एग, फिश, बादाम, आलमंड्स आदि का सेवन भी इसमें लाभदायक होता है.
- नीले रंग के नाखून वाले अधिकतर व्यक्ति श्वास की बिमारी, निमोनिया या दिल से सम्बंधित बिमारियों से पीड़ित होने की संभावना होती है.
- पीले नाखून वाले व्यक्ति अधिकतर पीलिया के शिकार होते है, इसके अलावा सिरोसिस और फंगल इन्फेक्शन जैसी बीमारियां उन्हें हो सकती है, धूम्रपान करने वाले व्यक्ति के नाखून भी पीले या बदरंग हो जाते है.
- आधे सफेद और आधे गुलाबी रंग के नाखून वाले व्यक्ति को किडनी से सम्बंधित बीमारियां हो सकती है, ऐसे नाखून खून की कमी को भी संकेत देती है.
- सफेद रंग के नाखून लीवर से सम्बंधित बिमारियों जैसे हेपेटाइटिस की खबर देते है.
- कई बार नाखूनों के आस-पास की त्वचा सूखने लगती है, इसे अनदेखा न करें, ये विटामिन सी, फोलिक एसिड या प्रोटीन की कमी से होती है, इसलिए अपने आहार में प्रोटीनयुक्त पदार्थ, पत्तेदार सब्जियां आदि लें.

इसके आगे डा. सोमा कहती है कि महिलाएं खासकर पानी में अधिक काम करती है. इसलिए उनमें नाखून की बिमारी अधिक देखी जाती है, ऐसे में उन्हें अपने नाखूनों की देखभाल अच्छी तरह से करनी चाहिए, जो निम्न है.

- काम करने के बाद हल्के गरम पानी से नाखूनों को साफ करने के बाद, नेल क्रीम या किसी भी कोल्ड क्रीम से अपने नाखूनों को मोयास्चराइज करें.
- एसीटोन युक्त नेल रिमूवर से नेलपॉलिश कभी साफ न करें.
- नाखूनों को समय-समय पर काटकर उसे नेल फाइलर द्वारा साफ करें.
- नेल पालिश लगाने से पहले नेल हार्डर लगाकर नेलपालिश लगायें, जिससे नाखून केमिकल से सुरक्षित रहे.

# पर्यटकों को तेजी से आकर्षित कर रहा है दुबई शहर

हाल ही में वर्ल्ड ट्रैवल एंड टूरिज्म काउंसिल ने चीन के कुछ खास पर्यटन स्थलों को लेकर एक रिपोर्ट तैयार की है. इस रिपोर्ट के मुताबिक हांगकांग इस साल दुनिया का मोस्ट विजिटेड प्लेस साबित हो सकता है लेकिन दक्षिण पश्चिम चीन में स्थति चौन्किंग सिटी भी कम नहीं है.यह शहर तेजी से इस दावेदारी की ओर बढ़ रहा है. चौन्किंग दक्षिण-पश्चिम चीन में यांग्त्ज़ नदी का एक प्रमुख बंदरगाह बन चुका है. रिपोर्ट के मुताबिक चौन्किंग दुनिया का सबसे तेजी से बढ़ता पर्यटन क्षेत्र बन गया है. पिछले साल की अपेक्षा इस साल यहां 14त्न वृद्धि दर्ज की गई है. वर्ल्ड ट्रैवल एंड टूरिज्म काउंसिल के मुताबिक इसके लिए चीन के करीब 65 शहरों का सर्वेक्षण किया गया है। आगर आप भी जानना चाहती हैं कि ऐसा क्या खास है इस शहर में तो हमारी माने तो एक बार आप यहां आईये और खुद इस जगह का लुत्फ ले क्योंकि यहां कि लाइफ स्टाइल, रहन सहन, खान पान ये सभी इस शहर को सबसे अलग बनाते हैं और तो और यह पर्यटन के नजरिये से भी बेहतर है.

## जगह-जगह हौटपौट

ये वही शहर हैं जहां का पर्यटन ही उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बनाता है. चौन्किंग की ग्रोथ को मजबूत बनाने में चाइनीज विजिटर्स का खास योगदान है. हालांकि ऐसा नहीं है कि यहां पर अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों के लिए खास औफर्स नहीं है. चौन्किंग यह सब कैसे कर रहा है यह जानना भी जरूरी है.

चौन्किंग में तीन घाटियों वाली विशाल नदी आकर्षण का केंद्र है. यहां पर पर्यटकों को काफी मजा आता है. इसके अलावा चौन्किंग के स्पाइसी हौटपौट भी पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते है. चीन के चौन्किंग शहर में हौटपौट रेस्टोरेंट शहर में बड़ी संख्या में खुले हैं. यहां ये रेस्टोरेंट थोड़ी-थोड़ी दूर पर आसानी से मिल जाएंगे. ये हौटपौट टंग नंबिंग यानी कि जीभ सुन्न करने के लिए जाने जाते हैं.

## स्वच्छता का विशेष ध्यान

इनमें मिलने वाले हौटपौट को इतना चटपटा बनाने के लिए शहर की तरफ से अधिकारिक गाइडलाइन भी तैयार की गई है. खास बात तो यह है कि इसे बनाने से लेकर सर्व करने तक साफ सफाई का विशेष ध्यान रखा जाता है.यहां पर फूड प्वाइंट पर स्टाफ प्रशिक्षित रखा जा रहा है कि जो कि डिनर सर्व होने से पहले उसकी हर कमी को चेक करता है. इसके अलावा यहां पर्यटकों की हर डिमांड को तुरंत फुलफिल करने कोशिश होती है जिससे कि वे भड़कने न पाएं. चौन्किंग में कई ऐतिहासिक पर्यटन स्थल हैं जो पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित कर रहे हैं क्योंकि पर्यटकों को यहां आधुनिक सुविधाएं जो मिल रही हैं. यहां पर यांग्त्ज़ी नदी को पार करने के लिए 1960 में पुल का निर्माण किया गया था.

## तेजी से हो रहे बदलाव

सन 1987 में यहां पर केबल वे बनाया गया. हालांकि बीच में यह बंद भी हुए लेकिन 2014 में रेनोवेशन के बाद ये केबल मार्ग फिर से चालू हो गए. यहां पर इस साल जनवरी और सितंबर के बीच करीब 2.8 मिलियन से अधिक पर्यटक आए हैं। चौन्किंग को खूबसूरत बनाने में वहां की फैक्ट्री साइट भी अपने में बदलाव कर रही हैं. शौपिंग आदि के हिसाब से यह स्थान पर्यटकों के बीच काफी तेजी से लोकप्रिय हो रहा है. सांस्कृतिक क्रेंद्रो में भी बड़े स्तर पर नवीनीकरण हो रहा है. एलिंग पार्क और माओर क्रिएशन एंड आर्ट काफी तेजी से बदल रहे हैं. यहां पर पर्यटकों के मनोरंजन को देखते हुए सिनेमा आदि की भी विशेष व्यवस्था हुई है. इससे चीन का ये किनारे वाला शहर तेजी से भविष्य में वर्ल्ड का मोस्ट विजिटिंग सिटी का दावेदार होने की ओर बढ़ रहा है.

रेसिपी

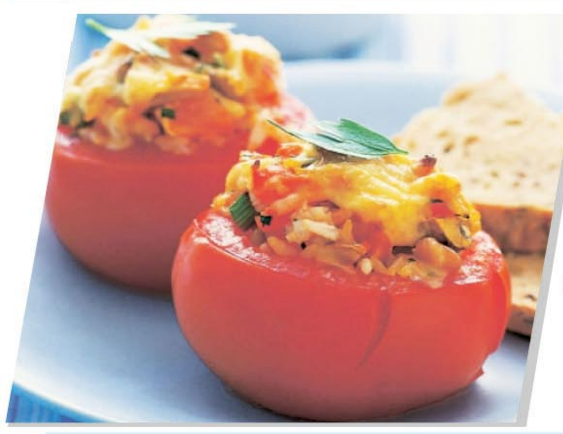

## टेस्टी बेक्ड टोमैटो

### सामग्री

1 टमाटर

6 बड़े चम्मच ब्रैडक्रंब्स

5 बड़े चम्मच परमेसन चीज, 2 काले जैतून के टुकड़े, 1 बड़ा चम्मच स्पैगैटी, चुटकी भर लहसुन पाउडर

### विधि

टमाटर को आधा काट कर गूदा निकाल दें. एक बाउल में ब्रैडक्रंब्स, 2 बड़े चम्मच परमेसन चीज और लहसुन पाउडर मिलाएं. इस मिश्रण को टमाटर के अंदर भर कर ऊपर से बचा चीज डालें. जैतून के टुकड़ों को लगाएं. एक बेकिंग ट्रे में स्पैगैटी और टमाटर रख कर 10-12 मिनट तक पहले से 180 डिग्री सैंटीग्रेड पर गरम किए ओवन में बेक कर तुरंत सर्व करें.

## हेल्दी ब्रेकफास्ट टोस्ट कप

### सामग्री

6 ब्रैडस्लाइस,

थोड़ी सी पालक पत्ती

1/4 कप चीज

6 अंडे, 2 बड़े चम्मच बटर

नमक व कालीमिर्च स्वादानुसार

### विधि

6 मफिन टिन को ग्रीस कर अलग रखें. 180 डिग्री सैंटीग्रेड पर ओवन गरम करें. ब्रैडस्लाइस के किनारे काट कर गोल टुकड़े काट लें. बचे ब्रैड के टुकड़ों को अलग रखें, ब्रैड के गोल टुकड़ों के 2 बराबर भाग कर बटर लगाएं. मफिन टिन में अलग रखे ब्रैड के टुकड़े डालें. ऊपर ब्रैड के गोल टुकड़े रखें. फिर पालकपत्ती रख कर ऊपर चीज डालें, उस पर अंडे फोड़ कर डालें. नमक व कालीमिर्च बुरक कर 10-15 मिनट ओवन में बेक कर सर्व करें.

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
**संपादक : राकेश शर्मा,** मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 ( संपादकीय )** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **( सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन )**